E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 301 | गुवाहाटी | बुधवार, 31 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

कृष्णाई में लकड़ी माफिया ने वन कर्मियों पर किया हमला, चार घायल पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर पहली जनसभा आज अजमेर में करेंगे पेज 4
शिक्षा समाज के लोगों की भावनाओं को समझने का जरिया : योगी आदित्यनाथ पेज 5
मनसा माता की पहाड़ियों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से आठ की मौत, 26 घायल पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
चोर और राज कर्मचारियों से धन की रक्षा करनी चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

केंद्रीय गृहमंत्री ने नागरिक संस्थाओं के नेताओं से की बात

दंगा पीड़ितों के लिए मुआवजे का एलान

इंफाल। कुकी नागरिक संस्थाओं के नेताओं से बातचीत के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में इस महीने की शुरुआत में हुई जातीय हिंसा से सबसे बुरी तरह प्रभावित चुराचांदपुर का मंगलवार को दौरा किया। आईबी प्रमुख और गृह सचिव के साथ हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने वाले शाह चर्च के पदाधिकारियों के साथ-साथ कुकी समुदाय के बुद्धिजीवियों से भी मिल रहे हैं, ताकि उनकी शिकायतों को समझा जा सके और पूर्वोत्तर राज्य में शांति लाने के तरीके खोजे जा सकें। राज्य में हाल में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष की कई घटनाएं सामने आई हैं। इससे पहले दिन में सरकार ने घोषणा की कि वह मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मरने वालों को 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। दंगे में मारे गए व्यक्ति के परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि मुआवजे की राशि केंद्र और राज्य सरकार बराबर-बराबर वहन करेंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के बीच सोमवार रात को हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। मणिपुर करीब एक महीने से जातीय हिंसा से प्रभावित है और राज्य में इस दौरान झड़पों में इजाफा देखा गया है। कुछ सप्ताह की खामोशी के बाद रविवार को सुरक्षा बलों एवं उग्रवादियों के बीच गोलीबारी भी हुई। अधिकारियों ने कहा कि संघर्ष में मरने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। इस बैठक में यह सुनिश्चित करने का भी फैसला किया गया कि बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए पेट्रोल, एलपीजी गैस, चावल और अन्य खाद्य सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुएं अधिक मात्रा में उपलब्ध कराई जाएंगी। गृह मंत्री शाह सोमवार रात को विमान से इंफाल पहुंचे और उनके साथ गृह सचिव अजय कुमार भल्ला तथा खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका भी थे। शाह ने हिंसा प्रभावित राज्य में शांति लाने की अपनी पहल के तहत मंगलवार को महिला नेताओं के एक समूह के साथ नाश्ते पर बैठक में हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया। शाह ने ट्वीट किया कि मणिपुर में महिला नेताओं (मीरा पैबी) के एक समूह के साथ बैठक की। मणिपुर के समाज में महिलाओं की भूमिका के महत्व को दोहराया। हम सब मिलकर राज्य में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता के अनुसार, शाह ने आज सुबह इंफाल में विभिन्न नागरिक संस्थाओं के -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम आवास पर बुलाई सर्वदलीय बैठक

इंफाल। मणिपुर के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार को इंफाल पहुंचे अमित शाह अभी तक कई बैठकें कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति लाने के प्रयास में इंफाल में एक सर्वदलीय बैठक की है। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता से समझौता हुआ तो लौटाएंगे पुरस्कार

इंफाल। मणिपुर के अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता खिलाड़ियों ने मंगलवार को कहा कि यदि राज्य की क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किया जाता है तो वे सरकार द्वारा दिए गए पुरस्कार लौटा देंगे। इन खिलाड़ियों में से 11 केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को राज्य के उनके दौरे के दौरान इस मुद्दे पर एक ज्ञापन सौंपेंगे। एल अनीता चानू (ध्यानचंद पुरस्कार विजेता), अर्जुन पुरस्कार विजेता एन कुंजारानी देवी (पद्म श्री), एल सरिता देवी और डब्ल्यू संध्यारानी देवी (पद्म श्री पुरस्कार विजेता) और एस मीराबाई चानू (पद्म श्री और राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार विजेता) उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हैं। अनिता चानू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि अमित शाह हमें मणिपुर की अखंडता की रक्षा का आश्वासन नहीं देते हैं, तो हम भारत सरकार द्वारा दिए गए पुरस्कार वापस कर देंगे। उन्होंने कहा कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो भविष्य में खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे और न ही किसी उभरती प्रतिभा को प्रशिक्षित करेंगे। यह 11 खिलाड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक ज्ञापन शाह को सौंपने गए थे लेकिन ऐसा नहीं कर सके क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री कुकी पीड़ितों और संगठनों से मिलने के लिए चुराचांदपुर चले गए थे। चानू ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को ज्ञापन की एक प्रति सौंपी है। उन्होंने चुराचांदपुर से लौटने के बाद शाम को शाह के साथ बैठक की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है। हम तब उन्हें ज्ञापन सौंपेंगे।

न्यूज गैलरी

22 साबुन की पेटियों में छुपाई गई करोड़ो की हेरोइन जब्त

एजल। नशा तस्करों के खिलाफ देश भर में छेड़ी गई मुहिम के अंतर्गत पुलिस विभिन्न जगहों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में, मिजोरम के वेंगथलंग इलाके से 1.53 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। असम राइफल ने एक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस को मिले एक विशेष इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, असम राइफल्स और एजल में विशेष नारकोटिक्स -शेष पृष्ठ दो पर

ऊर्जा हब बनाने के लिए रिफाइनरी क्षमता बढ़ाना जरूरी : पुरी

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की मांग अभी लंबे समय तक बनी रहेगी। यही वजह है कि केंद्र सरकार देश में छोटी रिफाइनरी लगाने की संभावना पर काम कर रही है। चूंकि बड़ी रिफाइनरी लगाने में ज्यादा जमीन की जरूरत होती है और अब भारत में जमीन अधिग्रहीत करना एक बड़ी चुनौती हो गई है, इसलिए छोटी रिफाइनरी लगाने पर विचार हो रहा है। यह जानकारी पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां आइएससी-एनआइसी की तरफ से आयोजित -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी उच्च न्यायालय अब अमीनगांव में

गुवाहाटी। असम में गुस्से को भड़काने वाले एक और फैसले में, राज्य सरकार ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय को उसके वर्तमान स्थान से गुवाहाटी के बाहरी इलाके में अमीनगांव में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। असम सरकार ने कामरूप (एम) और कामरूप जिलों की सभी निचली अदालतों को अमीनगांव में नए स्थान पर स्थानांतरित करने की भी योजना बनाई है। असम सरकार ने हाल ही में दिसपुर में हुई एक बैठक में, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने की थी, नए कोर्ट परिसर की स्थापना के लिए चयनित भूमि का निरीक्षण करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया। बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार, राज्य सरकार के अनुरोध पर गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा मनोनीत किए जाने वाले गौहाटी उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के साथ उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। समिति के अन्य सदस्य एडवोकेट जनरल असम, मुख्य सचिव असम, एलआर और संचार होंगे। एवं सचिव, न्यायिक विभाग, डीसी कामरूप। विशेष आयुक्त -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : कांग्रेस नेताओं ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आज दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस ने मणिपुर की स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति मुर्मू को एक ज्ञापन सौंपा है। इसमें कांग्रेस की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय जांच आयोग के गठन सहित 12 मांगें की गई है। कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पार्टी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। कांग्रेस ने मणिपुर की स्थिति को लेकर आज हमने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को चार पन्नों का एक ज्ञापन सौंपा और मांग की कि क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। हमने सुप्रीम कोर्ट के एक सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय जांच आयोग के गठन सहित 12 मांगें रखी हैं। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए रमेश ने कहा कि जब 3 मई को मणिपुर जल रहा था, तब पीएम मोदी कर्नाटक चुनाव में व्यस्त थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तभी से मांग कर रहा हैं कि केंद्र सख्त कार्रवाई करे। -शेष पृष्ठ दो पर

पांच चुनावी राज्यों की मतदाता सूची अपडेट करने का निर्देश

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मिजोरम में आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए नए सिरे से विशेष संक्षिप्त समीक्षा करने को कहा है। आयोग ने 24 मई को पांचों मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को लिखे पत्र में कहा है कि इन राज्यों में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उसने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रविधानों का हवाला देते हुए कहा कि प्रत्येक -शेष पृष्ठ दो पर

लकड़ी माफिया ने एक वनकर्मी को मार डाला, तीन घायल

ग्वालपाड़ा। असम के ग्वालपाड़ा जिले में लकड़ी माफिया ने वनकर्मियों पर हमला कर दिया। इस हमले में एक वनकर्मी की मौत हो गई और कई घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात जिले के कृष्णाई रेंज वन कार्यालय के तहत कृष्णा शालपारा दारापारा में वन कर्मियों पर धारदार हथियारों से हमला किया गया। प्रस्तावित आरक्षित वन क्षेत्र में पेड़ों के काटे जाने की सूचना मिलने पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे थे -शेष पृष्ठ दो पर

आग में तीन करोड़ रुपए की संपत्ति जलकर खाक

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिला में बीती देर रात को लगी आग पर आज सुबह 3 बजे के आसपास काबू पाया गया। आग शिवसागर शहर के बीचों-बीच अस्पताल रोड इलाके में लगी थी। आग अरुणोस नामक एक पुरानी कपड़े की दुकान में लगी। व्यापारी आशीष अग्रवाल और सुमित अग्रवाल की दुकान में आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। पूरी इमारत करीब 5 से 6 घंटे तक आग की लपटों में घिरी रही। दमकल की 20 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचकर -शेष पृष्ठ दो पर

चीन-पाकिस्तान सीमा पर बिगड़ने नहीं देंगे हालात : सीडीएस

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 30 मई को एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उनसे उत्तरी सीमाओं पर पीएलए की तैनाती के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि उत्तरी सीमाओं पर पीएलए की तैनाती दिन-ब-दिन नहीं बढ़ रही है, यह उसी स्तर पर है, जैसी 2020 में थी। इसलिए एक चुनौती है और सशस्त्र बल हर तरह के कदम उठा रहे हैं ताकि वहां कोई अप्रिय स्थिति नहीं हो। हम 2-देपसांग और डेमचोक को छोड़कर सभी जगहों पर वापस जाने में सफल रहे हैं और बातचीत जारी है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को मणिपुर में चुनौतियां खत्म नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

गंगा में बिना मेडल बहाए लौटे पहलवान

हरिद्वार। रेस्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पिछले कई दिनों से धरने पर बैठे अंतर्राष्ट्रीय मेडल्स जीत चुके पहलवानों ने मंगलवार को हरिद्वार जाकर गंगा में मेडल बहाने का फैसला बदल दिया। हालांकि उन्होंने मेडल्स को गंगा में बहाने की घोषणा पहले ही कर दी थी। इन पहलवानों में मुख्य रूप से साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट मुख्य रूप से शामिल हैं। सभी पहलवानों ने हरिद्वार में हर की पौड़ी में जाकर घाट पर धरना दिया। इसी बीच यहां पर किसान नेता नरेश टिकैत पहुंचे और उन्होंने किसानों को समझाया कि यह मेडल्स देश की शान हैं। उनके समझाने के बाद पहलवानों ने अपने सभी मेडल उन्हें सौंप दिए। -शेष पृष्ठ दो पर

12वीं की किताब से हटाया जाएगा खालिस्तान का जिक्र

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की किताबों से खालिस्तान के जिक्र को हटाने का फैसला किया गया है। दरअसल, पिछले महीने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (एसजीपीसी) ने नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) को चिट्ठी लिखी। इसमें मांग की गई थी कि 12वीं क्लास की किताब से खालिस्तान के जिक्र को हटाया जाए। साथ ही एनसीईआरटी की किताबों से उस बात का जिक्र हटाया जाए, जिसमें सिखों को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राजभवन में गोवा स्थापना दिवस संपन्न

राज्यपाल ने असम और गोवा की आपसी मित्रता पर दिया जोर

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए यहां मंगलवार को राजभवन के दरबार हॉल में गोवा का स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि असम ने सभी राज्यों के स्थापना दिवस को मनाने की एक स्वस्थ परंपरा शुरू की है। हम गोवा के स्थापना दिवस का जश्न मनाए और अपनी मित्रता को मजबूत करने के अपने दृढ़ संकल्प को दोहराएं। उन्होंने कहा कि 30 मई 1987 को गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया और दमन और दीव को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय पर्वों की तरह विशेष दिवस मनाने की परंपरा भी सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में काम करती है। कटारिया ने कहा कि वास्को डी गामा भारतीय धरती पर पैर रखने वाले पहले पुर्तगाली थे और उन्होंने यूरोप से भारत तक के समुद्री मार्ग की खोज की थी। तब से गोवा व्यापार और वाणिज्य का केंद्र था। उन्होंने कहा कि पर्यटन मानचित्र पर गोवा का अपना आकर्षण है। गोवा का नाम आते ही सैलानियों के मन में बीच पर मौज-मस्ती करने की इच्छा पैदा हो जाती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि असम में गोवा राज्य दिवस असम और गोवा के बीच दोस्ती, एकता और भाईचारे का जश्न मनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। ऐसे समय में जब देश आजादी का अमृत काल मना रहा है, राज्य दिवस का उत्सव एक भारत श्रेष्ठ भारत की प्राप्ति की दिशा में शुभ संकेत देता है। गौरतलब है कि देशभर के राजभवनों में विभिन्न राज्यों के राज्य दिवस मनाने के केंद्र सरकार के फैसले के तहत राजभवन असम ने गोवा का राज्य दिवस मनाया। इस मौके पर आयुक्त एवं राज्यपाल की सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम ने स्वागत भाषण दिया। सेंट जेवियर्स स्कूल, पमोही के फादर जॉन क्रेस्टो और फादर मिल्डन डिसूजा ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर गोवा की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में असम की प्रथम महिला अनीता कटारिया, राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी तथा गोवा समुदाय के सदस्य शामिल हुए।

कोकराझाड़ में सीआरपीएफ ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) की 129वीं वाहिनी द्वारा वाहिनी परिसर में कमांडेंट मनमदन कृष्णन के नेतृत्व में आज विश्व पर्यावरण दिवस एवं 09वें विश्व योगा दिवस की श्रृंखला के तहत केरिपुब की 129वीं बटालियन परिसर में मनाया गया। इस मौके पर कमांडेंट द्वारा वाहिनी परिसर में उपस्थित सभी अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रकृति संरक्षण के संबंध में जागरूक करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। वहीं दूसरी कमांडेंट ने बटालियन परिसर में प्रात: काल में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों के साथ योगाभ्यास किया। साथ ही योगा के महत्व के बारे में सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर अनिल कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, डॉ. सुनिल कुमार धाकड़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ओजी), रवि मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी, सौरभ कुमार, उप कमांडेंट, गिरीश कुमार, सहायक कमांडेंट एवं 129वीं बटालियन के जवान उपस्थित रहें।

पूसीरे चलाएगी कुछ और विशेष ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ और एकतरफा विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। विशेष ट्रेनें 31 मई और 01 जून को एकल ट्रिप के लिए चलेंगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि विशेष ट्रेन संख्या 05951 (डिब्रूगढ़-जम्मू तवी) 31 मई को 16.30 बजे डिब्रूगढ़ से रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन वाया उत्तर लखिमपुर, रंगापाड़ा नॉर्थ, रंगिया, न्यू बंगाईगांव, न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार, छपरा, लखनऊ, मुरादाबाद, लुधियाना जंक्शन रेलवे स्टेशनों से होते हुए 02 जून को 21.10 बजे जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पहुंचेंगी। इस स्पेशल ट्रेन में 21 कोच होंगे। इसमें एसी टू टीयर, स्लीपर क्लास और सेकेंड सीटिंग कोच होंगे। विशेष ट्रेन संख्या 05499 (अलीपुरद्वार जंक्शन- पुरी) 01 जून को अलीपुरद्वार जंक्शन से 11.00 बजे रवाना होगी। विशेष ट्रेन वाया बिन्नागुड़ी, न्यू जलपाईगुड़ी, रामपुरहाट, खड़गपुर, कटक, खोरधा रोड जंक्शन स्टेशनों से होकर अगले दिन 11.00 बजे पुरी स्टेशन पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 16 कोच होंगे। इसमें एसी थ्री टीयर, स्लीपर क्लास और सेकेंड सीटिंग कोच होंगे।

सड़क हादसा : फकीराग्राम में दो छात्र गंभीर रूप से घायल

कोकराझार (विभास)। कोकराझाड़ जिले के बिछिमारी में बालेरो पिकप की चपेट में आने से दो छात्र घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह 9 बजे संजय आरजो के पुत्र श्रुति आरजो (14) और पुत्री शिवा आरजो (6) घर से स्कूल जा रहे थे। इसी बीच बालेरो पिकप (एएस 26 सी 8119) नंबर के गाड़ी ने दोनों को अपने चपेट में ले लिया और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि दोनों छात्रों को इलाज के लिए फकीराग्राम चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां दोनों की स्थिति नाजूक देख डॉक्टरों ने कोकराझाड़ चिकित्सालय में रेफर कर दिया।

आरएसयू की साइकिल रैली

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल असम राभा स्टूडेंट्स यूनियन (एआरएसयू) ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर एक साइकिल रैली का आयोजन किया। कामरूप (ग्रामीण) जिले के छयगांव के गोवर्धन से बोको के बंदापारा तक साइकिल रैली निकाली गई। एआरएसयू ने राभा हासोंग समुदाय को छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के समर्थन में साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में असम तीसरे स्थान पर

रंगिया (विभास)। गोवा में 26 मई से 28 मई तक आयोजित 21वीं राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप के समग्र प्रदर्शन में असम तीसरे स्थान पर रहा है। खेल में बच्चों के साथ रंगिया के ज्येष्ठ खिलाड़ियों की भी प्रतिभा चमकी है। रंगिया की 18 सदस्यीय टीम में बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन से खेल की विभिन्न शाखाओं में नाम रोशन करने के साथ ज्येष्ठ खिलाड़ी क्रमश: इमदाद अहमद ने कुमिटे में स्वर्ण, अब्दुल बासेद ने काटा में कांस्य तथा समूह कुमिटे में इमदाद अहमद, अब्दुल बासेद, टूलु आहमेद, हेमांग दास, विक्की डेका, बाबुल अली और दुदुल शालोई ने कांस्य पदक जीता है। बच्चों के वर्ग में रंगिया कराटे एकेडमी की साएस्टा तमन्ना ने काटा में स्वर्ण, कुमिटे में कांस्य, जहान्वी हुसैन शैकिया ने कुमिटे में सिल्वर, मार्सिहा कांज और मार्जिया तमन्ना ने कांस्य पदक और हेमदोल की आकाश कराटे एकेडमी के सुरंजन कलिता ने कुमिटे में सिल्वर पदक प्राप्त कर रंगिया का मान बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के लगभग सभी राज्यों से हजारों प्रतियोगियों ने भाग लिया था। इस जीत की खबर से रंगिया में हर ओर खुशी का माहौल है और रंगिया के लोग विजेताओं का सम्मान के साथ स्वागत करने को बेताब हैं।

विभिन्न मांगों को लेकर बरहाट चाय बागान में अट्सा ने दिया धरना

चराइदेव (हिंस)। चराइदेव जिले के बरहाट क्षेत्र के टिमोनहाबी चाय बागान स्थित बागान कार्यालय के सामने मंगलवार को असम चाय जनजाति छात्र संघ (आट्सा), बरुआनगर उप-शाखा समिति के सदस्यों और श्रमिकों ने दो घंटे का धरना दिया। चाय बागान अस्पताल में जीएनएम नर्स और लैबोरेटरी तकनीशियन की भर्ती, एमबीबीएस चिकित्सक के पूरे उपकरणों का भंडारण, अस्पताल के बुनियादी ढांचे में सुधार की मांग को लेकर धरना दिया। चाय बागान में काम करने वाले सभी अस्थायी श्रमिकों का पीएफ काट कर जमा करने की मांग की गई। इसके अलावा उनकी मांगों में चाय श्रमिक अधिनियम के अनुसार प्रति हेक्टेयर श्रमिकों के स्थायीकरण की व्यवस्था करना, बागान में रिक्त पड़े विभिन्न पदों पर स्थानीय शिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना, चाय बागान श्रमिकों के घरों की मरम्मत की व्यवस्था करना, श्रमिकों मिलने वाले मकान किराया को जल्द से जल्द प्रदान करना आदि शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की। इन मांगों को लेकर बागान प्रबंधक के माध्यम से बागान मालिक को एक ज्ञापन भी प्रेषित किया गया।

हरंगाजाओ के गामादिहावा में आग लगने से एक घर जलकर राख

डिमा हसाउ (हिंस)। डिमा हसाउ जिलांतर्गत हारंगाजाओ के गामादिहावा गांव में बीती देर रात को अचानक लगी आग में एक घर जलकर राख हो गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गामादिहावा रोड किनारे स्थित एक घर आज में जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक घर पूरी तरह से जल गया। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। आशंका जताई जा रही है कि आग मोमबत्ती से निकली चिंगारी की वजह से लगी। घर का मालिक श्रीइनन नैडिंग बताए गए हैं। परिजनों के मुताबिक घर की सारी संपत्ति जलकर राख हो गई। हादसे में लाखों रुपए की संपत्त का नुकसान हुआ है।

O.O: 280

TENDER NOTICE

This is for the general information of all concerned that a sealed tender affixing an Rs. 8.25 court fee stamp is hereby invited and will be received until 3.00 PM (IST) on 21 June, 2023. The tenders will be opened on the same day at 4.30 PM in the office of the Divisional Forest Officer, Biswanath Wildlife Division, Biswanath Chariali. The tender is for the "SUPPLY OF ELEPHANT FEED AND OTHER LOGISTICS ITEMS FOR UPKEEPMENT OF DEPARTMENTAL ELEPHANTS" of Biswanath Wildlife Division the financial year 2023-24. In case the office remains closed on that day for any unforeseen or unavoidable reasons, tenders will be received until 1.00 PM (IST) on the next working day. The undersigned reserves the right to reject any or all tenders without assigning any reason thereof.

The details of the terms and conditions are available in the office of the undersigned and may be collected from the office during office hours or on any working day for a payment of Rs. 500 (five hundred) only (non-refundable).

Biswanath Wildlife Division cum
Deputy Director, Kaziranga Tiger Reserve
Biswanath Chariali

-- Janasanyog /C/3454/23

पृष्ठ एक का शेष

केंद्रीय गृहमंत्री ने...

प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इस बीच, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को पुणे में एक समारोह से इतर कहा कि मणिपुर में चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं, लेकिन उम्मीद जताई कि पूर्वोत्तर की स्थिति पर ध्यान देते हुए कुछ समय में चीजें ठीक हो जाएंगी। राज्य अब उग्रवाद से जुड़ा नहीं है। सीडीएस ने कहा कि हम समस्या को लेकर राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं कहना चाहूंगा कि सशस्त्र बलों और असम राइफल्स ने वहां बहुत अच्छा काम किया है और बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई जा सकी है। हालांकि मणिपुर में चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं, इसमें कुछ समय लगेगा। उम्मीद है कि यह सुलझेगा और वहां की सरकार सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) आदि की मदद से काम कर पाएगी। मणिपुर में *जनजातीय एकता मार्च* के बाद मणिपुर में पहली बार जातीय हिंसा भड़क उठी। अनुसूचित जाति (एसटी) के दर्जे की मांग को लेकर मैतेई समुदाय ने तीन मई को प्रदर्शन किया था जिसके बाद जनजातीय एकता मार्च का आयोजन किया था। आरक्षित वन भूमि से कूकी ग्रामीणों को बेदखल करने को लेकर तनाव के चलते, पहले भी हिंसा हुई थी, जिसके कारण कई छोटे-छोटे आंदोलन हुए थे। मैतेई समुदाय मणिपुर की आबादी का करीब 53 प्रतिशत है और समुदाय के अधिकतर लोग इंफाल घाटी में रहते हैं। नगा और कुकी समुदायों की संख्या कुल आबादी का 40 प्रतिशत है और वे पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

सीएम आवास पर ...

यह सर्वदलीय बैठक मुख्यमंत्री आवास पर हुई है। बता दें मणिपुर में 3 मई से जातीय हिंसा में कम से कम 75 लोग मारे गए हैं और 300 अन्य घायल हुए हैं। इससे पहले अमित शाह ने सोमवार को मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से भी मुलाकात की थी। प्रदेश में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए शाह ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और राज्य के मंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों के साथ भी बैठक की। केंद्र और मणिपुर राज्य सरकार ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मरने वालों को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी फैसला किया है। दंगे में मरने वालों के परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि मुआवजे की राशि केंद्र और राज्य द्वारा समान रूप से वहन की जाएगी। अमित शाह और सीएम एन बीरेन सिंह के बीच सोमवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया।

गौहाटी उच्च न्यायालय...

एवं विशेष सचिव, लोक निर्माण विभाग (भवन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग) समिति के सदस्य सचिव होंगे। समिति आमिनगांव में रंगमहल क्षेत्र में लगभग 240 बीघा प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण करेगी, जिसमें से लगभग 100 बीघा न्यायिक शहर के रूप में नए उच्च न्यायालय परिसर की स्थापना के लिए आवश्यक होगी, कार्यवृत्त में कहा गया है। नया परिसर पूरे गौहाटी उच्च न्यायालय के साथ-साथ कामरूप (मेट्रो) और कामरूप जिलों के अन्य सभी न्यायिक न्यायालयों को समायोजित करेगा जिसमें न्यायाधीशों और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय आवास शामिल हैं।

मणिपुर हिंसा : कांग्रेस ...

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह, जो मणिपुर में सीएलपी नेता भी हैं, ने कहा कि मणिपुर के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ। भारत में जो हो रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा हुई थी, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हुई। भले ही हिंसा थम गई है, लेकिन राज्य के हालात अब भी सामान्य नहीं हैं। इस बीच मणिपुर पीसीसी अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते सवाल किए है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में अशांति के परिणामस्वरूप निर्दोष लोग मारे गए हैं, घरों को आग के हवाले कर दिया गया है और राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया गया है। प्रधानमंत्री क्या कर रहे हैं? भाजपा सरकार स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक उपाय नहीं कर रही है। इस बीच आज यानी मंगलवार 30 मई को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राज्य के दौरे पर हैं। अमित शाह राज्य के चार दिवसीय यात्रा पर मणिपुर पहुंचे है। यहां वह शांति बहाल करने के उद्देश्य से अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से शाह की यह राज्य की पहली यात्रा है।कांग्रेस के इस डेलिगेशन में मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, के.सी. वेणुगोपाल सहित मणिपुर के कांग्रेस नेता भी शामिल थे।

पांच चुनावी राज्यों ...

राज्य के विधानसभा चुनाव से पहले योग्यता तिथि के संदर्भ में मतदाता सूची को संशोधित किया जाना चाहिए। कहा गया है कि एक अक्तूबर 2023 को या उससे पहले 18 वर्ष के होने वाले अधिक से अधिक योग्य नागरिकों के पंजीकरण और मतदाता सूची में सुधार के उद्देश्य से आयोग ने एक अक्तूबर, 2023 को योग्यता तिथि मानते हुए फोटो मतदाता सूची का दूसरा विशेष सारांश पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया है।

लकड़ी माफिया ने ...

और साल के पेड़ों से भरा ट्रैक्टर बरामद किया था। अधिकारी ने कहा कि जब वनकर्मी ट्रैक्टर को वन विभाग के कार्यालय में लाने लगे तो इसी दौरान लकड़ी माफिया और स्थानीय लोगों ने वन विभाग के कर्मियों और वन विभाग के वाहनों पर हमला कर दिया। इसमें कई लोग घायल हो गए। घायलों को ग्वालपाड़ा के एक अस्पताल ले जाया गया, जबकि उनमें से दो को गुवाहाटी रेफर कर दिया गया है। वरिष्ठ वन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है।

आग में तीन ...

आग पर काबू पाने में सफल हुई। आग से करीब तीन करोड़ रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग ने इतना भयानक रूप ले लिया था जिसके चलते पूरे इलाके को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। देर रात लगभग 3 बजे के आसपास आग पर काबू पाया गया। शिवसागर ओएनजीसी के साथ-साथ शिवसागर के साथ-साथ जोरहाट के विभिन्न हिस्सों से 6 अग्निशमन वाहनों को लाया गया था। शिवसागर के पुलिस अधीक्षक और शिवसागर जिला उपायुक्त घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया।

चीन-पाकिस्तान सीमा...

हुई हैं, लेकिन उम्मीद जताई कि कुछ समय में चीजें ठीक हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिति अब उग्रवाद से संबंधित नहीं है। मणिपुर की स्थिति का काउंटर-इनसर्जेंसी से कोई लेना-देना नहीं है और मुख्य रूप से दो जातियों के बीच टकराव है। यह कानून और व्यवस्था की तरह की स्थिति है और हम राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं। हमने बेहतरीन काम किया है और बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई है। मणिपुर में चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं और इसमें कुछ समय लगेगा लेकिन उम्मीद है कि वे शांत हो जाएंगी। मणिपुर में 3 मई को शुरू हुए जातीय दंगों के बाद से संघर्षों में मरने वालों की संख्या 80 हो गई है। सीडीएस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूर्वोत्तर राज्य में जातीय तनाव को कम करने के उद्देश्य से सोमवार रात मणिपुर पहुंचे, जबकि सुरक्षा बल हिंसा के छिटपुट विस्फोटों को रोकना और अशांत क्षेत्र में कथित रूप से चोरी करने और हथियार जमा करने वाले लोगों को पकड़ना जारी रखा।

गंगा में बिना मेडल...

हालांकि पहलवानों ने एलान किया है कि वह इसके बाद दिल्ली के इंडिया गेट पर जाकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। जब पहलवान अपने मेडल बहाने के लिए हरिद्वार पहुंचे थे उस वक्त वह काफी भावुक हो गए थे। इस दौरान कई पहलवान घाट पर बैठकर रोते हुए भी दिखाई दिए। वहीं कुछ उन्हें सहारा दे रहे थे। उन्होंने कई अलग-अलग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यह मेडल्स जीते हैं जिन्हें वे आज वह गंगा के हवाले करने जा रहे थे। इससे पहले हरिद्वार के एसएसपी अजय सिंह ने कहा था कि पहलवान हरिद्वार में जो चाहे वह करने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह गंगा में अपने मेडल को बहाने के लिए आ रहे हैं तो वह उन्हें नहीं रोकेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें इस विषय में अपने सीनियर्स की ओर से कोई इंस्ट्रक्शन्स नहीं मिले हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि लोग गंगा में सोना, चांदी और अस्थियां तक बहाते हैं। इसी क्रम में पहलवान अपने मेडल्स भी बहा सकते हैं अगर वह चाहते हैं तो। उन्होंने कहा कि गंगा दशहरा पर करीब 15 लाख श्रद्धालु यहां आते हैं इस दौरान पहलवानों का भी स्वागत है। बता दें कि पहलवान बीते 23 अप्रैल से भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान पहलवानों ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर खिलाड़ियों के उत्पीड़न और नाबालिग से यौन उत्पीड़न तक के आरोप लगाए हैं। दिल्ली में बृजभूषण शरण सिंह पर पहलवानों की शिकायत के आधार पर एफआईआर भी दर्ज की गई है और पुलिस जांच कर रही है।

12वीं की किताब...

अलगाववादियों के तौर पर दिखाया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 12वीं क्लास की पॉलिटिकल साइंस यानी राजनीति विज्ञान की किताब में खालिस्तान का जिक्र किया गया था। 12वीं क्लास के पॉलिटिकल साइंस की *स्वतंत्र भारत में राजनीति* किताब के सातवें चैप्टर (क्षेत्रीय आकाक्षाएं) में खालिस्तान को लेकर बात की गई थी। इसमें *सिख राष्ट्र को मजबूत करने की दलील* बताई गई थी, जिसे अब हटाने का फैसला लिया गया है। कहा जा रहा था कि इससे सिखों की छवि धूमिल हो रही थी। दरअसल, एसजीपीसी ने एनसीईआरटी को लिखी चिट्ठी में *गलत सूचनाओं* पर कड़ी आपत्ति जताई थी। एनसीईआरटी पर आरोप लगाया गया था कि वह ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करती है। 12वीं क्लास की किताब के सातवें चैप्टर (क्षेत्रीय आकाक्षाएं) में आनंदपुर साहिब और खालिस्तान को लेकर जो जानकारी दी गई, उस पर ही एसजीपीसी ने आपत्ति जताई थी। कमिटी ने मांग की थी कि इन फैक्ट्स को किताबों से हटा दिया जाए। चिट्ठी में कहा गया कि क्षेत्रीय आकाक्षाएं नाम वाले इस चैप्टर में बताया गया है कि 1973 में आनंदपुर साहिब प्रस्ताव को शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने अपनाया। किताब में प्रस्ताव को *अलगाववादी प्रस्ताव* के रूप में दिखाया गया है। इसमें कहा गया है कि प्रस्ताव के जरिए क्षेत्रीय स्वायत्ता की मांग को उठाया गया है। चिट्ठी में आगे बताया गया कि प्रस्ताव के जरिए केंद्र-राज्य संबंधों को पुनर्परिभाषित करने की भी मांग उठाई गई। प्रस्ताव में संघवाद को मजबूत करने की वकालत की गई है। हालांकि, जब इसे हिंदी में पढ़ा जाता है, तो ऐसा लगता है कि अलग सिख राष्ट्र की मांग की जा रही हो। एनसीईआरटी की किताब के उस हिस्से को पढ़ने के लिए आप इस लिंक पर क्लिक कर सकते हैं।

22 साबुन की ...

पुलिस स्टेशन की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को रिपब्लिक वेंगथलंग क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान चलाया था। सही जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस के हाथों दो महिला तस्कर चढ़ गईं। बात दें कि पुलिस ने 28 और 26 साल वर्ष की दो महिला पेडलर्स के कब्जे से 1.53 करोड़ रुपए मूल्य की 306 ग्राम हेरोइन जब्त की। आपको बता दें कि दोनों महिला तस्करों ने बड़ी ही होशियारी से हेरोइन को 22 साबुन की पेटियों में छुपा कर रखा गया था। बयान में कहा गया है कि जब्त मादक पदार्थ और दोनों आरोपियों को उसी दिन आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए विशेष नारकोटिक पुलिस स्टेशन सीआईडी (अपराध) को सौंप दिया गया।

ऊर्जा हब बनाने ...

ऊर्जा शिखर सम्मेलन में दी। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत 20 मिलियन मीट्रिक टन रिफाइनरियों पर ध्यान देने के साथ रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है। अभी हमारी रिफाइनिंग क्षमता हर साल लगभग 250 मिलियन मीट्रिक टन है, जिसे बढ़ाकर 400 से 450 मिलियन मीट्रिक टन करना चाहते हैं। इसके लिए 20 मिलियन मीट्रिक टन वाली छोटी रिफाइनरियों की आवश्यकता है। छोटी रिफाइनरियां लगाने में कोई ज्यादा अड़चनें नहीं आती। उन्होंने कहा कि भारत को एक ऊर्जा हब बनाने के लिए रिफाइनरी क्षमता बढ़ाना जरूरी है। पुरी का यह बयान तब आया है जब केंद्र सरकार की तरफ से देश के पश्चिमी समुद्री तट पर छह करोड़ टन सालाना क्षमता की एक बड़ी रिफाइनरी लगाने की योजना थोड़ी भी आगे नहीं बढ़ पा रही। ग्रीन एनर्जी का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि हमने जून, 2022 में 10 प्रतिशत एथनाल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इससे तेल आयात बिल में 41 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है। इसका फायदा किसानों को भी हो रहा है। हमारा लक्ष्य 2025 तक 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग का है। यह लक्ष्य आसानी से पूरा होगा। हम जी-20 की अध्यक्षता का उपयोग बायो फ्यूल अलाइंस के लिए कर रहे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

बालापन अभ्यास में, मम शिर अंगुल राख।
तब महिमा जाना नहीं, अन्य कवन दो साखि ॥ 05 ॥

शब्दार्थ : (बालापन) छोटी आयु (महिमा) महत्व (अन्य) दूसरा (साख) साक्षी, गवाह।

भाष्य : नित्य अनादि सद्गुरुदेव बालापन के साधनकाल में मेरे शिर पर अंगुल रखते थे, किंतु उस काल में आपकी महिमा नहीं जाना, इसके लिए दूसरा साक्षी कौन दूं?

आश्रम पर लीला किये, बहुत बार बहु भाँति
जन अधीन निज जानिके, शरण लिय दिय स्वाति ॥ 06 ॥

शब्दार्थ : (आश्रम) वृत्तिकूट आश्रम (लीला) खेल (बहुत बार) अनेक बार (बहु भांति) बहुत प्रकार (जन) अपना हंस (अधीन) शरणागत (शरण) रक्षा, उद्धार (स्वाति) जिसके प्राप्त होने पर पूर्व का स्वभाव छूट जाता है, और जीव अपने अनुकूल गुण, स्वभाव को प्राप्त करता है। यह स्वाती सद्गुरुपद के उत्ताराधिकारी आत्मा में प्रकट होती है।

भाष्य : आश्रम पर अनेक बार, अनेक प्रकार से दर्शन दिए और अपना जन जानकर अपनी शरण में लिए और अपनी स्वाती प्रदान किए। सद्गुरु की स्वाती मिलने पर ही सद्गुरु-पदाधिकारी का पद शिष्य को प्राप्त होता है।

अवैध रूप से रेत ले जा रहे पांच डंपर जब्त

हैलाकांदी (हिंस)। अवैध रूप से पत्थर और रेत ले जा रहे डंपर के खिलाफ हैलाकांदी वन विभाग का अभियान जारी है। नवीनतम अभियान में पत्थर और रेत का अवैध रूप से परिवहन करने वाले पांच डंपर को जब्त किया गया है। वन विभाग के सूत्रों ने आज बतया है कि हैलाकांदी जिला वन अधिकारी अखिल दत्ता के नेतृत्व में वन विभाग की एक टीम ने बीती रात हैलाकांदी के विभिन्न स्थानों से अवैध रूप से पत्थर और रेत से भरे पांच (एएस- 24-6228, एएस-24एस-3439, एएस-24एसी-3368, एएस-11डीसी-6066 और एएस-11ईसी-0368) डंपरों को जब्त किया। हैलाकांदी वन अधिकारी ने बताया है कि बिना वैध दस्तावेजों डंपर कछार जिला से हैलाकांदी पहुंचे थे।

कृष्णाई में लकड़ी माफिया ने वन कर्मियों पर किया हमला, चार घायल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिला के कृष्णाई क्षेत्रीय वन प्रभाग के अंतर्गत कृष्णाई सालपारा दारापारा में बीती रात लकड़ी माफिया और स्थानीय लोगों ने वन कर्मियों पर हमला कर दिया। हमले में वन विभाग के लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान मोबिनुर रहमान, नजरुल इस्लाम, मुस्तफा अली और राजबीर अहमद के रूप में हुई है। घायलों को ग्वालपाड़ा सालेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नजरुल इस्लाम के सिर और हाथों पर खुखरी से हमला किया गया जबकि, राजबीर अहमद के शरीर के कई हिस्सों में धारदार हथियार से वार किया गया। हमलावरों ने वन कर्मियों पर दाव, खुकुरी, धारदार हथियारों और

लाठी से हमला किया था। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बोरो मटिया द्वारा प्रस्तावित संरक्षित वन क्षेत्र में वन विभाग के कर्मचारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए एक ट्रैक्टर शॉल की लकड़ी को जब्त कर लिया था। वन विभाग ने लकड़ी को जब्त कर जब वन विभाग के कार्यालय लेकर जा रहे थे तो इसी दौरान लकड़ी माफिया और स्थानीय लोगों ने वन विभाग के कर्मियों और वन विभाग के वाहनों द्वारा पर हमला कर दया। हमलावर ने वन कर्मियों का मोबाइल फोन और दो सोने की अंगूठियां छीन लीं। डीएफओ जितेंद्र कुमार और कृष्णाई क्षेत्रीय वन अधिकारी शिवानी पेगू रात में ही अस्पताल पहुंचकर घायल वनकर्मियों के स्वास्थ्य का जायजा लिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने सभी हमलावर वन माफिया और हमले में शामिल स्थानीय लोगों को गिरफ्तार करने का आज निर्देश जारी किया है।

दिनेश यादव ने सीसुब, गुवाहाटी फ्रंटियर के नए महानिरीक्षक का पदभार संभाला

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी सीमांत सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक के रूप में मंगलवार को दिनेश कुमार यादव ने पदभार संभाल लिया। यादव हिमाचल प्रदेश कैडर से 1998 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं, जो आजमगढ़ उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। सीसुब के वर्तमान महानिरीक्षक कमलजीत सिंह बन्याल का स्थानांतरण सहायक प्रशिक्षण केंद्र टेकनपुर में होने के बाद दिनेश कुमार यादव को गुवाहाटी सीमांत सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक का पदभार संभाला है। यादव ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात भारत-बांग्लादेश अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर अपराधों को रोकने के लिए प्रभावी सीमा प्रबंधन तंत्र विकसित करने, सीमावर्ती नागरिकों को सीमा प्रबंधन में शामिल करने एवं दोनों पड़ोसी देशों के सीसुब के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को मजबूत करने और सीमा क्षेत्र में रहने वाले लोगों में सुरक्षा की भावना सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। यादव हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करने के उपरान्त हिमाचल प्रदेश में महानिरीक्षक कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महानिरीक्षक प्रशासन एवं कल्याण विभाग तथा

अतिरिक्त महानिदेशक के प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर चुके हैं। इन्होंने यूआईडीएआई (आधार) एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल में उप महानिरीक्षक के पद पर कार्य किया है। दिनेश कुमार यादव को वर्ष 2022 में विषिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। यादव संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के अंतर्गत सुडान में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

गैलेक्सी प्रीमियम सीमेंट का डीलर मीट आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर की अग्रणी सीमेंट ब्रांड कंपनी में से एक गैलेक्सी प्रीमियम सीमेंट की ओर से डीलर्स मीट का आयोजन किया गया। इस मीट में गैलेक्सी सीमेंट के नए उत्पादों को भी पूर्वोत्तर के बाजार में लॉन्च किया गया। काजीरंगा में आयोजित गैलेस्की डीलर मीट में असम के विभिन्न जिलों के अलावा पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, मेघालय आदि राज्यों से भी बड़ी संख्या में डीलरों ने हिस्सा लिया। डीलर मीट का शुभारंभ गैलेक्सी प्रीमियम सीमेंट के निदेशक ईशान मोदी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात गैलेक्सी सीमेंट के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने कंपनी की भावी योजनाओं एवं डीलरों के लिए विभिन्न स्किमों की जानकारी विस्तारपूर्वक दी। इस बैठक में डीलरों ने कई तरह के सुझाव भी दिए। इस दौरान गैलेक्सी प्रीमियम सीमेंट की ओर से बेहतर कारोबार करने वाले डीलरों को सम्मानित किया गया। डीलरों ने कंपनी की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अपनी ओर से पूर्ण सहयोग देने की बात कहीं। मालूम हो कि गैलेक्सी प्रीमियम सीमेंट का उद्योग असम के ही जोराबाट में हैं।

संदिग्ध हेरोइन के साथ रंगिया पुलिस ने एक को दबोचा

रंगिया (विभास)। गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया पुलिस ने नगर के पास स्थित उदियाना में एक अभियान चलाकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। रंगिया थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी के दिशा निर्देश और नगर परिदर्शक समरज्योति डेका के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम द्वारा सोमवार की रात्रि दिलवर हुसैन (उम्र- 34 वर्ष), पुत्र-सफीर अली के घर पर यह तलाशी अभियान चलाया गया तथा संदिग्ध हेरोइन से भरे तीन साबुन के बॉक्स बरामद किए गए जिनमें 37 ग्राम संदिग्ध हेरोइन पायी गई। इस मौके पर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है तथा पुलिस गिरफ्तार युवक से मामले की पूछताछ कर रही है। रंगिया में *सु-परिवहन* और *समृद्धि* परियोजना का उद्घाटन समारोह आयोजित रंगिया महकमा प्रशासन ने मंगलवार को दोपहर 2.30 बजे से रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में *सु-परिवहन* और *समृद्धि* परियोजना का उद्घाटन किया। अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन की अध्यक्षता में रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी सीजल अग्रवाल, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, उपाध्यक्ष बिद्युत डेका, कामरूप जिले के जिला परिवहन अधिकारी रूपज्योति कलिता, प्रशासन तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों, महकमे के विभिन्न विद्यालय-

महाविद्यालयों के शिक्षक- शिक्षिकाओं सहित चार सौ गणमान्य लोगों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया गया। रंगिया महकमे की सहायक आयुक्त कृतांजली काश्यप के मंच संचालन में आमंत्रित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजित बैठक में रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन ने बैठक के उद्देश्यों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि रंगिया महकमें में यातायात की समस्या को दूर करने और शिक्षा खण्ड का मानदंड उन्नत करने के लिए प्रशासन क्रमशः *सु-परिवहन* और *समृद्धि* परियोजना को लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि रंगिया महकमा के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं इन दोनों परियोजनाओं के मध्य रत्न है। बैठक में उपस्थित रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने महकमा प्रशासन के इस पहल की सराहना की और सभी से प्रशासन को सहयोग करने का आग्रह किया। विधायक ने कहा कि रंगिया महकमा प्रशासन का यह कदम समय उपयोगी है और इस मौके पर उन्होंने ने आशा व्यक्त की कि इन दोनों परियोजनाओं से रंगिया को जल्द ही लाभ मिलेगा। उन्होंने रंगिया में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए शिक्षकों व विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों से भी अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि सु-परिवहन प्रकल्प के जरिए परिवहन के नियमों का पालन करने वाले जिम्मेदार युवाओं को विकसित करना है साथ ही रंगिया को यातायात मुक्त, दुर्घटना मुक्त और सुरक्षित बनाना हैं। दूसरी ओर समृद्धि प्रकल्प के जरिए रंगिया महकमा के तहत सभी शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शून्य अपशिष्ट, एक खुशहाल और स्वस्थ वातावरण के निर्माण और प्रत्येक स्कूल को सामुदायिक भागीदारी के साथ एक आदर्श स्कूल बनाने पर जोर दिया जाएगा।

काक के कार्यकारी सदस्य ने अक्षम शुद्धदेब बर्मन की सहायता की

कोकराझाड़ (विभास)। शारीक रूप से अक्षम बच्चे शुद्धदेव बर्मन को कामतापुर ऑटोनोमास काउंसलि (काक) के कार्यकारी सदस्य कर्मेश्वर राय ने उसके घर जाकर मदद की। मिली जानकारी के अनुसार बच्चे के घर जाकर कर्मेश्वर राय ने बच्चे को आर्थिक सहायता करते हुए भविष्य में आगे भी मदद के लिए आश्वासन दिया। बताया जाता है कि शारीक रूप से अक्षम शुद्धदेब बर्मन ने हांस और मुर्गी बेच कर अपना और अपने परिवार के तीन लोगों का पालन-पोषण घर चला रहा था। जब इस बात की जानकारी काक के सदस्य को लगा तो उन्होंने धुबड़ी जिले के सालकोचा के हापापाड़ा गांव पहुचे और उस अक्षम बच्चे की मदद की।

गोरोईमारी में मासिक धर्म पर स्वच्छता दिवस आयोजित

रंगिया (विभास)। महिला एवं बाल विकास विभाग, कामरूप द्वारा 28 मई को जिले के फखरुद्दीन अली अहमद महाविद्यालय में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस सह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छयगांव के विधायक, कामरूप जिले के अतिरिक्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त सह जिला समाज कल्याण अधिकारी, अंचल अधिकारी, बीडीओ, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन स्वास्थ्य प्रतिनिधि, बाल विकास प्रकल्प अधिकारी, गोरोईमारी, छयगाँव, बनगाँव, रामपुर आईसीडीएस, जिला कार्यक्रम अधिकारी, एसएसए, बीईईओ प्रतिनिधि, स्वास्थ्य जिला समन्वयक और अन्य आईसीडीएस पदाधिकारी, गांव प्रधान, ग्राम पंचायत अध्यक्ष और सचिव, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने भाग लिया। कार्यक्रम में एक पुरुष आरपी ने मासिक धर्म

स्वच्छता प्रबंधन पर व्याख्यान भी दिया। कार्यक्रम के दो मुख्य एजेंडे थे, सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एक साहसिक संदेश के साथ एक आकर्षक दीवार पेंटिंग के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का शुभारंभ समारोह और जेंडर विशेषज्ञ, डीएचईडब्ल्यू द्वारा शुरू किया गया शपथ ग्रहण सत्र। मासिक धर्म के विचारों को दूर करने के लिए और उस समय के फास्ट फूड के बजाय अच्छे और पौष्टिक खाद्य पदार्थ कितने आवश्यक हैं, इस पर भी प्रकाश डाला गया। इस मौके पर जिला की अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई, छयगांव के विधायक रेकिबुद्दीन अहमद और पुरुष आरपी ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में रैंक होल्डर गर्ल्स, चाइल्डलाइन कोऑर्डिनेटर, अर्जुन अवार्डी और नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप एग्जाम होल्डर को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एसएसवाई (बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत एक पहल) के तहत प्रतीकात्मक रूप से 10 लड़कियों और अभिभावकों को पासबुक खोलना और प्रदान करना भी कार्यक्रम में किया गया। एमएचएम पर जीवन पठन सत्र केजीबीवी के छात्र द्वारा किया गया है। नवजीवन आश्रय गृह, तुकरापारा गर्ल्स हाई स्कूल और फखरुद्दीन अली अहमद महाविद्यालय से नृत्य प्रदर्शन भी आयोजित किया गया। बीबीबीपी और एमएचएम ने एक नाटक का मंचन भी बोको-बोनगांव के पर्यवेक्षण में किया गया था। कार्यक्रम के अंतर्गत पैड वितरण छयगांव के विधायक सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

मछली घाट पर गंगा दशहरा पूजा का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। पतित पावनी गंगा के अवतरण दिवस पर आज उजान बाजार स्थित मछली घाट में वृहत्तर उजान बाजार अनुसूचित निबनुवा मत्स्य व्यवसायी संस्था की ओर से मां गंगा पूजन का आयोजन किया गया। पूरे दिन गंगा पर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। मां गंगा की आरती उतार के श्रद्धालुओं ने मनोकामनाएं कीं। संस्था के महासचिव भास्कर दास ने कहा कि मां गंगा की अराधना कर राज्य तथा देश-दुनिया के सनातनी लोगों के लिए सुख और समृद्धि की कामना की गई। पूजा के दौरान ब्रह्मपुत्र में सोने व चांदी की मछली का भी विसर्जन किया गया। उन्होंने बताया कि मछली घाट में वर्ष 1965 से ही गंगा दशहरा के दिन पूजा का आयोजन होता आ रहा है। वहीं शाम के समय नगाड़ा नाम (कीर्तन) का भी प्रस्तुति की गई। पूजा के बाद श्रद्धालुओं में महाप्रसाद (खिचड़ी) का वितरण किया गया। वहीं मां गंगा की पूजा करने पहुंचे देव निखिल शर्मा ने कहा कि धर्मशास्त्रों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगाजल के सेवन या गंगा स्नान करने से अनजाने में हुए पाप और कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। कुल दस प्रकार

के पाप नष्ट होते हैं। दैहिक पाप जैसे बिना दी हुई वस्तु को लेना, निषिद्ध हिंसा, परस्त्री संगम, यह तीन प्रकार का दैहिक पाप माना गया है। वाणी से पाप-कठोर वचन, झूठ बोलना, चुगली करना एवं वाणी द्वारा किसी के मन को दुखाना ये वाणी से होने वाले चार प्रकार के पाप हैं। मानसिक पाप जैसे दूसरे के धन को लेने का विचार करना, मन से किसी का बुरा सोचना और असत्य वस्तुओं में आग्रह रखना, ये तीन प्रकार के मानसिक पाप कहे गए हैं।

नलबाड़ी में अव्वल हाईस्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

नलबाड़ी (विभास)। आज नलबाड़ी जिला प्रशासन ने जिले के उन आठ-छात्रों को इस वर्ष की हाईस्कूल परीक्षा में अव्वल स्टैंड करने वाले छात्रों को जिला उपायुक्त गीता मनी फुकन ने 8 बच्चों के साथ स्कूलों के प्रधानाचार्य को भी सम्मानित किया नलबाड़ी के जिला कलेक्टर कार्यालय में आज सुबह 11.00 बजे हुई बैठक में आनंद विद्या निकेतन की लाकी देवी चौधरी और मन्मिता शर्मा को दूसरे बैंक के साथ 10वें स्थान में जगह बनाने में कामयाबी हासिल की गई, जिन्होंने दूसरा स्थान प्राप्त किया, बहारघाट के शंकरदेव शिशु निकेतन/मृगांका भट्टाचार्य, छठे स्थान पर रहे। उपायुक्त गीतिमणि फुकन ने निकेतन के प्रज्ञान शर्मा को फुलम गमोसा के साथ सम्मान पत्र भेंट कर बधाई दी। नलबाड़ी जिला पिछले कई दशकों से हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की अंतिम परीक्षाओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन करते रहे है! और इसबार भीउसनिरंतरता को बनाए रखते हुए। वर्ष 2023 की हाईस्कूल परीक्षा में शामिल नलबाड़ी जिले के कुल 11426 परीक्षार्थियों में से 10057 उत्तीर्ण हुए। इनमें से 4428 प्रथम श्रेणी में, 4467 द्वितीय श्रेणी में और 1162 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इस बार नलबाड़ी जिले ने हाईस्कूल की परीक्षा में 88.02 प्रतिशत का उत्तीर्ण प्रतिशत हासिल किया है और नलबाड़ी जिले ने राज्य के पहले चार जिलों में स्थान हासिल किया है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि राज्य का कुल पास प्रतिशत 72.69 है। इस बार जिले के सरकारी स्कूलों का रिजल्ट काफी संतोषजनक रहा है। जिले के 164 स्कूलों में से 23 स्कूलों का पास प्रतिशत 100 प्रतिशत है। इनमें से वनभाग खाता डिहजारी उच्च विद्यालय के 109 परीक्षार्थियों में से 102 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं और उनमें से 38 को स्टार अंक और 13 को डिटेंशन मिला है तथा शेष छह द्वितीय श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ है।

नगांव व होजाई में महेश नवमी उत्सव सोल्लास संपन्न

नगांव (निसं)। माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित महेश नवमी उत्सव हर्षोल्लास के साथ समग्र देश के साथ नगांव में भी शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में सोमवार को मनाया गया। एक दिवसीय महेश नवमी उत्सव के दौरान सर्वप्रथम भगवान महेश का दरबार सजाया गया और पंडित लीलाधर शर्मा के सानिध्य में पूजा अर्चना के साथ सभी ने बाबा भोलेनाथ की आराधना और आरती की। इस वक्त आयोजन स्थल भगवान महेश के जयकारो से गुंज उठा। मुख्य यजमान रहे जुगल किशोर धूत ने सपत्नीक पूजा विधि संपन्न करवाई। भजन कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश वंदना से नगांव जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व सचिव अजित माहेश्वरी ने किया। तत्पश्चात माहेश्वरी महिला समिति की सदस्याओ में से अध्यक्ष किरण धूत, मंत्री सरला चांडक, यशोदा धूत, कुसुम झंवर, सुनीता पेड़िवाल व हेमा झंवर ने महेश वंदना प्रस्तुत की। शहर की नामचीन गायिका निर्मला आलमपुरिया और श्याम झंवर ने भी भजन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। स्नेहा गगड़ सारिका झंवर, सोनम बागड़ी, माया धूत व काजल झंवर ने राजस्थानी लोक गीतो पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी वहीं महक झंवर, मुस्कान, डिंपल, भाविक, दिशा झंवर व प्रगति काबरा ने धार्मिक गीतो पर आधारित नृत्य की पेशकश की। इन दोनो नृत्य की सुंदर प्रस्तुति से कार्यक्रम में श्रीवृद्धि हो गई और उपस्थित लोगो ने दोनो नृत्य प्रस्तुति के लिए सभी

नृत्यांगनाओ की खूब सराहना की। इस वर्ष शैक्षणिक योग्यता के लिए कृष्णा अग्रवाल (आईसीएसई दसवीं) प्रगति काबरा, दिशा झंवर (सेवा, दसवीं), धरनी कर्वा, शुभ गगड़ (सीबीएससी दसवीं), आयुष माहेश्वरी (सीबीएसई बारवहीं वाणिज्य संकाय) और प्रवीण पेडिवाल, (बारहवीं विज्ञान संकाय) को सम्मानित प्रशस्तिपत्र, फुलाम गोमछा व गिफ्ट देकर किया। सहायक आयुक्त स्टेट टैक्स अधिकारी बनने के लिए फुलाम गमोछा, प्रशस्तिपत्र व गिफ्ट देकर पीयूष गाड़ोदिया को भी सम्मानित किया गया। इस वर्ष बुजुर्ग सम्मान श्रीगोपाल बिन्नानी को प्रदान किया गया। सम्मान में प्रशस्तिपत्र, साल ,फुलाम गोमछा प्रदान किया गया। नगांव माहेश्वरी परिवार में नये सदस्य के रूप में पुषराज तोषनीवाल व केशव मालानी का फुलाम गोमछा से अभिनंदन किया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अयोजित आनलाइन राष्ट्रीय स्तर की पंच स्तुति प्रतियोगिता में पूर्वांचल क्षेत्र की ओर से मिली चंद्रमा थीम पर गायन और नृत्य प्रस्तुत कर संपूर्ण भारत में नगांव की कुमकुम सोनी के प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए अभिनंदन पत्र का वाचन नीतू धूत द्वारा किया गया। श्रीमती सोनी की अनुपस्थिति में अभिनंदन बाद में करने की जानकरी दी गई। पत्रकार द्वय वैद्यनाथ साहनी व रविंद्र साह का फुलाम गोमछा से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के बीच बीच में अजित माहेश्वरी द्वारा प्रश्नोत्तरी का संचालन किया गया जिस पर सही जबाब देने वालो को तुरंत पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ महेश नवमी उत्सव का समापन हुआ। उत्सव में नगांव मारवाड़ी पंचायत के सचिव रतन कुमार जाजोदिया, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सोभासरिया, सचिव अजय मित्तल व मंडलीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, शक्ति संघ के अध्यक्ष बिनोद कुमार मोर, सचिव महेश भजनका, नगांव अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया व महावीर प्रसाद किल्ला, नगांव राजस्थानी युवक संघ के पूर्व अध्यक्ष बिनोद कुमार पोद्दार ,नगांव अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष निर्मला आलमपुरिया, सचिव संगीता पोद्दार ,मारवाडी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा की अध्यक्ष हीरा गाड़ोदिया, सचिव निमिषा अग्रवाल, झुमर दुग्गड सहित अन्य संस्थाओ के पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित थे। महेश नवमी उत्सव को सफल बनाने में सचिव महावीर झंवर, पूर्व सचिव जगदीश प्रसाद दरक व महेश माहेश्वरी, बिनोद कुमार धूत, अभिषेक दरक, मनीष माहेश्वरी, नितिन मुंदडा, विद्या प्रकाश माहेश्वरी का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम की सफलता पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संपत कुमार माहेश्वरी द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया । **होजाई से हमारे संवाददाता के अनुसार पूरे** विश्व के साथ-साथ, महेश नवमी के पावन दिन पर होजाई के महेश्वरी परिवारों ने अपने-अपने निवास स्थान पर हर्षोल्लास के साथ भगवान महेश की पूजा अर्चना की। उल्लेखनीय है गि हर वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को महेश नवमी मनाई जाती है। महेश्वरी समाज की उत्पत्ति भगवान शिव के वरदान स्वरूप मानी गई है जिसका उत्पत्ति दिवस ज्येष्ठ शुक्ल नवमी है। महेश्वरी समाज के द्वारा महेश नवमी का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष आराधना की जाती है। होजाई मारवाड़ी पंचायत के पूर्व सचिव राजेश केजरीवाल, लावण्य अग्रवाल सहीत समाज के कई विशिष्टजनों ने इस अवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। इस संवाददाता से हुई बातचीत में समाज के विशिष्ट शिवशंकर बोड़ा व रमेश मुंदड़ा ने बताया की इस पावन दिन भगवान महेश की पूजा अर्चना करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। उन्होंने कहा की महादेव देवों के देव हैं उनकी पूजा-अर्चना करने से मनोवांछित फल की पूर्ति होती है। साथही इस दिन मान्यता है कि गौ सेवा करने से व बड़ों का आशीर्वाद लेने से सारे कष्टों का निराकरण होता है।

प्रधानमंत्री मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर पहली जनसभा आज अजमेर में करेंगे

जयपुर, (हि.स.)। केन्द्र में अपनी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली जनसभा करने के लिए 31 मई को अजमेर आ रहे हैं। वे यहां कायड़ विश्रामस्थली पर बड़ी जनसभा करेंगे। जनसभा में 42 विधानसभा क्षेत्र और 8 लोकसभा क्षेत्रों से लगभग दो लाख से भी अधिक लोगों के जुटने का दावा किया जा रहा है। ऐसे में जनसभा की तैयारियां व्यापक स्तर पर की जा रही हैं। देशभर में मोदी सरकार नौ वर्ष के कार्यकाल में हुए विशेष कामों और योजनाओं के बारे में जन-जन तक संदेश पहुंचाने का काम करेगी। इसकी शुरूआत पीएम मोदी अजमेर से करेंगे। 31 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अजमेर के निकट कायड़ विश्राम स्थली में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए कायड़ विश्राम स्थली में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी वायुसेना के विशेष विमान से पहले किशनगढ़ एयरपोर्ट आएंगे। यहां से वे सेना के हेलीकॉप्टर से पहले पुष्कर जाएंगे। यहां तीर्थ गुरु पुष्कर सरोवर की पूजा अर्चना और जगत पिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन करने के बाद मोदी अजमेर में कायड़ विश्राम स्थली के समीप बनाए गए हेलिपैड पर सेना के हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। मौसम खराब होने की स्थिति में किशनगढ़ एयरपोर्ट से उनका सड़क मार्ग से भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहले पुष्कर और बाद में अजमेर कायड़ विश्राम स्थली पहुंचने का वैकल्पिक कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। हालांकि, अभी अधिकृत रूप से पीएम मोदी का कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है, लेकिन उनके पुष्कर और अजमेर आगमन को लेकर तैयारियां भी उसी स्तर पर हो रही हैं। मंगलवार को भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से अजमेर आए अधिकारियों ने हेलीपैड स्थल की भी जांच की। इसके साथ ही पुष्कर सहित आसपास के क्षेत्र में भी हेलीकॉप्टर से अधिकारियों ने करीब दो घंटे तक निरीक्षण किया। हवाई निरीक्षण के बाद सुरक्षा व्यवस्था में तैनात अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। सभा स्थल के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। एसपीजी अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस ने अब कायड़ विश्राम स्थली को भी सुरक्षा घेरे में ले लिया है। वहां कार्य करने वाले व्यक्तियों को भी अपना पहचान पत्र दिखाने पर प्रवेश दिया जा रहा है। सभी गेट पर पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया गया है। हर तीन घंटे में ही ड्यूटी बदल रही है। विश्राम स्थली में प्रवेश करने वाले व्यक्ति की आईडी की जांच करने के साथ ही उनका रजिस्टर में भी नाम, पता, मोबाइल व वाहन नंबर भी नोट किया जा रहा है। विश्राम स्थली के गेट के अलावा चारों और पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। राजस्थान के अन्य जिलों से 5 हजार से अधिक जवानों का पुलिस बल अजमेर पहुंच गया है। गेट पर ही पुलिस के जवानों का टेंट लगाकर चैकपोस्ट बना दी गई है, जहां से बिना अनुमति कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता। बम निरोधक दस्ता पुष्कर और अजमेर में प्रस्तावित पीएम मोदी की सभा स्थल और अन्य प्रस्तावित यात्रा मार्गों की लगातार जांच पड़ताल कर रहा है। जनसभा में व्यवस्थाओं का जिम्मा संभाल रहे अजमेर नगर निगम के पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत ने बताया कि जनसभा स्थल क्षेत्र में 4000 से भी अधिक बीजेपी के झंडे और 1000 से अधिक कट आउट लगेंगे। 1000 से अधिक फ्लैक्स नौ साल बेमिसाल लगेंगे, जिनमें मोदी सरकार के कामकाज और योजनाओं की जानकारी होगी। जनसभा स्थल पर छह गेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से पांच गेट से लोग आ जा सकेंगे, जबकि एक गेट प्रधानमंत्री के आने जाने के लिए होगा। इन सभी गेट का नाम महापुरुषों महाराणा प्रताप, सम्राट पृथ्वीराज चौहान, दहारसेन, झलकारी बाई वीर दुगार्दास राठौड़ और शहीद भगत सिंह के नाम से पर होगा। पीएम मोदी की जनसभा के लिए बनाए गए मंच पर राजस्थान से सभी केंद्रीय मंत्री, आठ लोकसभा क्षेत्र के सांसद, बीजेपी के राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समेत कई दिग्गज नेता मंच पर नजर आएंगे।

मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं, भाजपा बोली, 'सेवा करने वाले ही दिल्ली को लूट रहे थे'

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। पार्टी ने कहा कि कोर्ट ने माना है कि मामला गंभीर है और आरोपित को छोड़ने पर वह जांच प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। केन्द्रीय मंत्री, भाजपा सांसद एवं प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी ने आज पत्रकार वार्ता में आम आदमी पार्टी को शराब घोटाला मामले में घेरा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन लोगों से कानून की रक्षा करने और उन्हें बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है, वे कानून के उल्लंघनकर्ता बन गए हैं। जिसे दिल्ली की सेवा करनी थी, वह दिल्ली को लूटने के लिए भ्रष्ट आचरण करने के अलावा कुछ नहीं कर रहा था। अध्यादेश के विषय पर केन्द्रीय मंत्री लेखी ने कहा कि सरकार को इसे लाना जरूरी हो गया था। सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद केजरीवाल सरकार भ्रष्टाचार उजागर करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। उन्हें बचाने के लिए जल्दबाजी में अध्यादेश लाया गया। ऐसा नहीं होता तो सरकार पहले कानून को संसद में पारित कराती। उन्होंने कहा कि दिल्ली एक केन्द्र शासित प्रदेश है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि वर्तमान प्रावधानों के तहत अफसरों की नियुक्ति और स्थानांतरण का अधिकार दिल्ली सरकार को दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार चाहे तो इसमें बदलाव कर सकती है। इसी को देखते हुए कानून लाया गया है।

चारधाम यात्रा का पीएमओ ले रहा है संज्ञान : राजेन्द्र सिंघल

देहरादून, (हि.स.)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार के आलाधिकारी राजेन्द्र सिंघल ने कहा कि चारधाम यात्रा पर पीएमओ भी समय समय पर संज्ञान ले रहा है। मंगलवार को सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास रंजीत सिन्हा ने एनडीएमए भारत सरकार से आए अधिकारियों की उपस्थिति में चारधाम यात्रा के सफल संचालन के लिए एक समीक्षा बैठक डीएमएमसी सभागार सचिवालय में ली। इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार के राजेंद्र सिंघल ने राज्य में चल रही चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने तीर्थ यात्रा को और बेहतर और सुगम बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पिछले यात्रा अनुभवों के बाद राज्य ने व्यवस्थाओं में काफी अच्छे परिवर्तन किये हैं, जिनकी पीएम कार्यालय ने काफी नजदीक से मॉनिटरिंग की। इस बार भी हम सभी को संयुक्त प्रयास करने हैं कि यात्रा पहले से और अधिक सफल और सुखद ढंग से सम्पन्न हो इसके लिए संयुक्त प्रयास करने हैं। प्रयास करना है कि यात्रा साल दर साल बेहतर रूप से संचालित हो। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा पर पीएमओ भी समय समय पर संज्ञान ले रहा है। उन्होंने मार्गों की स्थिति, परिवहन व्यवस्था, स्वास्थ्य शिविरों, पुलिस चौक पोस्ट, यात्री रजिस्ट्रेशन केंद्रों के किये जा रहे कार्यों को यात्रियों की सुगमता और श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को दृष्टिगत रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से किये जाने को कहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिक्षेत्र से पहले ही श्रद्धालुओं की भीड़ प्रबंधन के उपाय किये जाएं, ताकि मंदिर परिसरों में शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन चलते रहें। उन्होंने लाइन डिपार्टमेंट के लिए एस.ओ.पी के आधार पर दायित्वों का निर्वहन करने पर जोर दिया। हेली सेवाओं के लिए भी एसओपी को जन सामान्य तक प्रचारित किये जाने की आवश्यकता बतायी। स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य, टूरिज्म विभाग और पुलिस प्रशासन सुरक्षा बलों, पैरामिलिट्री फोर्सेज के बीच आपसी समन्वय बनाते हुए कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मौसम विभाग को भी अति सक्रिय रहते हुए समय पर पूर्व चेतावनी और संदेश भेजने के कार्यों को भी यात्रा और मानसून के लिए जरूरी बताया।

मुख्यमंत्री ने एलजी को फिर भेजी डीईआरसी अध्यक्ष नियुक्त करने की फाइल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति की फाइल एक बार फिर एलजी को भेजी है। दिल्ली सरकार ने एक बार फिर सेवानिवृत्त जज राजीव कुमार श्रीवास्तव को डीईआरसी का बतौर अध्यक्ष नियुक्त करने की सिफारिश की है। दिल्ली सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, दिल्ली सरकार ने एलजी को यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपाल में भेजा है। डीईआरसी के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति का मामला चार महीने से रूका हुआ है और पूरा काम ठप पड़ा है। इस मामले को लेकर गत 19 मई को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एलजी को कड़ी फटकार लगाते हुए दो सप्ताह के अंदर इसपर निस्तारण करने का आदेश दिया था। 11 और 19 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा है कि एलजी लैंड, पब्लिक आर्डर और पुलिस को छोड़कर बाकी विषयों पर चुनी हुई सरकार की सहायता व सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य हैं। डीईआरसी के अध्यक्ष की नियुक्ति इसलिए महत्वपूर्ण है, ताकि दिल्ली में बिजली क्षेत्र को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सके। चार माह पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डीईआरसी अध्यक्ष के रूप में न्यायमूर्ति राजीव कुमार श्रीवास्तव की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। उनकी नियुक्ति का प्रस्ताव तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पेश किया था, जिनके पास बिजली मंत्रालय का प्रभार था। इससे पहले, पिछले दो डीईआरसी अध्यक्षों की नियुक्ति विद्युत अधिनियम के इसी प्रक्रिया के अनुसार की गई थी। प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए केजरीवाल ने कहा था कि पूर्व एलजी अनिल बैजल डीईआरसी के पिछले दो अध्यक्षों की नियुक्ति में सरकार के फैसलों से सहमत थे और उनका सरकार के फैसलों से अलग मत नहीं था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस के इकलौते सांसद बालू धानोरकर का आज चंद्रपुर में होगा अंतिम संस्कार

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी के इकलौते सांसद बालू धानोरकर (47) का आज चंद्रपुर के वणी-वरोरा बायपास पर स्थित श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया जाएगा। बालू धानोरकर का आज तड़के दिल्ली के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर आज चंद्रपुर लाकर आवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। पारिवारिक सदस्यों ने बताया कि सांसद बालू धानोरकर का किडनी स्टोन का ऑपरेशन 26 मई को नागपुर में किया गया था। 28 मई को उनके पिताजी नारायण धानोरकर का निधन हो गया और उसी दिन उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद धानोरकर को तत्काल दिल्ली स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, लेकिन आज तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। बालू धानोरकर के निधन पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दुख जताया है। बालू धानोरकर ने अपना राजनीतिक सफर शिवसेना से शुरू किया था। 2014 में बालू धानोरकर शिवसेना के टिकट पर वरोरा-भद्रावती विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 2019 में बालू धानोरकर कांग्रेस में शामिल हो गए और चंद्रपुर-वणी-आर्णी संसदीय सीट से चुनाव लड़ा। महाराष्ट्र सहित पूरे देश में मोदी लहर होने के बाद भी बालू धानोरकर कांग्रेस पार्टी के इकलौते सांसद के रूप में चुनाव जीते थे। बालू धानोरकर के परिवार में उनकी पत्नी प्रतिभा धानोरकर और दो बच्चे हैं। प्रतिभा धानोरकर वरोरा-भद्रावती सीट से कांग्रेस विधायक हैं।

केजरीवाल के समर्थन में आए सीताराम येचुरी

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से लाए गए अध्यादेश के खिलाफ समर्थन हासिल करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सीपीआई (एम) के नेता सीताराम येचुरी से मुलाकात की। पार्टी कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता के खिलाफ लाए गए भाजपा सरकार के तानाशाही अध्यादेश किसी भी तरह जनता के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को दिल्ली में सीपीआई नेता सीताराम येचुरी से मुलाकात हुई। उन्होंने अध्यादेश के खिलाफ साथ देने की बात कही है। दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वार्ता भी की। इस दौरान सीताराम येचुरी ने कहा कि हम इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के साथ है। केंद्र सरकार का यह अध्यादेश किसी भी सूरत में देश की संवैधानिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। इस बीच केजरीवाल ने कहा कि अध्यादेश की वजह से सरकार दिल्ली की जनता के लिए कोई भी निर्णय नहीं ले पाएगी। इसलिए वे अलग-अलग पार्टी के प्रमुखों से मिल रहे हैं, ताकि जब केंद्र सरकार यह अध्यादेश संसद में लाए तो वह नामंजूर हो जाए। आगे उन्होंने कहा कि इस अधिकार को लेने के लिए दिल्ली सरकार बीते आठ सालों से अदालत में लड़ाई लड़ रही थी, जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला दिल्ली सरकार के पक्ष में आया तो केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर उसे पलट दिया। यह दिल्ली की जनता का अपमान है। इसलिए वह सभी विपक्षी दलों का समर्थन चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ सबसे पहले आम आदमी पार्टी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा था। उसके बाद वे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सांसद संजय सिंह, राघव चड्ढा, मंत्री आतिशी को साथ लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की थी। केजरीवाल ने इसी क्रम में उद्धव ठाकरे और शरद पवार से मुलाकात कर समर्थन मांगा था।

सेवा के नौ सालः सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना, जनकल्याण एवं अंत्योदय की यात्राः शिवराज

– प्रधानमंत्री मोदी के 9 वर्ष पूर्ण होने पर शिवराज ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

भोपाल, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र में एनडीए सरकार के कार्यकाल के नौ साल मंगलवार का पूर्ण हो गए। मोदी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही सेवा के इन नौ साल की यात्रा को उन्होंने सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना, जनकल्याण एवं अंत्योदय की यात्रा के रूप में निरुपित किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने मंगलवार को ट्वीट के माध्यम से कहा कि अपनी अद्वितीय कर्मनिष्ठा, अटल ध्येयनिष्ठा एवं अद्भुत नेतृत्व क्षमता से देश को परम वैभव के शिखर पर स्थापित कर नए भारत को आकार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ऐतिहासिक कार्यकाल के नौ वर्ष पूर्ण होने पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। उन्होंने कहा कि सेवा के नौ साल की यह यात्रा सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना की यात्रा है, जनकल्याण एवं अंत्योदय की यात्रा है, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि की यात्रा है। यह यात्रा जनाकांक्षाओं की पूर्ति की यात्रा है। प्रत्येक देशवासी इस विराट और ऐतिहासिक यात्रा का साक्षी और सहभागी है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने गोवा राज्य के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गोवा राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने ट्वीट संदेश में कहा, गोवा के स्थापना दिवस पर सुंदर राज्य के लोगों को मेरी शुभकामनाएं! गोवा अपनी प्राकृतिक सुंदरता, उत्तम समुद्र तटों, उत्साहित लोगों और जीवंत संस्कृति के लिए जाना जाता है। राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति की है। गोवा समृद्ध होता रहे और आने वाले वर्षों में सतत विकास के लिए एक मॉडल बने। वहीं उपराष्ट्रपति ने ट्वीट संदेश में कहा, गोवा के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई! इस शांत राज्य को मनोरम तटीय सुंदरता, आकर्षक वास्तुकला और मनोरंजक लोगों से नवाजा गया है। आने वाले वर्षों में राज्य विकास और प्रगति के नए मानदंड स्थापित करता रहे। प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट संदेश में कहा, गोवा राज्य दिवस की शुभकामनाएं! गोवा, शांति और जीवंतता का एक उत्कृष्ट मिश्रण है, जो अपनी अनूठी संस्कृति और स्थायी भावना से प्रेरित करता रहता है। मैं गोवावासियों की भलाई और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि वे भारत के विकास पथ को मजबूत करना जारी रखेंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व में गोवा केंद्र शासित प्रदेश गोवा, दमन और दीव का हिस्सा था। इसे बाद में 30 मई 1987 को राज्य का दर्जा दिया गया था।

जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में ली शपथ

शिमला, (हि.स.)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने मंगलवार को हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। राजभवन शिमला में पूर्वाह्न 10:30 बजे आयोजित सादे समारोह में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जस्टिस राव हिमाचल हाई कोर्ट के 28वें चीफ जस्टिस बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में चीफ जस्टिस राव ने कहा कि हिमाचल एक सुंदर प्रदेश है और यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। उन्हें बहुत खुशी हो रही है कि उन्हें यहां काम करने का मौका मिला है। चीफ जस्टिस के तौर पर उनकी प्राथमिकताएं उनके काम में नजर आएंगी और वह यहां के लोगों की सेवा करेंगे। हाई कोर्ट में लंबित मामलों पर उन्होंने कहा कि इस बारे में जो किया जा सकता है, वह करने की कोशिश करेंगे। इससे पहले राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने कार्यवाही का संचालन किया और राष्ट्रपति द्वारा जारी उनकी नियुक्ति का पत्र पढ़ा। राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा ने शपथ पत्र पर राज्यपाल और चीफ जस्टिस के हस्ताक्षर प्राप्त किए।

छोटे आकार की पेट्रोलियम रिफाइनरी लगाने पर हो रहा विचारः हरदीप पुरी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में 45 करोड़ टन सालाना रिफाइनरी क्षमता हासिल करने के लिए छोटे आकार की पेट्रोलियम रिफाइनरी लगाने पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल देश में रिफाइनिंग क्षमता 25.2 करोड़ टन सालाना है। हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को यहां उद्योग मंडल इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तत्वावधान में आयोजित ऊर्जा सम्मेलन को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छोटी रिफाइनरियों के लिए चीजें आसान होती हैं। इसमें जमीन अधिग्रहण समेत अन्य बाधाएं नहीं होती। बड़े आकार की रिफाइनरी लगाना महंगा सौदा बन गया है। इसलिए हम प्रतिवर्ष दो करोड़ टन तक सालाना क्षमता वाली रिफाइनरियों पर गौर कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें 45 करोड़ टन सालाना क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए छोटे आकार की रिफाइनरियों के साथ कुछ और नीतिगत निर्णय लेने की जरूरत है। भारत आने वाले समय में ऊर्जा का केंद्र होगा। इसके लिए पर्यावरण अनुकूल दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमें ऐसी रिफाइनरियों की जरूरत है, जो पेट्रोरसायन, हरित हाइड्रोजन आदि बनाएं। पुरी ने जैव ईंधन के पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन में मिश्रण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हर प्रकार के प्रयोग हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि यह सब प्रयोगशालाओं में हो रहा है, बल्कि ये बाजार में हो रहा है। पेट्रोलियम मंत्री ने एक फीसदी जैव ईंधन, विमान ईंधन में मिलाए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इससे कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा।

भारतीय सेनाएं बड़े बदलाव की राह पर, थिएटर कमांड का ब्लूप्रिंट तैयार : सीडीएस

– जनरल अनिल चौहान ने पुणे में एनडीए के 144वें कोर्स की पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया

– निकट पड़ोस में राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल की घटनाएं भारतीय सेना के लिए चुनौती

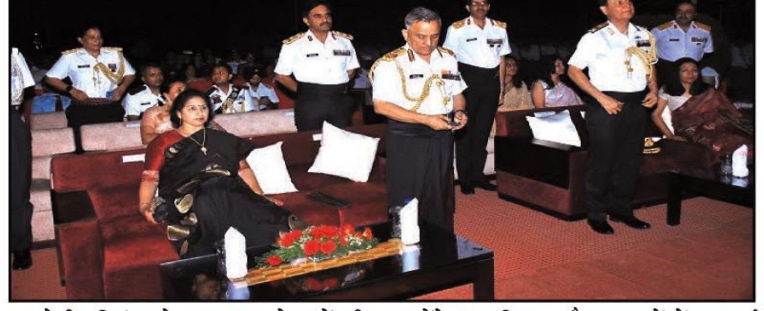

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि भारत की सेनाएं बड़े बदलाव की राह पर हैं और तीनों सेनाओं को मिलाकर थिएटर कमांड तैयार करने का ब्लूप्रिंट अंतिम चरण में है। मंगलवार को पुणे में एनडीए के 144वें कोर्स की पासिंग आउट परेड में सीडीएस ने कहा कि हम सैन्य मामलों में एक नई क्रांति देख रहे हैं, जो ज्यादातर तकनीक से संचालित है। पुणे के खडकवासला में एनडीए के 144वें कोर्स की पासिंग आउट परेड के मौके पर कैडेटों को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक सुरक्षा की स्थिति बेहतर नहीं है और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक व्यवस्था डांवाडोल हालत में है। यूरोप में जंग, हमारी उत्तरी सीमाओं पर चीनी सेना की निरंतर तैनाती और हमारे निकट पड़ोस में राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल की घटनाएं भारतीय सेना के लिए एक अलग तरह की चुनौती पेश कर रही हैं। भारत की सेनाएं एलओसी (नियंत्रण रेखा) पर हमारे दावों की वैधता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेनाएं न केवल हमारे निकट पड़ोस, बल्कि दूर के पड़ोस में भी शांति और स्थिरता बनाए रखने में रचनात्मक भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि हम सैन्य मामलों में एक नई क्रांति भी देख रहे हैं, जो ज्यादातर तकनीक से संचालित हैं। जनरल चौहान ने कहा कि भारत की सशस्त्र सेनाएं भी एक बड़े परिवर्तन की राह पर हैं, हम संयुक्तता, एकीकरण और थिएटर कमांड का निर्माण करने की तैयारी में हैं। एनडीए के 144वें कोर्स में कुल 386 कैडेट पास हुए और उन्हें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से डिग्री प्रदान की गई। जनरल चौहान ने त्रि-सेवा अकादमी से पास होने वाली महिला कैडेटों के पहले बैच को बधाई दी और पुरुष प्रधान सेवा में प्रवेश करने के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपने पुरुष भाइयों के समान समान जिम्मेदारियों को उठाने का विकल्प चुना है। जनरल अनिल चौहान ने एनडीए की स्थापना के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एनडीए गीत 'भारत मां तुझे सलाम' जारी किया।

यह गीत अकादमी के लोकाचार, बलिदान की भावना का प्रतीक है और राष्ट्र के लिए सशस्त्र बलों के समर्पण को पुष्ट करता है। इस एनडीए सॉन्ग को भारतीय गायक सुखविंदर सिंह ने गाया है। इसे कुमार ने लिखा, शंकर और सुशांत ने कम्पोज किया है। समर खान और तनुज भाटिया के निर्देशन में यह गीत तैयार किया गया है।

शिक्षा समाज के लोगों की भावनाओं को समझने का जरिया : योगी आदित्यनाथ

-मुख्यमंत्री ने केरल एवं लक्षदीप से आए 45 छात्रों के समूह से की मुलाकात

लखनऊ, (हि.स.)। एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के युवा संगम कार्यक्रम के निमित्त मंगलवार को आईआईटी पलक्कड़ केरल व लक्षदीप के 45 विद्यार्थी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मिले। यहां सबसे पहले मुख्यमंत्री ने सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों से परिचय किया। 45 में से 35 केरल व 10 लक्षदीप के विद्यार्थी हैं। इनमें 25 छात्र व 20 छात्राएं हैं। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने उन्हें सफल जीवन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने छात्रों से संवाद के दौरान उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से शिक्षा मंत्रालय ने यह अभिनव प्रयोग प्रारम्भ किया है। आप जिस केरल से आये हैं, वहीं से कई वर्षों पहले शंकराचार्य भी आये थे और उन्होंने चार मठ स्थापित किए थे।

कोई किसी भी राज्य का हो पर भाव सबका देश प्रेम : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा समाज के लोगों की भावनाओं को समझने का जरिया है। ये नई शिक्षा नीति को ही परिलक्षित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप में से कई लोग पहली बार उप्र आये होंगे। कोई किसी भी राज्य का हो पर उनका भाव देश प्रेम का ही होगा। जब देश संकट में आता है तो सभी राज्य एक साथ खड़े हो जाते हैं।

उप्र में नो कर्फ्यू-नो दंगा, हमने हर मजहब से किया संवाद : मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने उत्तर प्रदेश को देखा। केरल की तरह ही उत्तर प्रदेश भी देश की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। आबादी (25 करोड़) के लिहाज से यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां छह करोड़ मुस्लिम आबादी है। इसके बावजूद यहां न कर्फ्यू है और न ही दंगा। योगी ने बताया कि छह वर्ष पहले तक यहां ऐसे हालात नहीं थे। धार्मिक अवसरों पर हिंसा होती थी। लोगों का पलायन होता था। छह वर्षों में हमने इसे बदलने का प्रयास किया। इसमें युवाओं और आम लोगों का भी भरपूर साथ मिला है। इसी की वजह से आज उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। सुरक्षा के लिए हमने हर जाति, मजहब से संवाद स्थापित किया। संवाद से ही सभी रास्तों का हल निकाला जाता है। सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर बिना भेदभाव कार्रवाई करते हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आज 25-30 लाख लोग स्नान कर रहे होंगे। आज ही के दिन गंगा का स्वर्ग से धरती पर अवतरण हुआ। श्रद्धाभाव से आयोजन हो रहे हैं, कोई समस्या नहीं है।

मुख्यमंत्री ने दिया सुझाव- ट्रेड के साथ ही तय कर लें लक्ष्य : मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र में तकनीक का इस्तेमाल तेजी से शुरू हुआ है। इसके कारण रोजगार सुलभ हुए हैं। तकनीक के इस्तेमाल से भ्रष्टाचार भी कम हुआ है। आज डीबीटी के माध्यम से पूरा पैसा लाभार्थी को मिल रहा है। आज हम डिजिटल लेनदेन के दौर में पहुंच चुके हैं। सीएम ने सुझाव दिया कि जब हम कोई ट्रेड तय करते हैं, तभी लक्ष्य निर्धारित कर लें। दो करोड़ युवाओं को हम टेबलेट अथवा स्मार्टफोन उपलब्ध करा रहे हैं, ताकि युवा तकनीक के साथ तालमेल बिठा सकें। उप्र में आज विकास हो रहा है। ओडीओपी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। 96 लाख एमएसएमई के माध्यम से प्रदेश में रोजगार की संभावनाएं कई गुना बढ़ गयी हैं। एक्सपोर्ट लगभग तीन गुना हो गया है। इस दौरान केरल व लक्षदीप के बच्चे योगी आदित्यनाथ से मिलकर फूले नहीं समाए। बच्चों ने काफी उत्सुकता से मुख्यमंत्री से सवाल किए। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के संन्यास का पहला धर्म सेवा है। हम सेवा को प्राथमिकता पर रखते हैं। धर्म का आशय कर्तव्य से है।

26 से 31 मई तक उप्र प्रवास पर हैं विद्यार्थी : उल्लेखनीय है कि 45 विद्यार्थियों का यह समूह 26 से 31 मई तक मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज में शैक्षणिक, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन के बारे में जानने आये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा आप लोगों ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ, गंगा आरती समेत लखनऊ, प्रयागराज के संग्रहालय-संगम समेत विभिन्न हिस्सों में भ्रमण किया। प्रयागराज विश्वविद्यालय में आपको वहां के प्रवक्ताओं के अनुभव भी जानने के अवसर मिले होंगे। निश्चित तौर पर आपको भविष्य में इसका लाभ मिलेगा। आप उप्र की विधानसभा को अवश्य देखें। यह पहली पेपरलेस विधानसभा है। इसके 100 वर्ष पूर्ण हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने उपस्थित छात्रों व प्रतिनिधियों को ओडीओपी के उत्पाद भी भेंट किए। प्रतिनिधिमंडल में मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कार्यवाहक निदेशक रवि प्रकाश तिवारी, शिक्षा मंत्रालय से सुरेंद्र नायक, अखिल भारतीय तकनीक शिक्षा परिषद के असिस्टेंट डायरेक्टर जॉन बी डब्लू आदि मौजूद रहे।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व विधायक विजय सिंह को सुनाई तीन साल की सजा

फरुर्खाबाद, (हि.स.)। जनपद की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व विधायक विजय सिंह को तीन साल की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आठ लाख रुपये का अर्थदण्ड वसूलने के भी आदेश दिए हैं। पूर्व विधायक विजय सिंह इस समय पूर्व ऊर्जा मंत्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्याकांड में बांदा की जेल में बंद हैं। उल्लेखनीय है कि फतेहगढ़ कोतवाली में चालक के पद पर कार्यरत सिपाही बृजेन्द्र सिंह तोमर की 26 जून 2014 को गोली लगने से मौत हो गई थी। इस मामले में सिपाही के पुत्र राहुल तोमर निवासी आश्रम रोड मैनपुरी ने पूर्व विधायक विजय सिंह पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें कहा गया था कि पूर्व विधायक विजय सिंह ने उसकी बहन नीतू चौहान की नौकरी लगवाने के लिए उसके पिता से रुपये लिये थे।उन्होंने न नौकरी लगवाई न रुपये वापस किये। उसके पिता ने जब रुपये मांगे तो उनकी हत्या करवा दी। पुलिस ने विवेचना के दौरान इस मुकदमे को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने में पूर्व विधायक के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल कर दिया। जिसकी अभियोजन पक्ष से वरिष्ट अधिवक्ता सत्यपाल सिंह चौहान व बचाव पक्ष से जितेंद्र सिंह चौहान ने अपनी-अपनी दलीलें पेश की। वरिष्ट अधिवक्ता सत्यपाल सिंह चौहान की बहस को सुनकर न्यायालय स्पेशल जज एंटी डकैती एवं एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व विधायक विजय सिंह को रुपये लेकर वापस न करने के आरोप में तीन साल की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आठ लाख रुपये अर्थदण्ड के रूप में वसूले जाने का आदेश दिए हैं। पूर्व विधायक विजय सिंह इस समय पूर्व ऊर्जा मंत्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्या कांड में बांदा की जेल में सजा काट रहे हैं।

गंगा दशहरा पर नमामि गंगे ने चढ़ाई आर-पार की माला, गंगा निर्मलीकरण की कामना

वाराणसी, (हि.स.)। गंगा दशहरा पर मंगलवार को नमामि गंगे के सदस्यों ने मां गंगा को आर-पार की माला चढ़ाई। सदस्यों ने पूरी आस्था के साथ मां गंगा के स्वर्ग से धरती पर अवतरण दिवस पर उनके निर्मलीकरण, भारत की सुख समृद्धि की कामना कर भोग प्रसाद भी अर्पित किया। गंगा दिवस पर सदस्यों ने नौका से गंगा में भ्रमण कर लाउडस्पीकर से स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्नान कर रहे श्रद्धालुओं को जागरूक किया और घाटों पर स्वच्छता के लिए श्रमदान भी किया। इस दौरान घाटों से लेकर गंगा पार तक 'गंग सकल मुद मंगल मूला, सब सुख करनि हरनि सब सूला' की गूंज भी सुनाई देती रही। नमामि गंगे काशी क्षेत्र संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि भारतीय शास्त्र, पुराण एवं उपनिषद इत्यादि सभी ग्रंथों में गंगा की महिमा और महत्ता का बखान किया गया है। गंगा जल कृषि व उद्योगधंधों के लिए प्राणवायु है। उचित होगा कि जीवनदायिनी गंगा एवं अन्य नदियों के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार छोड़ आस्था एवं परंपरा का निर्वहन मानवता के लिए किया जाए। आर-पार की माला चढ़ाने, स्वच्छता जागरूकता अभियान में शिवदत्त द्विवेदी, बीना गुप्ता,पुष्पलता वर्मा, प्रीति जायसवाल, विकास तिवारी, सोनू , कंचन मिश्रा, निक्की जायसवाल, शुभम सिंह, पूजा मौर्या आदि भी शामिल रहे।

युवा मोर्चा ही भाजपा का भविष्य : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति के प्रथम सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का भविष्य युवा मोर्चा ही है। वर्तमान में जो भाजपा का नेतृत्व कर रहे हैं वह चाहे प्रदेश हो या केंद्र, पहले वह युवा मोर्चा के कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित है। जैसे उत्तर प्रदेश के सभी नगर निगमों की सीटों को भाजपा ने जीता है उसी प्रकार 80 की 80 लोकसभा सीटों पर कमल खिलेगा। केशव प्रसाद मौर्य ने युवा मोर्चा के कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत काल के संकल्प 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करना है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में निकाय चुनाव 2023 में सबसे बड़ी विजय भारतीय जनता पार्टी की हुई है। वर्ष 2019 से भी बड़ी विजय 2024 में भाजपा को मिलेगी। हमारा यूथ भाजपा के साथ है। 2024 में देश के युवाओं के भविष्य का सवाल है। विश्व का नेतृत्व करने वाले भारत का सवाल है। ये करो या मरो का सवाल है। इसलिए 2024 तक सब कुछ जाइए भूल केवल याद रखिए कमल का फूल। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही देश के युवाओं का भविष्य उज्जवल होगा। युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश पदाधिकारी लखनऊ आए हैं। इसमें युवा मोर्चा के सभी जिलों के जिला अध्यक्ष व महामंत्री बुलाये गये हैं। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे हैं महा जनसंपर्क अभियान को लेकर भी बैठक में चर्चा होगी। प्रदेश कार्यसमिति के दूसरे सत्र को युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने भी संबोधित किया। समापन सत्र में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी युवा मोर्चा के कार्यकताओं को संबोधित करेंगी।

वर्तमान प्रगति नाकाफी, गुणात्मक सुधार लाने के निर्देश

बहराइच, (हि.स.)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक मंगलवार को आयोजित हुई। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह को निर्देश दिए कि जिले के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर्याप्त साफ-सफाई, रंग-रोगन, बिजली-पंखे, फर्नीचर, दरवाजों एवं खिड़कियों की आवश्यक मरम्मत कराकर वहां पर मरीजों एवं उनके साथ आने वाले तीमारदारों के बैठने, पेयजल एवं प्रसाधन के बेहतर से बेहतर प्रबन्ध किये जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानक के अनुसार चिकित्सकों, पैरा मेडिकल स्टाफ, दवाओं, उपकरण इत्यादि का समुचित प्रबन्ध कर अपग्रेड किया जाए जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अपने घर के आस-पास ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलने लगे। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्वास्थ्य केन्द्रों के अपग्रेडेशन से जिला चिकित्सालय आने वाले मरीजों की संख्या में कमी आएगी। जिसका परिणाम यह होगा कि चिकित्सालय में भी मरीजों को अपेक्षाकृत बेहतर इलाज मुहैय्या हो सकेगा। सीएमओ को निर्देशित किया गया कि विगत चार माह में सबसे खराब प्रगति वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को परफार्मेन्स रिपोर्ट के साथ चेतावनी पत्र तथा अच्छी प्रगति हासिल करने वाले तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की प्रशन्सा का उल्लेख बैठक की कार्यवृत्ति में किया जाए। उन्होंने सीएमओ को यह भी निर्देश दिया कि आगामी बैठक में शासनादेश के अनुसार निर्धारित प्रारूप पर तुल्नात्मक डाटा भी प्रस्तुत किया जाय। बैठक के दौरान सीएमओ डॉ. सिंह ने बताया कि हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टरों पर चिकित्सक एवं सीएचओ द्वारा 7540 लोगों को ई-संजीवनी ओ.पी.डी. के तहत नान-कम्युनिकेशन डिजीज-ब्लड शुगर, कैंसर, हाईपरटेंशन आदि की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय उपचार हेतु परामर्श प्रदान किया गया। डीएम ने निर्देश दिया कि जिले के समस्त पीएचसी एवं उपकेन्द्र स्तर पर स्थापित हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर्स को क्रियाशील कर अधिक से अधिक लोगों को ई-संजीवनी ओ.पी.डी. से आच्छादित किया जाए। डीएम ने वर्तमान प्रगति को नाकाफी बताते हुए इसमें गुणात्मक सुधार लाए जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफ.आर.यू.) की समीक्षा के दौरान बताया गया कि सिजेरियन प्रसव हेतु जिले में जिला चिकित्सालय (मेडिकल कालेज) व सीएचसी नानपारा, कैसरगंज, महसी, मोतीपुर व पयागपुर कुल 06 एफ.आर.यू. क्रियाशील हैं। डीएम ने निर्देश दिया कि इन्हें मैन पावर व अन्य संसाधनों के साथ क्रियाशील रखते हुए गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए।

युवाओं के बल पर ही गांव-नगर से लेकर प्रदेश और केंद्र में बनी भाजपा सरकार : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि युवाओं की ताकत का ही परिणाम है कि आज गांव से लेकर नगर प्रदेश और केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। कार्यकताओं के परिश्रम के स्वरूप अपने विचार के आधार पर सरकार बनाने और सरकार को चलाने का अवसर हमें मिला है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने स्थापना काल के समय जो संकल्प लिया था उसे पूरा करने का काम मोदी सरकार ने किया है। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का काम हो या फिर अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण का प्रश्न हो भाजपा की सरकार में सारे संकल्प पूर्ण हो रहे हैं। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां हमेशा तुष्टीकरण को बढ़ावा देने वाली थी। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने का काम कांग्रेस सरकार ने ही किया था। प्रदेश अध्यक्ष ने युवा मोर्चा के कार्यकताओं को पार्टी की स्थापना काल से लेकर कब तक भाजपा की यात्रा के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर स्वागत भाषण करते हुए युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों का सौभाग्य है कि भूपेंद्र सिंह चौधरी जैसे निशा के नेतृत्व में काम करने का अवसर मिला है जिन्हें संगठन में काम करने का लंबा अनुभव हैं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता आपके कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, भाजयुमो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व एमएलसी सुभाष यदुवंश, युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह, और युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी धनंजय शुक्ला प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआईए कोर्ट ने भेजा जेल

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप को रांची की एनआईए कोर्ट में मंगलवार को पेश किया। आठ दिन की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद दिनेश गोप को एनआईए के विशेष न्यायाधीश मधुरेश प्रसाद वर्मा की कोर्ट में पेश किया गया है। अदालत ने गोप को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) भेज दिया। इससे पूर्व एनआईए ने दिनेश गोप का मेडिकल कराया और कोर्ट में पेश किया। इस दौरान एनआईए कोर्ट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। कोतवाली इंस्पेक्टर और डीएसपी जवानों के साथ सुरक्षा में तैनात थे। उल्लेखनीय है कि पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआईए ने 21 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड पर विमान से रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया था। उसके खिलाफ झारखंड, बिहार और ओडिशा में हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआई के लिए धन जुटाने से संबंधित 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। झारखंड पुलिस ने दिनेश गोप पर 25 लाख और एनआईए ने पांच लाख का इनाम घोषित किया था। एनआईए ने 22 मई को दिनेश गोप को कोर्ट में पेश किया था और 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी। अदालत ने दिनेश गोप को आठ दिनों के रिमांड पर एनआईए को सौंपा था। पूछताछ के दौरान एनआईए ने कई हथियार और गोलियां भी बरामद की हैं।

रांची जिला ग्रीष्मकालीन मलखंब प्रशिक्षण शिविर संपन्न

रांची, (हि. स.)। रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण धुर्वा के सेक्टर दो स्थित बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय में किया गया था। इस दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन मलखंब प्रशिक्षण शिविर में पूरे रांची जिले से लगभग सत्तर बालक -बालिकाओं को मलखंब खेल के तहत पोल मलखंब,रोप मलखंब, हैंगिंग मलखंब एवं पिरामिड का बारीकी से अभ्यास कराया गया। सर्वप्रथम सभी खिलाड़ियों को जेनरल वार्मअप के बाद जमीन पर सभी प्रकार के योगासन का अभ्यास एवं सूर्य नमस्कार के माध्यम से खिलाड़ियों के शरीर को लचीलापन बनाने पर ज्यादा जोर दिया गया। तत्पश्चात सभी खिलाड़ियों को पोल,रोप, हैंगिंग मलखंब का बेसिक जानकारी दी गई। साथ ही एक एक कर कौशल्य की जानकारी देते हुए अभ्यास कराया गया। प्रतिदिन सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षक अजय झा, राष्ट्रीय खिलाड़ी विवेक कुमार,अनुशिखा कुमारी, रशिम कुमारी, नवनियुक्त प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा शिक्षक पूनम एक्का, अनीता कुमारी, राजीव उरांव, जयंती एक्का, कुलदीप सोरेंग ने पूर्ण रूप से सहयोग किया। समापन समारोह के अवसर पर रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय झा, रांची जिला मलखंब संघ के महासचिव आशुतोष द्विवेदी एवं खेल प्रेमी अमीत साहू ने संयुक्त रूप से सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

पलामू डीसी के जनता दरबार में लगी फरियादियों की भीड़

पलामू, (हि.स.)। जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने लोगों की समस्याएं को बारी-बारी से सुना और निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया। जनता दरबार में भूमि सीमांकन, भूमि विवाद, राशन, अवैध कब्जा आदि समस्याओं को लेकर लोग उपस्थित हुए। हरिहरगंज के ग्राम तुरी से आयी विधवा महिला फुलिया कुंवर ने उपायुक्त को बताया कि उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति के मद्देनजर सरकार की ओर से उन्हें 2022-23 में अंबेडकर आवास का लाभ दिया गया है, जिसके अंतर्गत प्रथम किश्त के रूप में उनके बैंक खाते में चालीस हजार रुपये की राशि भी उपलब्ध करायी गयी है। महिला ने उपायुक्त को बताया कि आवास निर्माण कार्य को स्थानीय दबंगों द्वारा रोकवा दिया गया था, जिसके बाद उपायुक्त के स्तर से हरिहरगंज के अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी से सुस्पष्ट मंतव्य के साथ प्रतिवेदन की मांग की गई थी लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी संबंधित दोनों पदाधिकारियों द्वारा प्रतिवेदन वरीय पदाधिकारी को अप्राप्त है, जिससे आज भी उनका आवास निर्माण कार्य लंबित है। उपायुक्त से इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। इसी क्रम में मनातू के ग्राम कुंडलपुर से आयी रीता देवी ने कुंडलपुर ग्राम में आंगनबाड़ी सेविका शोभा कुमारी की ग्रामसभा में फर्जी मैट्रिक व इंटर के सभी कागजातों की जांच कराने की मांग की। रेहला से आये विपिन कुमार चौबे ने बताया कि उनके पिता का मौत मेदिनीनगर कारा में हो गयी थी लेकिन आज तक उनको किसी प्रकार की प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने उपायुक्त से उच्च न्यायालय रांची के आदेशानुसार प्रोत्साहन राशि का भुगतान करवाने हेतु अनुरोध किया। इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। डीसी श्री दोड्डे ने प्राप्त शिकायतों का समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया। उपायुक्त ने तरहसी सीओ, सदर एसडीओ, मनातू बीडीओ, विभिन्न अंचलाधिकारी समेत कई पदाधिकारियों को ऑन स्पॉट फोन कर मामलों का तेज गति से निष्पादित करने का निर्देश दिया।

शिक्षक नियामावली-2023 को लेकर महा गठबंधन में गहराया विवाद, माले ने खुलकर किया विरोध

पटना, (हि.स.)। बिहार में नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली-2023 को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। नई नियमावली के लगातार विरोध के बाद सरकार उसमें संशोधन कर सकती है। इस मामले को लेकर माले विधायक संदीप सौरभ ने मंगलवार को कहा कि महा गठबंधन के सात में 6 दल इस बात पर सहमत हैं कि सरकार ने शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने के लिए बीपीएससी से परीक्षा कराने का जो फैसला लिया है उसे वापस ले। विधायक संदीप सौरभ ने कहा है कि बिहार सरकार जो नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली लेकर आई है उसे लाने से पहले सरकार ने न तो शिक्षक संघों से बात की और ना ही अभ्यर्थियों के संघ से ही किसी तरह का विचार विमर्श किया। सरकार को शिक्षक संगठनों और अभ्यर्थियों के संगठन से बातचीत करने के बाद ही इस नियमावली को लागू करना चाहिए था। उन्होंने सरकार के उस फैसले पर भी सवाल उठाया जिसमें कहा गया कि सभी नियोजित शिक्षकों को बीपीएससी के माध्यम से परीक्षा देनी होगी और परीक्षा में सफल होने के बाद ही उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा मिल सकेगा। जब सरकार शिक्षकों का नियोजन कर चुकी है तब उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा देने के लिए बीपीएससी का परीक्षा दिलाने की क्या जरूरत है। ये सब बकवास बातें हैं इससे शिक्षा में किसी तरह का सुधार नहीं होने वाला है। संदीप सौरभ ने कहा कि जो शिक्षक बीपीएससी की परीक्षा में फेल कर जाएंगे और वही शिक्षक बच्चों को पढ़ाने जाएंगे तो उसे शिक्षा के स्तर में क्या बदलाव आ पाएगा। उन्होंने कहा कि नियोजित शिक्षकों की इस समस्या को लेकर वे खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से मुलाकात कर चुके हैं। जिस वक्त बीपीएससी और शिक्षा विभाग की बैठक हो रही थी उस वक्त महा गठबंधन की भी एक बैठक चल रही थी।

ई-किसान भवन में हुआ खरीफ महाअभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित ई-किसान भवन में खरीफ महा अभियान के तहत प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कृषि विभाग से संबंधित पदाधिकारी समेत कृषि वैज्ञानिक और बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।कार्यशाला का शुभारंभ फारबिसगंज अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सुधांशु कुमार,अररिया कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कृषि वैज्ञानिक सहित अधिकारी ने खरीफ फसल को लेकर कई आवश्यक जानकारी के साथ उन्नत कृषि को लेकर अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में जानकारी दी।वही कृषि समन्वयक नवीन राय ने किसानों को खरीद को लेकर सरकार की ओर से किसानों के लिए चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में कृषि समन्वयक नवीन राय, अनुज कुमार निराला, प्रदीप कुमार, एवम किसान सलाहकार में मुरली मनोहर, मुकेश देव, निशांत नवीन, दिलीप गुप्ता, सुप्रिया कुमारी, कुंदन देव सहित प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने भाग लिया।

हरिद्वार की तर्ज पर विकसित होगा सिमरिया गंगा धाम : नीतीश कुमार

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार सहित देश के विभिन्न राज्य और नेपाल तक के भक्ति, अध्यात्म और मोक्ष का पावन गंगा धाम बेगूसराय का सिमरिया अब नए रूप में दिखेगा। 2024 तक सिमरिया, हरिद्वार के हर की पैड़ी से भी भव्य स्वरूप में नजर आने लगेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को सिमरिया धाम में 114.97 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सीढ़ी घाट एवं सौंदर्यीकरण कार्य का कायारंभ किया। सड़क मार्ग से सिमरिया आए मुख्यमंत्री ने मोक्षदायिनी मां गंगा की पूजा-अर्चना कर उन्हें नमन किया। इसके बाद पुरोहितों द्वारा किए जा रहे स्वस्ति वाचन के बीच कायारंभ किया तथा गंगा आरती में शामिल हुए। सौंदर्यीकरण कार्य के शिलान्यास के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम तो बहुत दिन से सोच रहे थे कि इसका निर्माण कार्य जल्द पूर्ण हो। सिमरिया में भक्त और पर्यटक दूर-दूर से आते हैं। उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो इसको ध्यान में रखते हुए काम किया जा रहा है। इस स्थान पर आस पास के रहने वाले लोग ही नहीं, बल्कि दूर-दूर और नेपाल से श्रद्धालु आते हैं। अंतिम संस्कार के लिए जो लोग यहां आते हैं, उन्हें उस स्थल तक जाने के लिए अलग से रास्ता होगा। जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

जून 2024 तक इस काम को पूरा करना है। निर्माण पूरी होने के बाद श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। यहां आने वाले लोगों सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाएगा, उसके लिए भी सारी व्यवस्था की जाएगी। सौंदर्यीकरण कार्य में राशि की कमी नहीं होगी। हरिद्वार की तर्ज पर सिमरिया धाम विकसित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गंगा घाट का निरीक्षण भी किया। जिसमें जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने गंगा तट पर निर्मित होने वाले सीढ़ी घाट एवं सौंदर्यीकरण कार्य, आवागमन मार्ग, गंगा नदी का बहाव आदि के संबंध में मुख्यमंत्री को मैप के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सिमरिया तट पर गंगा नदी का फ्लो निरंतर बनी रहे। यहां श्रद्धालुओं को हर समय गंगा जल की उपलब्धता आसानी से हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करें। सिमरिया धाम काफी प्रसिद्ध और यह लोगों के आस्था का स्थल है। यहां सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में उत्तर बिहार और नेपाल से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। आज कायारंभ किया जा रहा है, हम चाहते हैं कि यह काम जल्द से जल्द पूरा हो। इसके लिए जितने लोगों की आवश्यकता हो, उन्हें इस काम में लगाएं। नवम्बर 2024 में यहां श्रद्धालुओं द्वारा किए जानेवाले स्नान से पहले यह काम पूरा हो जाये।

संपादकीय

धर्मशाला में हुंकारा

धर्मशाला की आभार रैली का मजमून, संदर्भ और सियासत साफ थी और इसीलिए माहौल के उत्साह को मनचाहा हिमाचल मिल गया। यह वह हिमाचल है जो सरकार व कर्मचारियों के बीच ओपीएस दिलाने का भरोसा और प्रदेश के अधिकारों को केंद्र से लाने का रास्ता तय करता है। इसीलिए जब आभार रैली का शंखनाद हो रहा था, तो कहीं हिमाचल सरकार यह भी समझ रही थी कि ओपीएस की बढ़ी हुई लागत में राज्य व केंद्र के संबंधों में दूरी को संघर्ष की बुनियाद से पाटा जाएगा। पूर्वविदित है कि एनपीएस के तहत केंद्र के पास 9245 करोड़ की भारी भरकम रकम फंसी हुई है और इसे वापस लेने के लिए पापड़ बेलने पड़ेंगे। यह राशि कर्मचारी वर्ग और सरकार के योगदान से एनपीएस के सफर की कहानी है, लेकिन अब इसकी हिस्सेदारी से ओपीएस का दारोमदार भी जुड़ता है। सवाल एनपीएस के साम्राज्य का नहीं क्योंकि वहां केंद्र सरकार के वित्तीय हिसाब के तर्क और रणनीति आसानी से इस धन की वापसी नहीं करना चाहती, बल्कि संघीय ढांचे और प्रदेश की आत्मनिर्भरता का है। धर्मशाला रैली में नमक हलाली के सबूत बन कर कर्मचारी उमंगें सरकार को साधुवाद देती रहीं, लेकिन प्रश्न अब 9245 करोड़ का रहेगा और इसीलिए इशारों-इशारों में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बता दिया कि वक्त आ गया है कि राज्य अपने अस्तित्व के प्रश्नों पर दिल्ली कूच करे। बेशक यह प्रश्न अब उस मिलकीयत का है, जहां कर्मचारियों की पाई-पाई जुड़ती रही और यह राज्य के वित्तीय ढांचे की जरूरत भी है कि राज्य सरकार सीधे केंद्र से आंख मिला कर पूछे। धर्मशाला में भरा गया हुंकारा अब कर्मचारियों को भी एक ऐसा मार्ग दिखा रहा है, जो इससे पहले कभी था ही नहीं। राज्य की प्रतिष्ठा, वचनबद्धता और वित्तीय अधिकारों के लिए पहली बार कर्मचारी भी एक पार्टी बन कर दिल्ली पहुंच जाएं, यह अपने आप में एक अद्भुत घटना होगी। इसी के पार्ट टू में मुख्यमंत्री विद्युत उत्पादन से हिमाचल के लिए मुफ्त में बिजली हासिल करने का बीड़ा भी उठाते हैं। धर्मशाला का मंच उन्हें हिमाचली अधिकारों की नए सिरे से व्याख्या करने का अवसर प्रदान करता है तो वह ऋण मुक्त हो रही विद्युत परियोजनाओं से 12 प्रतिशत निःशुल्क बिजली के बजाए अब तीस प्रतिशत दर से इसे हासिल करने का ऐलान भी करते हैं। प्रदेश को आत्मनिर्भरता के नक्शे पर सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री अपने कार्यभार संभालते ही काम पर डट गए हैं। वाटर सेस उनका एक साहसिक कदम है, भले ही पड़ोसी राज्यों ने इसे लेकर अंट शंट कहा हो या अपनी-अपनी विधानसभाओं में इसकी नाकाबंदी की हो, लेकिन सुक्खू सरकार अपने वित्तीय अधिकारों की फाइल को मोटा कर रही है। पानी, बिजली के बाद जंगल के पेड़ों से आत्मनिर्भरता ढूंढने की कोशिश की जाती है, तो राज्य का नजरिया एक नए निर्माण की शर्तों को यकीनन पूरा कर सकता है। बेशक पिछले कुछ दशकों से विशेष राज्य का दर्जा हासिल करके केंद्रीय संसाधनों की आपूर्ति में 90:10 का फार्मूला चलता रहा, लेकिन आत्मनिर्भरता के प्रयासों या कुछ परियोजनाओं के खातों में इस उम्मीद से भी भरपाई नहीं हुई। जिस प्रदेश की लगभग सत्तर फीसदी भूमि वनों के अधीन आती हो, वह अपनी विकास, आर्थिक, रोजगार तथा आत्मनिर्भर बनने की जरूरतों को कैसे पूरा कर सकता है। या तो जंगल हमें आय का रास्ता दे या कुछ जमीन लौटा दे ताकि पूंजीनिवेश तथा अधोसंरचना के विकास से रोजगार व आय के साधन बढ़ सकें, वरना अनुमतियों और वन भूमि की अनापत्तियों में ही सरकार की मशक्कत में सत्ता का पूरा कार्यकाल ही न गुजर जाए। यह हमारे सामने है कि 68 विधानसभा क्षेत्रों में डे बोर्डिंग स्कूलों की जमीन तलाशते ही प्रशासन पसीना-पसीना हो रहा है और सरकार की प्राथमिकता के बावजूद अब तक केवल 13 स्थान ही चिन्हित हो पाए हैं, तो कसूर उसी जंगल का है जो कुंडली मार के हिमाचल की संभावनाओं को तिरोहित कर रहा है। विकास के प्रति दृढ़प्रतिज्ञ होने के बावजूद वन भूमि की बाड़बंदी हिमाचल की सबसे बड़ी आफत है और इसे समझने तथा केंद्र को समझाने की जरूरत अति अहम है। बहरहाल धर्मशाला का हुंकारा यह भी साबित कर गया कि वर्तमान सरकार अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए चैन से नहीं बैठेगी और यह भी कि आत्मनिर्भरता के बहीखातों में सरकारी मशीनरी का गठजोड़, भरोसा व दक्षता हासिल की जाएगी। उम्मीद है कि आभार रैली केवल राजनीतिक तौर पर कांग्रेस सरकार को शाबाशियां देने के साथ-साथ इस प्रदेश की आर्थिक लाचारियों को समझते हुए ऐसी कार्यसंस्कृति का अनुसरण करेगी, जो सुक्खू सरकार की प्रतिबद्धता से आर्थिक खुशहाली लाने की प्रतिज्ञा भी है।

> धर्मशाला रैली में नमक हलाली के सबूत बन कर कर्मचारी उमंगें सरकार को साधुवाद देती रहीं, लेकिन प्रश्न अब 9245 करोड़ का रहेगा और इसीलिए इशारों-इशारों में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बता दिया कि वक्त आ गया है कि राज्य अपने अस्तित्व के प्रश्नों पर दिल्ली कूच करे। बेशक यह प्रश्न अब उस मिलकीयत का है, जहां कर्मचारियों की पाई-पाई जुड़ती रही और यह राज्य के वित्तीय ढांचे की जरूरत भी है कि राज्य सरकार सीधे केंद्र से आंख मिला कर पूछे। धर्मशाला में भरा गया हुंकारा अब कर्मचारियों को भी एक ऐसा मार्ग दिखा रहा है, जो इससे पहले कभी था ही नहीं। राज्य की प्रतिष्ठा, वचनबद्धता और वित्तीय अधिकारों के लिए पहली बार कर्मचारी भी एक पार्टी बन कर दिल्ली पहुंच जाएं, यह अपने आप में एक अद्भुत घटना होगी।

कुछ अलग

मणिपुर में लपटें, मौतें

करीब एक माह से पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर आग की लपटों में है। टकराव के बाद अब हत्याओं का दौर जारी है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह कुकी आदिवासियों को 'उग्रवादी' करार दे रहे हैं और सुरक्षा बल 40 उग्रवादियों को ढेर कर चुके हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार से मणिपुर के प्रवास पर हैं, लेकिन उनके आगमन की पूर्व संध्या पर 10 मौतें की जा चुकी हैं। मृतकों में एक महिला और असम पुलिस के दो कमांडो भी शामिल हैं। मणिपुर के विभिन्न जिलों में करीब 400 घर फूंक दिए गए हैं। अकेले कक्चिंग जिले में ही 200 और विष्णुपुर में 150 घर आग की लपटों के शिकार हो गए हैं। गुस्साई और उत्तेजित भीड़ ने 4 विधायकों के घरों पर भी हमले किए हैं। मौत और आगजनी का यह सिलसिला तब है, जब थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे मणिपुर में ही डेरा डाले हुए हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय भी वहां के हालात का जायजा लेने गए थे। इनके अलावा, सुरक्षा बलों और सेना के 36,000 से ज्यादा जवान भी मणिपुर में तैनात किए गए हैं। यह बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला है, क्योंकि पूर्वोत्तर के एक राज्य में उग्रवाद इस तरह पनपता और बढ़ता रहा, तो वह दूसरे राज्यों में भी जा सकता है। पूर्वोत्तर ने लंबे समय तक उग्रवाद को झेला है और भारत की मुख्य धारा से वह कटा रहा है। ये टकराव, मारा-काटी और मुठभेड़ राज्य के उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद भड़के हैं, जिसमें न्यायाधीश ने मैतेई समुदाय को 'अनुसूचित जनजाति' का दर्जा देने की बात कही थी। हालांकि सर्वोच्च अदालत ने एकल न्यायाधीश की पीठ के ऐसे निर्देश को 'बिल्कुल गलत' करार दिया है, लिहाजा उसके बाद हालात शांत और सामान्य होने चाहिए थे, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय के हस्तक्षेप और भाजपा नेतृत्व के निर्देशों के बावजूद मणिपुर की आग मद्धिम भी नहीं हुई है। मैतेई मणिपुर का बहुसंख्यक, हिंदूवादी और वर्चस्ववादी समुदाय है, जो अधिकतर इम्फाल घाटी में बसा है। जो आदिवासी पहाड़ी जिलों के भू-भाग में बसे हैं, उनके साथ मैतेई के संबंधों का इतिहास कड़वा रहा है। कमोबेश मुख्यमंत्री और सरकार को यह आकलन कर लेना चाहिए था कि उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद अशांति, बेचैनी, तनाव और अंततः अराजकता के हालात बन सकते हैं। प्रशासन और सरकार चलाना बुनियादी तौर पर राजनीतिक कर्म है, लिहाजा कानून-व्यवस्था को बरकरार रखना सरकार का ही दायित्व है। मैतेई समुदाय भाजपा-समर्थक है और सम्पन्न, समृद्ध समाज है। उसी के विधायक सबसे ज्यादा हैं। फिर भी उसे 'आदिवासी' का दर्जा चाहिए, ताकि आरक्षण के फायदे बटोरे जा सकें। यह खौफ और डर कुकी, नगा, जूमी आदिवासियों में है, लिहाजा अब वे अपनी नई मांग पर अड़े हैं कि उन्हें पहाड़ी जिलों के लिए 'पृथक प्रशासनिक तंत्र' चाहिए। दरअसल मणिपुर के जलते हालात के लिए सिर्फ उच्च न्यायालय का फैसला ही एकमात्र कारण नहीं है। राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से भागती रही है। वहां भाजपा की सरकार है। अदालत के फैसले के बाद आदिवासियों की एक सहानुभूति जनसभा ने आग में घी का काम किया। 'जनजाति' का दर्जा राज्य सरकार के विशेषाधिकार में नहीं है।

कोविड निरोधी टीकाकरण करने में भारत दुनिया के मुल्कों में अग्रणी रहा

मोदी सरकार के नौ वर्ष

डा. अश्वनी

> जीडीपी के मामले में भारत 2014 में 10वें स्थान पर था और अब यह पांचवें स्थान पर है, जहां अब केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और फ्रांस ही इससे ऊपर हैं। क्रय शक्ति समता (अर्थात भारतीय रुपये की क्रय शक्ति) के आधार पर विचार करें तो हमारी जीडीपी 13 .03 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, जिसके आधार पर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन भारत से ऊपर स्थान पर हैं। माना जाता है कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि भी कुशलक्षेम की कोई गारंटी नहीं है। पिछले कुछ समय से देश में आय की असमानताओं में भी भारी वृद्धि हुई है।

जब भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने मई 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता संभाली, तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2.0 ट्रिलियन अमरीकी डालर के बराबर था, जो अब 3.73 ट्रिलियन अमरीकी डालर है, और प्रति व्यक्ति आय जो 2014 में 1573.9 अमरीकी डालर थी, अब है 2023 में 2601 अमरीकी डालर है। रुपयों में मौजूदा कीमतों पर यह जीडीपी 2013-14 में 104.73 लाख करोड़ रुपये से बढक़र 2022-23 में 272.04 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यदि हम कीमतों में वृद्धि के लिए जीडीपी को समायोजित करते हैं तो भी महामारी के दौरान नकारात्मक वृद्धि के बावजूद जीडीपी में 9 वर्षों में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो सालाना 5.6 प्रतिशत है। जीडीपी के मामले में भारत 2014 में 10वें स्थान पर था और अब यह पांचवें स्थान पर है, जहां अब केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और फ्रांस ही इससे ऊपर हैं। क्रय शक्ति समता (अर्थात भारतीय रुपये की क्रय शक्ति) के आधार पर विचार करें तो हमारी जीडीपी 13.03 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, जिसके आधार पर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन भारत से ऊपर स्थान पर हैं। माना जाता है कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि भी कुशलक्षेम की कोई गारंटी नहीं है। पिछले कुछ समय से देश में आय की असमानताओं में भी भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा वर्ष 2020-21 की कोरोना महामारी ने हालांकि सभी वर्गों को प्रभावित किया, उसकी सबसे ज्यादा मार मजदूरों एवं अन्य कामगारों (दिहाड़ीदार और वेतन भोगी दोनों) और व्यवसायियों, खासतौर पर छोटे व्यवसायियों पर पड़ी, जिसके कारण उनकी आमदनी और कुशलक्षेम दोनों प्रभावित हुए। महामारी के दौरान सरकार के सामने लोगों के भोजन, दवाई और टीकाकरण आदि के माध्यम से महामारी से निपटने की चुनौती तो थी ही, साथ ही साथ बंद हुए व्यवसायों को भी पुनः शुरू कर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की भी थी। 80 करोड़ लोगों को लगातार मुफ्त अनाज, इलाज और संपूर्ण जनसंख्या को कोविड निरोधी टीकाकरण करने में भारत दुनिया के मुल्कों में अग्रणी रहा। जबकि अमेरिका समेत अन्य मुल्क अपनी जनसंख्या का पूर्ण टीकाकरण नहीं कर पाए, भारत में सभी पात्र लोगों का टीकाकरण किया जा सका। खास बात यह है कि कोविड मामलों और कोविड से होने वाली मौतों के मामले में भारत का प्रदर्शन दुनिया से काफी बेहतर रहा। ग्रामीण बेरोजगारों के लिए चल रही

मनरेगा योजना जो पहले से ही चल रही थी, उस पर भारी खर्च अनवरत चलता रहा। पिछले 9 सालों में लगभग मनरेगा पर 5.89 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, रोजगार आदि के क्षेत्र में भी पिछली सरकारों की भी उपलब्धियां रही हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार हमारी साक्षरता 1951 के 16.7 प्रतिशत से बढक़र 2011 में 64.3 प्रतिशत हो गई। जीवन प्रत्याशा भी 1951 में मात्र 37.2 वर्ष से सुधर कर अब तक 68.2 वर्ष हो गई है। लेकिन कई मामलों में हम अपनी ही उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। जुलाई 2008 और जून 2009 के बीच किए गए एनएसएसओ सर्वेक्षण के 65वें दौर के अनुसार देश में 17 प्रतिशत ग्रामीण परिवार और 2.1 प्रतिशत शहरी परिवार कच्चे घरों में रहते थे, जो 3.15 करोड़ परिवारों के बराबर था। इसके अलावा 21.3 प्रतिशत परिवार आधे-अधूरे पक्के मकानों में रहते थे। 2015 के बाद पक्के घरों के निर्माण में बड़ी प्रगति हुई है, जहां पीएम आवास योजना (ग्रामीण) और पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत सरकारी सहायता से मकान बनाने के लिए 4.1 करोड़ परिवारों (ग्रामीण क्षेत्रों में 2.85 करोड़ घरों और शहरी क्षेत्रों में 1.23 करोड़ घरों) के लिए मंजूरी दी गई है, और 8 साल से भी कम समय में अब तक 2.87 करोड़ घर बनाए गए हैं। इसे ग्रामीण और शहरी गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का बड़ा प्रयास माना जा रहा है, जिस पर केंद्र सरकार द्वारा अब तक 5 लाख करोड़ रुपये का अनुदान दिया जा चुका है। एक मोटे अनुमान के मुताबिक, इन योजनाओं के तहत बने इन ग्रामीण और शहरी घरों में अब तक 20 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। मोदी सरकार के पहले वर्ष 2014-15 के दौरान 12 किलोमीटर प्रतिदिन से, 2022-23 में सडक़ निर्माण की गति 22.23 किमी प्रति दिन हो गई है। जब हम यूपीए सरकार से तुलना करते हैं तो केंद्र सरकार द्वारा सडक़ निर्माण पर सालाना 10000 करोड़ रुपये खर्च होता था, जो एनडीए के दौरान बढक़र 15000 रुपये हो गया है। सडक़ों के अलावा जलमार्ग, रेलवे का विस्तार और वन्दे भारत के नाम से स्वदेशी तीव्र गडियों का विस्तार, 2014 में 74 एयरपोर्टों की तुलना में अब दुगने यानी 148 एयरपोर्ट हैं, और प्रतिदिन लगभग 4 से 5 लाख यात्रियों द्वारा हवाई यात्रा के साथ भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में प्रगति पिछले 9 सालों में अद्वितीय रही है। हाल ही में सरकार द्वारा 550 विमानों के साथ कुल 1000 से ज्यादा विमानों के आर्डर ने दुनिया को चकित किया हुआ है। हवाई यात्रा की बढ़ती मांग और सुविधाओं के विस्तार के कारण यह संभव हो पाया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश को कुशलतम तरीके से करने और सभी प्रकार के यातायात का समन्वित विकास करने हेतु 'गतिशक्ति योजना' विश्व में अद्वितीय मानी जा रही है। उसके परिणाम भी देखने को मिलेंगे। आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख तक के इलाज की सुविधाएं सभी के लिए शौचालय (इज्जत घर) की व्यवस्था, सूक्ष्म लागत पर दुर्घटना और जीवन बीमा योजना, महिलाओं के लिए धुंआमुक्त रसोई हेतु मुफ्त गैस सिलेंडर की उज्जवला योजना, 100 प्रतिशत गांवों तक बिजली, बिजली कटौती से निजात पाने हेतु परंपरागत और नवीकरणीय बिजली के अलावा एलईडी बल्ब के विस्तार से बिजली की खपत में कमी, कुछ ऐसे कार्यक्रम हैं जिन्होंने लोगों के जीवन में तो सुधार किया ही है, कुछ हद तक विकास के अवरोधों को भी कम किया है। 45 करोड़ से भी अधिक जीरो बैलेंस बैंक खातों के खुलने से न केवल वित्तीय समावेशन संभव हुआ है, भ्रष्टाचार कम हो जाने के कारण सरकारी खर्च का भी कुशलतम उपयोग संभव हुआ है। हालांकि विकास की दौड़ में पिछड़ गये लोगों के कल्याण के लिए सहयोग की प्रवृत्ति हर सरकार में रही है, लेकिन जनधन बैंक खाते, आधार-मोबाईल बैंकिंग की तिगड़ी के चलते सरकारी मदद लाभार्थी तक सही ढंग से पहुंच जरूर रही है। मोदी सरकार के नौ साल भारत की अर्थव्यवस्था और लोगों के लिए बेहतरीन साल माने जा सकते हैं। सदी की सबसे खराब महामारी के बावजूद इन नौ वर्षों में भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति में भी काफी सुधार हुआ है, न केवल जीडीपी में रैंकिंग के मामले में बल्कि अमीर और गरीब दोनों देशों के साथ सहयोग के मामले में भी। कोरोना काल में जब अमीर देश बेहद ख़ुदगजऱ् बनते जा रहे थे तब भारत ने सभी देशों के प्रति अपनी पूरी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दवा और वैक्सीन उपलब्ध कराई।

पवित्र नदियों को प्रदूषणमुक्त करने की जरूरत

> नदियों को मां की संज्ञा देना मनीषियों का जल के महत्व व नदियों के प्रति सकारात्मक सोच को दर्शाता है। सनातन कर्मकांड व धार्मिक समारोहों की रस्मों के मंत्रोच्चारण में पवित्र नदियों का प्रसंग जरूर आता है। गंगा, यमुना, सरस्वती, सरयू, सिंधु, नर्मदा, रावी, ब्यास व सतलुज जैसी नदियों की चर्चा किए बिना सनातन संस्कृति की कल्पना व भारत का गौरवमयी इतिहास अधूरा रहेगा। देश के कई राज्यों में बहने वाली पौराणिक महत्व वाली नदियां करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र हैं। सब नदियों में श्रेष्ठ 'गंगा जी' पवित्र नदियों की प्रतिनिधि है। 'गंगे तव दर्शनात् मुक्ति' – धर्मग्रंथों के अनुसार इस प्रसंग का प्रादुर्भाव गंगा अवतरण के अवसर पर भगवान विष्णु के श्रीमुख से हुआ था। इसका उल्लेख 'नृसिंह' पुराण में हुआ है अर्थात गंगा तेरे दर्शन मात्र से ही मुक्ति मिलेगी। राजा दिलीप के पुत्र राजा भगीरथ के कठोर तप के बाद 'गंगा जी' अवतरित हुई।

सनातन संस्कृति के धार्मिक ग्रंथों, वेदों व उपनिषदों में मानव संस्कृति की जननी नदियों की महिमा का उल्लेख ऋषियों ने हजारों वर्ष पूर्व कर दिया था। हमारे मनीषियों ने वैदिक साहित्य की रचना नदियों के सानिध्य में ही की थी। वैदिक संस्कृति का उद्गम जल से ही हुआ है। नदियों को मां की संज्ञा देना मनीषियों का जल के महत्त्व व नदियों के प्रति सकारात्मक सोच को दर्शाता है। सनातन कर्मकांड व धार्मिक समारोहों की रस्मों के मंत्रोच्चारण में पवित्र नदियों का प्रसंग जरूर आता है। गंगा, यमुना, सरस्वती, सरयू, सिंधू, नर्मदा, रावी, ब्यास व सतलुज जैसी नदियों की चर्चा किए बिना सनातन संस्कृति की कल्पना व भारत का गौरवमयी इतिहास अधूरा रहेगा। देश के कई राज्यों में बहने वाली पौराणिक महत्त्व वाली नदियां करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र हैं। सब नदियों में श्रेष्ठ 'गंगा जी' पवित्र नदियों की प्रतिनिधि है। 'गंगे तव दर्शनात् मुक्ति' - धर्मग्रंथों के अनुसार इस प्रसंग का प्रादुर्भाव गंगा अवतरण के अवसर पर भगवान विष्णु के श्रीमुख से हुआ था। इसका उल्लेख 'नृसिंह' पुराण में हुआ है अर्थात् गंगा तेरे दर्शन मात्र से ही मुक्ति मिलेगी। राजा दिलीप के पुत्र राजा भगीरथ के कठोर तप के बाद 'गंगा जी' अवतरित हुई। भगवान शिव ने अपनी जटाओं में समाहित करके गंगा का वेग नियंत्रित किया। तब जाकर वेगवान 'जाह्नवी' को पृथ्वी धारण करने में समर्थ हुई थी। भगवान शिव के स्पर्श से 'भागीरथी' पावन व आस्था का केन्द्र बनी। मान्यता है कि ज्येष्ठ शुक्ल की दशमी के दिन गंगा जी का धरती पर आगमन हुआ था। इस दिवस को गंगावतरण या 'गंगा दशहरा' के रूप में मनाया जाता है। 'कपिल मुनि' द्वारा शापित भगीरथ के पूर्वजों का उद्धार करके गंगा सागर में जा मिली, तत्पश्चात् 'अगस्त्य ऋषि' द्वारा सोखे गए समंदर में पुनः जलभराव संभव हुआ था। गंगा मात्र पानी का दरिया नहीं है बल्कि युगों युगों से करोड़ों लोगों की गहरी आस्था व मान्यताओं में पूज्य नदी है। पवित्र गंगा की महिमा व कीर्ति का वर्णन वैदिक साहित्य में बखूबी हुआ है। धार्मिक अनुष्ठान गंगाजल के बिना पूर्ण व शुद्ध नहीं माने जाते। समस्त संस्कारों में अनिवार्य उपयोगी गंगाजल को वैज्ञानिक कसौटी पर भी गुणवत्तायुक्त माना गया है। अतः स्नान मात्र से नकारात्मक विचारों से मुक्त करके करोड़ों लोगों का उद्धार करने वाली गौमुखी गंगा जी साक्षात देवी स्वरूपा हैं। मगर अपने शुद्धिकरण के लिए विश्व में विख्यात रही सांस्कृतिक विरासत तीर्थमयी गंगा प्रदूषण की मार झेलकर अपनी पवित्रता पर अफसोस जाहिर कर रही है। राष्ट्रीय नदी का दर्जा प्राप्त गंगा की स्वच्छता के लिए 'नमामि गंगे' व 'स्वच्छ गंगा' तथा 'गंगा एक्शन प्लान' जैसे अभियान चल रहे हैं। सांस्कृतिक विरासत पवित्र गंगा के प्राकृतिक सौदर्य व निर्मलता को सहेजने के लिए सियासत के बड़े प्रयासों की जरूरत है। 'गौतम ऋषि' के तप का पुण्यफल दक्षिण की गंगा 'गोदावरी' का भी यही हाल है। भगवान शिव की नगरी उज्जैन में बहने वाली 'शिप्रा' नदी की महिमा का उल्लेख 'स्कंद पुराण' में हुआ है। 'महर्षि संदीपनी' का आश्रम इसी शिप्रा के तट पर स्थित था। श्रीकृष्ण, बलराम व सुदामा जैसे संदीपनी के शिष्यों ने यहीं विद्या अध्ययन किया था। राजा भृर्तहरि, गुरु गोरखनाथ तथा 'अत्रि ऋषि' की तपोभूमि भी शिप्रा का तट ही था, मगर मोक्षदायिनी शिप्रा भी भंयकर प्रदूषण के आगोश में आ चुकी है। अपने पूर्वजों के मोक्ष की कामना तथा पितरों के तर्पण के लिए देश विदेश के लोग बिहार राज्य के 'गया' में बहने वाली पावन 'फाल्गु' नदी के तट पर आते हैं। फाल्गु भी अपने अस्तित्व से जूझ कर खुद पानी तराश रही है। श्रीकृष्ण की 'कालिंदी' सूर्यपुत्री यमुना का जल प्रदूषण से जहरनुमां हो चुका है। दिल्ली में यमुना के पानी पर सफेद झाग सियासत के चुनावी वादों के झूठ को बेनकाब कर रहा है।

वाराणसी की पहचान 'वरुणा' व 'असि' नदियां नाले में तब्दील हो चुकी हैं। पेयजल की जीवंत प्रणाली नदियों की साफ-सफाई के लिए सरकारी खजाने से हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी नदियों के प्रदूषित होने पर चिंता व्यक्त करते हैं। नदियों को प्रदूषणमुक्त करने के लिए केन्द्र सरकार ने सन् 1995 से 'राष्ट्रीय नदी संरक्षण' योजना भी चला रखी है, मगर धरातल पर कोई सकारात्मक परिणाम नजर नहीं आता। धरती पर मानव जीवन सहित सभी जीवों तथा प्रकृति का वजूद नदियों व जलस्रोतों के अस्तित्व पर ही निर्भर है। शिक्षा में साक्षरता का स्तर जरूर बढ़ रहा है, मगर विश्व को अध्यात्म व ब्रह्मांड का ज्ञान देने वाले 'जगत गुरू भारत' में संस्कारों का स्तर उतना ही नीचे जा रहा है। पावन नदियों के तटों पर होने वाले कुंभ मेलों में स्नान की प्राचीन परंपरा, महाआरती तथा कई मांगलिक व धार्मिक उत्सवों का भव्य आयोजन हमारी गौरवशाली संस्कृति का अक्स है। नदियों के प्रति श्रद्धा का भाव हमारे सरोकारों में रहा है। जलस्रोतों की साफ-सफाई का स्वैच्छिक व पुण्य कार्य हमारी परंपराओं में रहा है। पवित्र नदियों व जलस्रोतों के प्रति आस्था हमारी संस्कृति रही है। प्रकृति की रक्षा करना हमारा धर्म रहा है, मगर आधुनिक समाज उन परंपराओं को दरकिनार कर चुका है। कई सांस्कृतिक विविधताओं को समेटे हुए करोड़ों आबादी का पालन-पोषण करने वाली सब नदियों का सम्मान मातृ स्वरूपा गंगा के रूप में ही होना चाहिए। भारत का वैभव रहीं आस्था की नदियों में प्रदूषण देश की व्यवस्थाओं से प्रश्न पूछने को मजबूर करता है। अतः नदियों की निर्मलता के लिए अपने पुरखों द्वारा निर्धारित सरोकारों व संस्कारों को अपनाने की जरूरत है।

नागरिक बोध

कब बुझेगी मणिपुर हिंसा की आग, सरकार की चौखट पर पहुंची आरक्षण की मांग

मणिपुर में हिंसा बढ़ती जा रही है। आरक्षण की मांग को लेकर सड़क पर उतरे कुकी और मैतेई समुदाय के लोगो ने इंफाल शहर को तहस नहस कर दिया। पुलिस जवानों की सुरक्षा व्यवस्था के बाद शहर में शांति पसर रही है। तीन मई से हिंसा शुरू हुई है।पिछले एक महीने में राज्य में उपद्रवियों ने करोड़ो का नुकसान कर दिया है। पुलिस ने एनकाउंटर कर रही है। शहर खंडहर में तब्दील हो रहा है। शहर में अब तक 80 लोगो की जान गई है। स्नाइपर गन का इस्तेमाल करने वाले लोगो का पुलिस ने एनकाउंटर किया है। मणिपुर की कुल आबादी में से 53 फीसदी मैतेई समुदाय के लोग है। 60 विधायको में से 40 विधायक इसी समुदाय के है। मणिपुर की इस हिंसा की चिंगारी अन्य राज्य को चपेट में नही ले ले। इसके लिए इस आग को जल्द से जल्द बुझाना चाहिए। जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इम्फाल घाटी में मैतेई समुदाय का वर्चस्व है। पढ़े लिखे युवाओ को सरकारी आरक्षण की मांग मनवाने सड़क पर उतरे है। ईसाई आदिवासी भड़क गए है। इसमें एसटी दर्जे की मांग को लेकर समाज ने तोड़फोड, आगजनी और संपत्ति को नुकसन करना शुरू कर दिया है। पुलिस ने बलप्रयोग कर उपद्रवियों को हटाया गया। मणिपुर की बढ़ती हिंसा का संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने रिपोर्ट मांगकर पीड़तिों को सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम पर जवाब मांगा है। मणिपुर की आगजनी और हिंसा को हर हाल में रोकना पड़ेगा। मणिपुर की घाटी पहले भी सुलगी है। लेकिन तत्कालीन राज्य सरकार ने इस समाज कीमांग को नजरअंदाज किया गया। अब हिंसा पहाड़ बनता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इस केस की सुनवाई कर रही है। हिंसा रोकना पुलिस का विषय है।इस बात को गंभीरतापूर्वक अंजाम देकर मांगो को सुनी जाए। मणिपुर हाईकोर्ट ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया था। इस केस को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। मणिपुर की हिंसा में निर्दोष लोगों की हत्या कलेजा कांपने वाली है। हिंसा से कोई समस्या सुलझाई नही जा सकती है।सरकार और समुदाय के आमने सामने बैठकर समस्याओं को सार्वजनिक कर खुद सरकार तक पहुंचाना ही समस्या का हल है। मारकाट और आगजनी से कोई हल दिखाई नही देता है। मैतेई समुदाय चाहता है कि इन्हें संवैधानिक कवच दिया जाए।मणिपुर को 1949 में भारत मे शामिल किया गया। विलय होने के बाद कुछ वर्षो से मांगे मनवाना शुरू कर दिया। पिछले सरकारो ने कोई ध्यान नही दिया। हिन्दू समाज की इस समुदाय की बड़ी आबादी मणिपुर में है और एक बार तख्तापलट की ताकत रखती है। नगा और कुकी समुदाय मैतेई को आरक्षण के पक्ष में नही है। राजनेताओं का मणिपुर दौरा जारी है और इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है। सभी यह चाहते है कि इस हिंसक वातावरण को बंद कर राज्य में शांति स्थापित की जाए।

देश दुनीया से

मेरुदंड बनाम राजदंड

> कर्नाटक हारे तो जापान-आस्ट्रेलिया हुआ, संसद के नए भवन के उद्‌घाटन का बहिष्कार हुआ तो सेंगाल या राजदण्ड सामने आ गया। इसके बाद जबरिया बरख़ास्त सांसद के अमेरिका प्रवास में दिए जाने वाले किसी बयान पर प्रपंच खड़ा कर दिया जाएगा। 'सबका विश्वास, अपना विकास' की इससे बेहतर और कोई मिसाल नहीं हो सकती। पर ज़हन में एक सवाल उठता है कि फकीर तो राज भोग रहा है और अगले चुनावों से पहले लोगों को भटका कर सत्ता पर क़ाबिज़ रहना चाहता है। चरणचम्पू सत्ता की मलाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। पर अंधभक्त क्यों नाच रहे हैं।

फकीर दुनिया को प्रपंच मानता है। इसलिए आए दिन नया प्रपंच रचता है ताकि उसके अंधभक्तों का ध्यान जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं, समस्याओं और मुसीबतों पर फोकस न हो और वे हर समय कुछ नया खेलते रहें। बुद्‌घ, महावीर, ईसा, कबीर, नानक आदि सभी फकीरों ने जगत को प्रपंच माना है। यकीन न हो तो आदि गुरू शंकराचार्य का दर्शन पढ़ लें। शंकराचार्य का मत था कि यह जगत और जीव झूठा है। पर हमारा फकीर इन फकीरों से अलग है। बस ज़रा सा फर्क है हमारे फकीर और इन फकीरों में। हमारा फकीर आत्ममुग्ध, स्वघोषित और प्रायोजित है और इन फकीरों को दुनिया फकीर मानती थी। आत्ममुग्ध फकीर निरर्थक दलील देते हुए हर रोज़ नया वितण्डा घड़ता है और ये फकीर आत्मानुभव के आधार पर जगत को प्रपंच बताते हुए परमात्मा को उसका कर्ता और कारण बताते थे। ये फकीर लोगों को जगत से छूटने का एक उपाय बताते थे, पर स्वघोषित फकीर लोगों को उलझाए रखने के नए-नए तरीके ढूंढ़ता है। कर्नाटक हारे तो जापान-आस्ट्रेलिया हुआ, संसद के नए भवन के उद्‌घाटन का बहिष्कार हुआ तो सेंगाल या राजदण्ड सामने आ गया। इसके बाद जबरिया बरख़ास्त सांसद के अमेरिका प्रवास में दिए जाने वाले किसी बयान पर प्रपंच खड़ा कर दिया जाएगा। 'सबका विश्वास, अपना विकास' की इससे बेहतर और कोई मिसाल नहीं हो सकती। पर ज़हन में एक सवाल उठता है कि फकीर तो राज भोग रहा है और अगले चुनावों से पहले लोगों को भटका कर सत्ता पर क़ाबिज़ रहना चाहता है। चरणचम्पू सत्ता की मलाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। पर अंधभक्त क्यों नाच रहे हैं। पहाड़ों में एक कहावत है, 'मोर नचदा मरेठिएँ, तीतर नचदा चाएँ, तू कयो नचदी बटोलिए, तेरा तुम्बा खादा काएँ' अर्थात 'मोर अपने पंखों पर इठलाते हुए नाचता है, तीतर चाव से नाचता है, पर गिलहरी तू क्यों नाच रही है जबकि नाचने पर कौआ तेरे सिर पर ठुँग मारता है।' यही हाल जनता जनार्दन का है। फकीर की कोशिश नेहरू को बौना साबित कर इतिहास में युगपुरुष के रूप में दर्ज होने की है, पर लोग आजादी के अमृतकाल में अब्दुला बनकर नाच रहे हैं। सत्ताई लुच्चे राजदण्ड की राजनीति कर रहे हैं, पर लोग भूखे पेट दण्ड पेले जा रहे हैं। फकीर तो स्वयम्‌ को चौकीदार भी कहता है, शायद इसलिए डंडे, क्षमा करें राजदंड का मोह न छोड़ पा रहा हो। अतः चौकीदार को दंड चाहिए ही चाहिए, भले चीनी चोर अरुणाचल में गाँव बसा लें या बैंक लुटेरे विदेश जा बसें। एक और पहाड़ी कहावत है-राज गों, मेघ गों, चुतड़ गों न्यारा यानी राजा, बादलों और मुस्टण्डों की मनमजऱ्ी न्यारी होती है। अब राजा अर्थात्‌ फकीर का दिल था तो वह राजदंड सामने आ गया, जिसे सत्ता हस्तांतरण के वक्त लॉर्ड माऊँटबेटन द्वारा पण्डित नेहरू को सौंपे जाने का कोई ऐतिहासिक प्रमाण या दस्तावेज़ मौजूद नहीं है। अब भले अंग्रेज़ी हुकूमत में किसी भी सरकारी कार्य को बिना एक्ट या अधिनियम के न किए जाने की रिवायत रही हो, पर फकीर ने कह दिया तो कह दिया कि सत्ता हस्तांतरण के समय माऊँटबेटन ने नेहरू को सेंगाल दिया था, तो दिया था।खण्डन या कुछ बताने के लिए अब क़ब्र से उठ कर न माऊँटबेटन आएंगे और न माटी से उठकर नेहरू। तमिलनाडू के चुनाव सामने हैं। सत्ताई वितण्डे से कुछ भी घड़ा जा सकता है तो घड़ दिया, एंटायर पॉलीटिकल साईंस की डिग्री की तरह। गृहमंत्री कहते हैं कि इस पवित्र सेंगोल का बहुत बड़ा महत्व है और इसे किसी संग्रहालय में रखना अनुचित है। सेंगोल की स्थापना के लिए संसद भवन से अधिक उपयुक्त, पवित्र और उचित स्थान कोई हो ही नहीं सकता। पर संसद में तो गाली-गलौज भी होता है और जूतम-पैज़ार भी। झूठ भी बोला जाता है और भेदभाव का खेला भी चलता है। भारतवर्ष में लोकतांत्रिक सम्राट बनने के लिए अक्ल ज़रूरी नहीं। फकीर या वितण्डू होना काफी है। आने वाला समय वैसे भी आर्टफिशियल इंटेलीजैंस का होगा। ऐसे में फकीर का मेरूदंड हो या न हो, हाथ में सेंगोल या राजदण्ड होना जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में भारतीय मूल के छात्र की गोली मारकर हत्या

फिलाडेल्फिया। अमेरिका में पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया में 21 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी है। मृतक छात्र की पहचान जूडे चाको के तौर पर हुई है। अपने काम से वापस लौटते समय कुछ अज्ञात हमलावरों ने जूडे चाको को गोली मार दी। पीड़ित के माता-पिता लगभग 30 साल पहले केरल के कोल्लम जिले से अमेरिका चले गए थे। सूत्रों के अनुसार जूडे चाको एक छात्र था जो पार्ट-टाइम काम भी करता था। लूट के प्रयास के दौरान दो लोगों ने उस पर हमले के साथ लूट का प्रयास किया। वहीं विरोध करने पर बदमाशों ने जूडे चाको को गोली मार दी। गोली लगने से उसकी मौत हो गई। मालूम हो कि इस साल इस तरह की अमेरिका में यह दूसरी घटना है। बता दें कि इसके पहले आंध्र प्रदेश के एक 24 वर्षीय छात्र की 21 अप्रैल, 2023 को एक फ्यूल स्टेशन पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने पीड़ित की पहचान साईश वीरा के रूप में की थी, जो ओहियो के एक पेट्रोल पंप पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि ड्यूटी के दौरान अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी देकर पुलिस ने बताया था कि छात्र अपनी ड्यूटी कर रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने उस गोली मार दी। इसके बाद उसकी मौत हो गई। वहीं जांच के बाद पुलिस ने संदिग्ध हमलावरों की फोटो भी जारी किया था। इसके अलावा संदिग्ध हमलावरों की फोटो जारी करने के बाद पुलिस ने लोगों से आरोपियों की पहचान के लिए अपील की थी।

विदेश जाने से रोकने इमरान का नाम एग्जिट कंट्रोल लिस्ट में डाला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अधिकारियों ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पूर्व पीएम इमरान खान का नाम 19 करोड़ पाउंड के समझौते के मामले में उन्हें विदेश जाने से रोकने के लिए 'एग्जिट कंट्रोल लिस्ट' (ईसीएल) में डाल दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री, जिन्हें पिछले साल अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पद से हटा दिया गया था, फिलहाल कई मामलों का सामना कर रहे हैं, जिसमें ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी से करोड़ों पाउंड के हस्तांतरण और 19 लाख पाउंड का समझौता मामला भी शामिल है। इस मामले में उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी आरोपी हैं। खान को इसी महीने की शुरुआत में इस्लामाबाद हाईकोर्ट परिसर से रेंजर्स द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तार के बाद देशव्यापी हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। सूत्रों के हवाले से कहा कि इमरान का नाम राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी), रावलपिंडी की सिफारिश के अनुसार परिपत्र सारांश के लिए संघीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद 'नो-फ्लाई लिस्ट' में डाल दिया गया है।

हॉलीवुड में समुद्र तट के पास गोलीबारी में नौ लोग घायल

फ्लोरिडा। यूएसए में फ्लोरिडा के हॉलीवुड में समुद्र तट के पास सोमवार शाम गोलीबारी की घटना में नौ लोग घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता डियाना बेट्टिनेस्की ने बताया कि कई घायलों को बच्चों के अस्पताल ले जाया गया है। प्राधिकारियों ने उनकी आयु के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी है। मेमोरियल हेल्थकेयर सिस्टम की प्रवक्ता यानेट ओबारियो सांचेज ने बताया कि घायलों में 6 वयस्क और 3 बच्चे हैं। सभी घायलों की हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि 2 समूहों के बीच झगड़े के कारण गोलीबारी हुई। उसने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है और एक अन्य संदिग्ध की तलाश की जा रही है। गोलीबारी की घटना करीब शाम साढ़े बजे हुई।

चीन ने अमेरिका के साथ रक्षा मंत्रियों की बैठक रद्द की, दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ी कड़वाहट

वॉशिंगटन। चीन ने अमेरिका के साथ रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है। बता दें कि इस हफ्ते सिंगापुर में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक होनी थी लेकिन चीन ने इस बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। इससे पहले जासूसी गुब्बारे को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था। अब इस खबर से साफ है कि दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती जा रही है। पेंटागन ने एक बयान जारी कर कहा कि पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने अमेरिका को सूचित किया है कि उन्होंने मई में अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन और चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफु के बीच बैठक को रद्द कर दिया है। चीन के साथ बैठक रद्द होने पर पेंटागन ने कहा कि वह खुली बातचीत में विश्वास रखते हैं और कोशिश करते हैं कि प्रतिस्पर्धा, संघर्ष में ना बदले। चीन और अमेरिका के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा तनाव और व्यापार विवाद को देखते हुए दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच होने वाली इस बैठक की काफी अहमियत थी लेकिन चीन के कदम से दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाने की कोशिशों को झटका लगा है।

टाइटैनिक जहाज के मलबे से मेगालोडन शार्क के दांतों से बना एक हार खोजा गया

वॉशिंगटन।

टाइटैनिक जहाज को डूबे एक सदी से भी अधिक समय बीत चुका है। लेकिन अभी भी लोग जहाज के मलबे से बरामद होने वाली कलाकृतियों पर अचंभित हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, लग्जरी जहाज डूबने के 111 साल बाद टाइटैनिक के मलबे से मेगालोडन शार्क के दांतों से बना एक हार खोजा गया है। कंपनी मैगेलन ने दो पनडुब्बियों की मदद से बर्बाद हो चुके यात्री जहाज का पहला फुल-साइज डिजिटल स्कैन तैयार किया है।

डीप-सी मैपिंग फर्म ने एक प्रागैतिहासिक शार्क, मेगालोडन के दांतों के साथ सोने के आभूषणों की तस्वीरें कैद की हैं। मलबे की साइट के आकार को ध्यान में रखते हुए, मैगेलन के सीईओ रिचर्ड पार्किंसन ने इस खोज को आश्चर्यजनक, सुंदर और रोमांचक करार दिया है। उन्होंने कहा, लोगों को नहीं पता है कि टाइटैनिक दो हिस्सों में है और अगले और पिछले हिस्से के बीच मलबा 4 स्क्वायर किमी में फैला हुआ है।

यह प्रोजेक्ट इतिहास का सबसे बड़ा अंडरवाटर स्कैन बन गया है। इसमें पानी के नीचे की दुनिया का सटीक 3डी नक्शा तैयार करने के लिए हर एंगल से 7,00,000 तस्वीरें ली गईं। इन्हीं तस्वीरों में से एक तस्वीर में मेगालोडन दांत से बना एक हार दिखाई देता है। विलुप्त शार्क प्रजाति मेगालोडन इतिहास की सबसे बड़ी प्रजातियों में से एक है। अमेरिका और ब्रिटिश सरकार के बीच एक समझौता मलबे से कलाकृतियों को हटाने की अनुमति नहीं देता है, इसकारण टीम को हार को छूने की अनुमति नहीं थी।

मैगेलन के अनुसार, नेकलेस के मालिक की पहचान करने के लिए चेहरे की पहचान के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होगा। कंपनी जहाज डूबने पर उसमें सवार 2200 यात्रियों के परिजनों से संपर्क करेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी यात्रियों की फुटेज का भी विश्लेषण करेगी जब वे जहाज पर चढ़े थे, खासकर उनके चेहरों और उनके कपड़ों का। अप्रैल 1912 में एक आइसबर्ग से टकराने के बाद टाइटैनिक साउथेम्प्टन से न्यूयॉर्क तक की अपनी पहली यात्रा के दौरान ही डूब गया था जिसमें 1500 से अधिक यात्रियों की मौत हो गई थी।

जापान के रक्षा मंत्री यासुकाजु हमादा ने दिए आदेश

कोई भी उपग्रह जापानी एपिया में प्रवेश करता है तो उसे मार गिराएं

प्योंगयांग।

जापान के रक्षा मंत्री यासुकाजु हमादा ने जापान के आत्मरक्षा बल को आदेश दिया है कि यदि कोई उपग्रह जापानी क्षेत्र में प्रवेश करता है तो उसे मार गिराया जाए। देश के तटरक्षक बल के अनुसार, उत्तर कोरिया के जलमार्ग अधिकारियों से मिले नोटिस में कहा गया कि प्रक्षेपण 31 मई से 11 जून के बीच किया जा सकता है।

बता दें कि उत्तर कोरिया ने पड़ोसी देश जापान को सूचित किया कि वह आने वाले दिनों में एक उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। यह प्योंगयांग के पहले सैन्य टोही उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने का प्रयास हो सकता है। प्रक्षेपण से पीत सागर, पूर्वी चीन सागर और फिलीपीन के लुजोन द्वीप के पूर्व में समुद्री क्षेत्र प्रभावित हो सकता है।जापान के तटरक्षकों ने मलबा गिरने से संभावित जोखिमों के कारण उक्त तारीखों पर क्षेत्र में पोतों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। देश का तटरक्षक बल पूर्वी एशिया में समुद्री सुरक्षा सूचना का समन्वय करता है और उसे आगे भेजता है, इसी कारण उत्तर कोरिया ने यह नोटिस उसे भेजा है। उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के लिए, उत्तर कोरिया को लंबी दूरी की मिसाइल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना होगा, जिस पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों द्वारा प्रतिबंध लगाए गए हैं।

जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजू मात्सुनो ने बताया कि प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का उल्लंघन होगा और यह ''जापान, क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की शांति व सुरक्षा के लिए खतरा'' है। दक्षिण कोरिया ने कल चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया यदि संयुक्त राष्ट्र के उन प्रस्तावों का उल्लंघन करता है, जिनके तहत उस पर बैलिस्टिक प्रौद्योगिकी इस्तेमाल कर प्रक्षेपण करने संबंधी प्रतिबंध है, तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। दक्षिण कोरिया ने एक बयान में कहा, ''हमारी सरकार उत्तर कोरिया को क्षेत्र में शांति के लिए खतरा पैदा कर सकने वाले उकसावे के खिलाफ कड़ी चेतावनी देती है और उससे अपनी अवैध प्रक्षेपण योजना को तुरंत वापस लेने का आग्रह करती है।'' इस महीने की शुरुआत में, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने खबर दी थी कि देश के नेता किम जोंग-उन ने अपने देश के एयरोस्पेस केंद्र में तैयार एक सैन्य जासूसी उपग्रह का निरीक्षण किया और उपग्रह से जुड़ी प्रक्षेपण योजना को मंजूरी दे दी। सोमवार को जारी प्रक्षेपण संबंधी नोटिस में यह नहीं बताया गया कि किस प्रकार के उपग्रह का प्रक्षेपण किया जाएगा।

उत्तर कोरिया की घोषणा के बाद उसके मुख्य सहयोगी चीन ने बातचीत के जरिए राजनीतिक समाधान का आह्वान किया। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कोरियाई प्रायद्वीप में आज जैसी स्थिति है, उसके पीछे यही वजह है। हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित पक्ष इस मुद्दे पर गहनता से विचार करेंगे और एक राजनीतिक समाधान के लिए प्रयास करेंगे।

इसके साथ, संतुलित तरीके से सार्थक बातचीत के माध्यम से एक-दूसरे की जायज चिंताओं को दूर करेंगे। टेलीफोन पर हुई बातचीत में, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के प्रमुख परमाणु दूतों ने उत्तर कोरियाई उपग्रह प्रक्षेपण के लिए एकजुट, दृढ़ अंतरराष्ट्रीय जवाब को लेकर सहयोग करने पर सहमत हुए।

मदद करने के चक्कर में फंसा पुजारी, मंदिर के आभूषण गिरवी रखने के आरोप में 6 साल की जेल

सिंगापुर।

सिंगापुर में एक भारतीय पुजारी को छह साल जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल मंदिर की पुजारी को मंदिर के आभूषण गिरवी रखकर पैसों की गड़बड़ी करने का दोषी पाया गया था। पुजारी ने मंदिर के आभूषण गिरवी रखकर करीब 20 लाख सिंगापुर डॉलर लिए थे। भारतीय मूल के पुजारी कांडासामी सेनापति को सिंगापुर के हिंदू एंडोवमेंट बोर्ड के तहत आने वाले श्री मरिअम्मन मंदिर के पुजारी के तौर पर साल 2013 में नियुक्त किया गया था। घोटाले के सामने आने के बाद 30 मार्च 2020 को कांडासामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

कांडासामी सेनापति एक भारतीय नागरिक है और कोरोना महामारी के दौर में उसके द्वारा की गई धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। दरअसल कोरोना के दौरान मंदिर समिति ने संपत्ति का ऑडिट करने का फैसला किया। इसी ऑडिट में कांडासामी द्वारा की गई धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। साल 2014 में मंदिर समिति ने मंदिर के गर्भगृह की चाबियां और कोड नंबर दिया गया था। इसी गृभगृह में मंदिर का खजाना रखा है, जिसमें 255 गोल्ड ज्वैलरी रखी है, जिनकी कीमत करीब 11 लाख सिंगापुर डॉलर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सेनापति ने साल 2016 में आभूषण गिरवी रखने शुरू किए थे और 2020 तक यह सिलसिला घोटाले के खुलासे तक जारी रहा। सिर्फ 2016 में ही सेनापति ने 66 सोने के आभूषण गिरवी रखे थे। गिरवी रखकर मिले पैसों में से कुछ सेनापति ने अपने बैंक खाते में रखे और कुछ पैसे भारत स्थित अपने घर भेज दिए।

घोटाले के खुलासे के बाद मंदिर समिति ने पुजारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल मंदिर के सारे आभूषण मंदिर को वापस मिल चुके हैं और मंदिर समिति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। बचाव पक्ष के वकील मोहन दास नायडु ने बताया कि सेनापति, कैंसर के लिए फंड जुटा रहे अपने दोस्त की मदद करना चाहता था।

साथ ही भारत में स्थित स्कूल और मंदिरों की मदद करना चाहता था। इसी के लिए उसने मंदिर के आभूषण गिरवी रखकर पैसों का इंतजाम किया लेकिन धीरे धीरे वह इसमें फंस गया। वकील ने कहा कि सेनापति की नीयत गलत नहीं थी। हालांकि अदालत ने दोषी को राहत नहीं दी और छह साल की सजा सुनाई।

चीन में सेटेलाईट लांच सेंटर से शेंझोउ लांग मार्च टूएफ रोकेट लांचर दागा गया।

क्या अंतरिक्ष पर कब्जा कर लेगा चीन?

पहली बार शी जिनपिंग सरकार ने उठाया ये बड़ा कदम, पूरी दुनिया की नजर टिकी

बीजिंग।

चीन ने मंगलवार को पहली बार किसी आम एस्ट्रोनॉट को स्पेस में भेजा है। इससे पहले चीन की तरफ से सिर्फ सेना के एस्ट्रोनॉट्स अंतरिक्ष में गए हैं। चीन ने अपना मिशन मंगलवार सुबह 9.31 पर जिउगुआन सैटेलाइट सेंटर से लॉन्च किया।

पिछले कुछ सालों से चीन ने अंतरिक्ष पर हलचल तेज कर दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या चीन अब अंतरिक्ष पर कब्जा करने की तैयारी में है? ये पहली बार नहीं है, जब इस तरह के सवाल उठ रहे हैं। इसके पहले भी नासा की एक खुफिया रिपोर्ट में इसका खुलासा हो चुका है। चीन की स्पेस एजेंसी ने मंगलवार को जिउगुआन सैटेलाइट सेंटर से एक स्पेस प्रोग्राम लॉन्च किया। पहली बार इसके जरिए चीन ने आम एस्ट्रोनॉट्स को अंतरिक्ष पर भेजा। इस मिशन पर बीजिंग की यूनिवर्सिटी ऑफ एयरोनॉटिक्स और एस्ट्रोनॉटिक्स के प्रोफेसर गुई को भेजा गया है। मिशन के कमांडर जिंग हाइपेंग को बनाया गया है, जो पीपल्स लिबरेशन आर्मी से हैं।

इस मिशन में इन दोनों के अलावा एक इंजीनियर झू यांगझू भी हैं। चाइना डेली की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पांच महीने के इस मिशन पर तीनों एस्ट्रोनॉट्स रवाना हो चुके हैं। सुबह सफलतापूर्वक ये प्रोग्राम लॉन्च हो गया। इस मानवयुक्त अंतरिक्ष यान को शेनझोउ XVI नाम दिया गया है। 2030 तक चीन चांद पर पहुंचने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए चीन की मिलिट्री के स्पेस प्रोग्राम पर कई बिलियन खर्च किए जा चुके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन स्पेस रेस में अमेरिका और रूस की बराबरी करना चाहता है।

चीन ने पिछले साल अपना तीसरा परमानेंट स्पेस स्टेशन बनाने का काम पूरा कर लिया था। जिसे तियानगोंग नाम दिया गया है। इसे लॉन्च करने के बाद 10 साल तक धरती के ऑर्बिट में रखा जाएगा। इससे सबसे लंबे वक्त तक इंसान के स्पेस में रहने का रिकॉर्ड बनेगा। 2011 में अमेरिका ने अपनी स्पेस एजेंसी नासा को चीन की स्पेस एजेंसी के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। तब से चीन इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से बाहर है। इसकी आशंका कई बड़े वैज्ञानिक जता चुके हैं। पिछले दिनों नासा के अधिकारी बिल नेल्सन ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि चीन चांद के एक हिस्से पर साइंटिफिक रिसर्च फैसिलिटी बना रहा है। आशंका इस बात की है कि चीन बाद में इस इलाके पर कब्जा कर सकता है। ऐसी आशंका इसलिए भी है, क्योंकि अंतरिक्ष के नियम पहले आओ, पहले पाओ की तरह काम करते हैं।

इंडो-पैसिफिक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन (आइपीसीएससी) की रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के जरिए खुद को सैन्य, आर्थिक और तकनीकी शक्ति में बदलने का प्रयास कर रहा है।

रूस अभी भी नहीं आ रहा बाज, यूक्रेन पर दाग रहा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें

कीव पर रुस ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, यूक्रेन का दावा- सभी को मार गिराया गया

मास्को।

रुस ने सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पर दिनदहाडे बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। रूस ने यूक्रेन के प्रमुख ठिकानों को निशाना बनाया। यूक्रेन के चीफ ऑफ स्टाफ वालेरी ज़ालुज़नी के अनुसार, रूसी सेना ने कीव में पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे 11 बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। उन्होंने कहा कि उन सभी को मार गिराया गया और सड़क से शहर के ऊपर नीले आकाश में सफेद धुएं के गुच्छे देखे गए। कीव सैन्य प्रशासन ने कहा कि मार गिरायी गई मिसाइलों का मलबा कीव के मध्य और उत्तरी जिलों में सुबह के दौरान गिरा।

प्रशासन ने कहा कि ये मलबा शहर की सड़क पर यातायात के बीच में गिरा और इससे एक इमारत की छत पर आग भी लग गई। उसने कहा कि इसमें कम से कम एक नागरिक के घायल होने की खबर है। विस्फोटों की वजह से कुछ स्थानीय लोगों में घबराहट उत्पन्न हो गई, जो रात के हमले की वजह से पहले से ही तनाव में थे। पचास वर्षीय महिला अलीना सेफोंतोवा ने अपने कुत्ते के साथ कीव मेट्रो में शरण ली थी। उसने कहा, ''पिछली रात के बाद से सायरन की हर आवाज से मैं घबरा जा रही हूं। मैं बेहद डर गई थी और मेरे शरीर में अभी भी कंपन हो रही है।'' केंद्रीय स्टेशन, तेतरलना में आश्रय लिये स्थानीय लोगों की भीड़ थी। विदेश में कानूनी सेवाएं प्रदान करने वाले चौबीस वर्षीय अर्टेम ज़्याला ने अपना लैपटॉप अपने साथ रखा था और भूमिगत होकर काम करता रहा।

उसने कहा, ''मैंने दो या तीन धमाकों की आवाज़ सुनी, शौचालय गया और फिर मैंने पांच या सात और धमाकों की आवाजें सुनीं। तभी मुझे एहसास हुआ कि कुछ भयानक हो रहा है।'' यूक्रेन की वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इहनत ने स्थानीय टेलीविजन पर कहा कि रूस ने सुबह के हमले में कम दूरी तक मार करने वाली इस्कंदर मिसाइल का इस्तेमाल किया। इहनत ने कहा कि मिसाइल को कीव के उत्तर से दागा गया था।रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सोमवार तड़के उसने लंबी दूरी की हवा से दागी जाने वाली मिसाइलों से यूक्रेन के हवाई ठिकानों को निशाना बनाते हुए श्रृंखलाबद्ध हमले किए। इसने दावा किया कि हमलों ने कमान पोस्ट, रडार, विमान और गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया। इसने शहरों या अन्य असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाने के बारे में कुछ नहीं कहा।

यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने चेतावनी देते हुए कहा कि नागरिक क्षेत्रों पर बार-बार हमले युद्ध अपराध के बराबर हैं। उन्होंने ट्वीट किया, शांतिपूर्ण यूक्रेनी शहरों पर रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों को सामान्य के तौर पर नहीं देखा जा सकता।''स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि वहीं रूसी क्रूज मिसाइलों से पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र के एक गांव पर हमला किया, जिसमें दो नाबालिगों और एक गर्भवती महिला सहित छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि पूर्वी निप्रॉपेत्रोस क्षेत्र में हुए हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 11 वर्षीय एक बच्चे सहित नौ अन्य घायल हो गए।

कीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेर्ही पोपको ने कहा कि पिछली रात के दौरान, यूक्रेन के वायु रक्षा ने 40 से अधिक लक्ष्यों को नष्ट कर दिया, जब रूसी सेना ने कीव पर ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। रूसी गोलाबारी और हवाई हमले ने पूर्वी डोनेत्स्क क्षेत्र के नौ इलाकों को भी निशाना बनाया, जिसमें क्रामतोरस्क शहर भी शामिल है, जिसमें स्थानीय यूक्रेनी सेना मुख्यालय है। यह जानकारी स्थानीय गवर्नर पावलो किरिलेंको ने यूक्रेनी टीवी पर दी। इससे पहले रात के समय शहर को ड्रोन और क्रूज मिसाइल से निशाना बनाया गया था।

फरीदकोट अदालत में पेश हुए सुखबीर बादल, 14 जून को होगी अगली सुनवाई

फरीदकोट (पंजाब)। कोटकपूरा गोलीकांड केस में पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर बादल मंगलवार को फरीदकोट अदालत में पेश हुए। इस दौरान सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब सरकार पर निशाना साधा। बादल ने कहा कि आम आदमी पार्टी कानून की धज्जियां उड़ा रही है। पंजाब सरकार द्वारा पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है और अपनी नाकामियों को छिपाया जा रहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 जून को होगी।

किसान संगठनों ने बीजेपी कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले भारतीय किसान यूनियन टिकैत ग्रुप, अखिल भारतीय किसान सभा सहित कई अन्य किसान संगठनों ने एकत्रित होकर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। इससे पूर्व सभी लघु सचिवालय में एकत्रित हुए। वहां किसानों ने बैठक की और बैठक की अध्क्षता भाकियू के कोषाध्यक्ष सतपाल दिल्लोवाली व अखिल भारतीय किसान सभा के प्रधान कामरेड महेन्द्र सिंह ने की। बैठक करने के बाद किसानों ने हाथों में बैनर लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भाजपा कार्यालय कपिल कमल पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने सांसद नायब सैनी को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन में मांग की है कि किसानों का सरकार के साथ 2021 में जो समझौता हुआ था उसे लागू किया जाए। इसी प्रकार एमएसपी की गारंटी दी जाए और गारंटी कानून बनाया जाए। प्रदर्शनकारी किसानों की मांग थी कि किसानों व मजदूरों को कर्ज मुक्त किया जाए।

मनसा माता की पहाड़ियों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से आठ की मौत, 26 घायल

झुंझुनू (हिंस)। झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी क्षेत्र के खोह गांव की मनसा माता पहाड़ी पर सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 26 श्रद्धालु घायल हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों को झुंझुनूं, सीकर और जयपुर रेफर किया गया है। हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्वीट कर कहा कि झुंझुनू, राजस्थान में हुए सड़क हादसे में महिलाओं सहित कई श्रद्धालुओं के निधन के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने पीएम सहायता कोष से मृतकों के परिवार को दो- दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता देने की घोषणा की है। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बताया कि प्रारंभिक सूचना के मुताबिक मनसा माता मंदिर में एक धार्मिक कार्यक्रम चल रहा है जिसमें भाग लेने के लिए मणकसास के राजीवपुरा गांव के ग्रामीण मनसा माता मंदिर गए थे। ये श्रद्धालु वापस आ रहे थे तो ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाया जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और करीब 100 फुट गहरी खाई में जा गिरा। ट्रैक्टर अनियंत्रित होते ही चालक पहले ही कूद गया और अपनी जान बचा ली। सभी घायलों को ग्रामीणों ने खाई से निकाला और एंबुलेंस की मदद से पौंख और उदयपुरवाटी के अस्पताल पहुंचाया। पौंख में दो तथा उदयपुरवाटी में छह श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया। वहीं शेष 26 घायलों को झुंझुनूं, सीकर और जयपुर के लिए रेफर किया गया। मृतकों में महिलाएं और बच्चियां शामिल हैं। डॉ. यादव ने बताया कि झुंझुनूं व सीकर दोनों जगह प्रशासनिक अधिकारी मौजूद है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। सरकार की तरफ से मदद के लिए हम प्रस्ताव बनाकर भेज रहे हैं। जो भी संभव होगा, सहायता दी जाएगी। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक ट्रैक्टर ढलान पर बेकाबू हुआ तो ड्राइवर पहले ही कूदकर भाग गया। बेकाबू ट्रैक्टर ट्रॉली लहराते हुए पहले बिजली के पोल से टकराई, बाद में पलटी खाते हुए 100 फीट गहरी खाई में गिर गई। मौके पर मोबाइल का नेटवर्क काम नहीं करता है। इसलिए वहां से कुछ लोग भागकर कार्यक्रम स्थल गए और मदद मांगी। मृतकों में राजीवपुरा निवासी कमलेश पत्नी राकेश गुर्जर, सुंदरी पत्नी मंगलचंद गुंर्जर, सुनिता पुत्री जगदीश सैनी, गोठी देवी पत्नी राजू गुर्जर, सुमन पुत्री प्रहलाद गुर्जर, मणकसास निवासी संती देवी पत्नी बजरंगलाल गुर्जर, डेढ़ वर्षीय शौर्य पुत्र रोहिताश्व सैनी निवासी चूंगी नं. 3 उदयपुरवाटी, दो वर्षीय निखिल पुत्र मुकेश गुर्जर निवासी राजीवपुरा शामिल है। हादसे में 17 वर्षीय सचिन निवासी मणकसास, 20 वर्षीय केला पत्नी भोलाराम निवासी मणकसास, 15 वर्षीय अमित पुत्र शिंभूदयाल निवासी मणकसास, 20 वर्षीया सरिता पत्नी हंसराज निवासी बाघोली, 35 वर्षीया ग्यारसीदेवी पत्नी जगदीश निवासी राजीवपुरा, 50 वर्षीया ग्यारसी पत्नी प्रहलाद निवासी मणकसास, 21 वर्षीया सरिता पत्नी जगदीश निवासी मणकसास, 25 वर्षीया संजू पत्नी शिंभूदयाल निवासी मणकसास, 17 वर्षीया सपना पुत्री बहादुरमल निवासी राजीवपुरा, 16 वर्षीया कल्पना पुत्री प्रकाश सैनी निवासी राजीवपुरा, 8 वर्षीया मोनिका पुत्री प्रकाश सैनी निवासी राजीवपुरा, योगेश पुत्र जगदीश राजीवपुरा, 40 वर्षीया सुमन पत्नी इंद्राज निवासी मणकसास, 40 वर्षीया संतोष पत्नी जगदीश निवासी मणकसास के अलावा चार अन्य घायलों को उदयपुरवाटी से सीकर रैफर किया गया है।

जस्टिस मसीह ने ली राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को यहां राजभवन में जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। जस्टिस मसीह ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। समारोह के प्रारम्भ में मुख्य सचिव उषा शर्मा ने जस्टिस मसीह को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया। समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, मंत्रिमंडल के सदस्यगण, जनप्रतिनिधिगण, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं जस्टिस मसीह के परिजन उपस्थित रहे।

किसान व मजदूर संगठनों ने पहलवानों के समर्थन में किया प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। मंगलवार को दिल्ली में धरना दे रहे पहलवानों के समर्थन में जन संघर्ष मंच हरियाणा के बैनर तले महिलाओं, मजदूरों व किसान संगठनों ने छोटूराम चौक करनाल रोड पर प्रदर्शन किया । केंद्र सरकार व दिल्ली पुलिस का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने, उसकी संसद सदस्यता रद्द करने, महिला पहलवानों व उनके समर्थकों पर दर्ज मुकदमे रद्द करने और महिलाओं का बर्बरतापूर्वक दमन करने वाले पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों को हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष फूल सिंह, महासचिव सुदेश कुमारी, चन्द्ररेखा, ऊषा कुमारी, मजदूर नेता जोगिंदर सिंह, किसान नेता भूरा राम, होशियार सिंह गिल, बलराज आदि ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने कहा कि 28 मई को न्याय की लड़ाई लड़ रही महिला पहलवानों के बुलावे पर दिल्ली में नई संसद भवन के पास महिला

सम्मान महापंचायत का आयोजन किया जाना था। महापंचायत में जाने से रोकने के लिए शांतिपूर्वक मार्च कर रही महिला पहलवानों उनके समर्थकों को सरकार की शह पर दिल्ली पुलिस ने सभी हदें पार कर दी। इस न्याय पूर्ण संघर्ष को कुचलने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि देश की अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इन संघर्षशील बेटियों को दिल्ली की सड़कों पर बुरी तरह से पीटा गया, घसीटा गया, बेटियों की इज्जत को तार-तार किया गया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का गहलोत सरकार के रिपीट होने के दावे पर तंज

कहा, सपने देखने का सबको अधिकार

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार का नाम लिए बिना सरकार रिपीट होने के दावों को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सपने देखने का सबको अधिकार है। 2018 के चुनावों में उन्होंने प्रदेश की जनता को सपने दिखाए, उन सपनों का क्या हुआ? प्रदेश की जनता जानना चाहती है। प्रदेशाध्यक्ष जोशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 31 मई को अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली पर आयोजित जनसभा के लिए किशनगढ़ की मार्बल एसोसिएशन सभागार में सोमवार को प्रबुद्धजन सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए थे। इस दौरान उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि गहलोत सरकार ने वादा किया था कि हम संपूर्ण कर्जा माफ करेंगे? युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देंगे? पांच साल तक बिजली का एक पैसा भी नहीं बढ़ाएंगे? हम सुशासन देंगे? महंगाई खत्म करेंगे? क्या हुआ? आज सबसे महंगी बिजली, सबसे महंगा पेट्रोल राजस्थान में ही बिक रहा है। आज दलित से लेकर महिलाओं पर अत्याचार के मामले में राजस्थान पूरे देश में अव्वल है। कहां सुशासन है? आज हिन्दू पलायन कर रहा है। जयपुर हो या मालपुरा, छोटे-बड़े कस्बों में जो दहशत फैला रहे हैं, उन पर कोई सख्ती नहीं है। कोई खुले में तलवारें लहराकर डरा रहा हैं तो कोई बहन-बेटियों की तरफ गंदी नजरें उठाकर चीरहरण कर रहा है। कहीं हथियार लेकर लोगों के घरों में घुस रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने बीते साढ़े चार सालों में कौनसा सुशासन दिया। जब पूरे देश में कोरोना जैसी महामारी अपना दायरा फैला रही थी, तब गहलोत सरकार और आपके मंत्री घरों में बैठे थे। कोरोना खत्म हुआ तो आप सरकार बचाने के लिए फाइव स्टार होटलों में आराम फरमा रहे थे। गुजरे साढ़े चार सालों में राजस्थान में कुर्सी बचाने का जो खेल चला, उसे पूरे देश ने देखा, राजस्थान ने देखा। गहलोत सरकार ने किया क्या राजस्थान में, राजस्थान की जनता अब जवाब मांग रही है? जोशी ने कहा कि अजमेर राजस्थान की ह्रदयस्थली है। सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा की धरती है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ साल पूरे होने के लिए जनसभा करने राजस्थान के अजमेर आ रहे हैं। गांव में रहने वाला व्यक्ति हो या शहरी क्षेत्र का उद्योगपति, महिलाएं हो या बच्चे, सभी में प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर उत्साह है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री की सभा ऐतिहासिक रहेगी।

कोटा में पढ़ने आई नाबालिग ने दिया बच्चे को जन्म

कोटा (हिंस)। विद्यार्थियों द्वारा अवसाद में आकर आत्महत्या करने के मामलों के बाद अब कोटा में एक और मामला सुर्खियों में आया है। कोटा में पढ़ने आई नाबालिग ने बच्चे को जन्म दिया है। जेके लोन हॉस्पिटल में उसकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है। फिलहाल जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं। पहले परिजन बच्चे को रखना चाहते थे। अब उन्होंने बच्चे को बाल कल्याण समिति को सौपने का फैसला लिया। फिलहाल इस मामले में परिजनों की ओर से पुलिस में शिकायत नहीं दी गई है। जानकारी अनुसार, नाबालिग की उम्र 16 साल बताई जा रही है। वह मध्यप्रदेश की रहने वाली है। दो महीने पहले ही नीट की तैयारी करने कोटा आई थी। सोमवार को पेट दर्द की शिकायत पर परिजन उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। जांच में उसके साढ़े आठ माह के गर्भ होने की जानकारी सामने आई। जेके लोन हॉस्पिटल में उसे भर्ती किया गया। नाबालिग को लेबर रूम में शिफ्ट किया गया। जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। इस मामले में नाबालिग के परिजन कुछ भी बोलने को तैयार नहीं। नाबालिग के गर्भवती होने की सूचना पर बाल कल्याण समिति की टीम काउंसलर को लेकर हॉस्पिटल पहुंची। परिजनों ने जानकारी देने से इनकार कर दिया। नाबालिग के अचेत होने के कारण उससे बात नहीं हो सकी। समिति के सदस्य वापस लौट आए। जेके लोन हॉस्पिटल में गायनिक विभागाध्यक्ष डॉ. भारती सक्सेना का कहना है कि बालिका सोमवार को भर्ती हुई थी।

पायलट पार्टी में हैं, मिलकर काम करेंगे : गहलोत

नई दिल्ली/जयपुर (हिंस)। कांग्रेस आलाकमान द्वारा सुलह के ऐलान के बाद सचिन पायलट की भूमिका और भरोसे को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कहना है कि अगर वे पार्टी में हैं तो साथ मिलकर काम क्यों नहीं करेंगे। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस में भूमिका केवल हाईकमान की होती है। मुख्यमंत्री गहलोत मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। आलाकमान द्वारा पायलट से किए गए कमिटमेंट को लेकर पूछे जाने पर गहलोत ने कहा कि हाईकमान के साथ बैठने और उनके साथ बात करने के बाद क्यों नहीं कोई सहयोग करेगा। विश्वास जीता जाता है। हाईकमान ने हम पर विश्वास किया और हमने आगे विश्वास किया है। हम काम करेंगे तो सरकार हमारी आएगी। पार्टी में हम वफादारी से रहे हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने एआईसीसी के अधिवेशन में सोनिया गांधी के एक बयान पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जो धैर्य रखता है, उसको कभी न कभी चांस मिलता है। मेरी भी यही सोच है और मैं भी कहता

हूं कि सभी कार्यकर्ता और नेता धैर्य रखो, देखोगे पार्टी में कभी न कभी आपको वाकई चांस मिलेंगे। गहलोत ने कहा कि मेरे लिए पद मायने नहीं रखता है। मैं तीन बार मुख्यमंत्री रहा, तीन बार केंद्रीय मंत्री रहा। मैंने काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मैं उस दिशा में काम करूं कि सरकार कैसे रिपीट हो। आज मेरी ड्यूटी बनती है कि जो हाईकमान चाहे वह मैं करूं, पार्टी को जितवाने के लिए काम करूं, वो मैं कर रहा हूं। मैंने योजनाएं बनाने में और लागू करने में कोई कमी नहीं रखी। हर वर्ग का ध्यान रखा है। अब राजस्थान में चाहे मोदी आएं या अमित शाह आएं, जनता हकीकत जानती है।% उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में सोमवार देर रात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर चार घंटे चली बैठक के बाद राजस्थान कांग्रेस के झगड़े को सुलझाने पर सहमति बनी। संगठन महासचिव केसी वेणुगापोल ने दोनों नेताओं को मीडिया के सामने लाकर एकजुटता के साथ चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। सहमति से पूर्व खड़गे के घर पायलट और गहलोत को साथ बैठाकर सियासी गिले-शिकवे दूर करवाए गए। दोनों से अलग-अलग भी बैठक हुई। मीटिंग के बाद वेणुगोपाल ने कहा था कि दोनों नेता एक साथ मिलकर एकजुटता के साथ इस साल होने वाला राजस्थान विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

बिजली मंत्री ने नगर परिषद के ईओ को निलंबित करने का दिया आदेश

जींद (हिंस)। डीआरडीए हाल में जिला परिवेदना समिति की बैठक में शिकायतें सुनने पहुंचे बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने नगर परिषद के ईओ सुशील कुमार को निलंबित करने का आदेश दिया है। ईओ पर शिकायत का समाधान न करने का आरोप है। गांधी नगर कॉलोनी निवासी विपिन्न जैन ने परिवेदना समिति की बैठक में शिकायत की कि उसने अपने पड़ोसी के खिलाफ अतिक्रमण को लेकर 1 मई 2017 को सीएम विंडो पर शिकायत दी थी। इसके जवाब में 15 सितंबर 2017 को नगर परिषद जींद ने जवाब दिया कि संबंधित मामले के खिलाफ कोर्ट में मामला है। सूचना आयोग में नगर परिषद ने कोई जवाब नहीं दिया।

पानी मांग रही महिलाओं पर लाठीचार्ज को लेकर सियासत तेज

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर में नहर बंदी का असर दिखने लगा है। शहर के निकटवर्ती खोखरिया गांव में रविवार को पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस मामले को लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने टवीट कर राज्य की गहलोत सरकार को पानी के प्रबंधन को लेकर कटघरे में खड़ा किया। उल्लेखनीय है कि नहरबंदी के कारण शहर के कई इलाकों में पानी की भारी किल्लत हो गई है। रविवार को शहर के नजदीकी गांव खोखरिया की करीब 50 महिलाएं दोपहर 12 बजे के करीब जोधपुर- जयपुर हाईवे पर आ गई और पत्थर डालकर हाईवे जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक महिलाएं सड़क पर बैठी रहीं और जिला प्रशासन के खिलाफ नारे लगाती रहीं। महिलाएं वाहन चालकों से भी उलझ गईं। बनाड़ थाना पुलिस के पुरुष कर्मी मौके पर पहुंचे और महिलाओं से समझाइश करने लगे। लेकिन महिलाएं हाईवे से नहीं हटीं। महिलाएं करीब एक घंटे 1.30 बजे तक धरना देकर बैठी रहीं, इतनी देर वाहन चालक सिंगल लेन से निकले। बड़े वाहन खड़े रहे। दोपहर 1.30 बजे के करीब महिलाओं की पुलिसकर्मियों से तीखी नोंक-झोंक हो गई। इसके बाद एक पुलिसकर्मी ने आंदोलन कर रही महिला पर लाठियां बरसा दी। वहीं खड़ी एक महिला ने पुलिस की इस हरकत का वीडियो बना लिया। महिलाओं का कहना था कि पानी की मांग करती महिला पर पुरुष पुलिसकर्मी लाठी कैसे बरसा सकता है। जोधपुर में नहरबंदी चल रही है। नहर की मरम्मत के चलते पानी नहीं आ रहा है। नहर का पानी पंजाब से 8 जून तक पहुंचना है। बनाड़ थाना इलाके के खोखरिया गांव में महिलाओं को जल-संकट से रोजाना जूझना पड़ रहा है। कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से महिलाओं का गुस्सा परवान चढ़ा। रविवार को महिलाएं सड़क पर उतर गई। आंदोलन करने वाली महिलाओं ने कहा कि वे पिछले लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रही हैं। इसके लिए जिला कलेक्टर से लेकर जलदाय विभाग के अधिकारियों तक गुहार लगा चुके। हर बार आश्वासन मिलता है, कोई स्थायी समाधान नहीं किया जाता। महिलाओं पर हुए लाठीचार्ज को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने ट्वीट कर गहलोत सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने लिखा कि जोधपुर की इन बहनों को दोष केवल इतना कि इन्होंने सरकार से पानी मांगा! राजस्थान की मां-बहन और बेटियों को पानी की परेशानी से निजात दिलाने के लिए मोदी सरकार तो मिशन मोड पर काम कर रही है लेकिन गहलोत सरकार को रत्तीभर का सरोकार नहीं है। हजारों करोड़ रुपए की मदद मिलने के बावजूद राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन पर कछुआ चाल से काम किया। केंद्र से मिला फंड तक खर्च करने में कोताही की। कांग्रेस *हर घर नल से जल* पहुंचाने में भी राजनीतिक हानि-लाभ देखती है। जोधपुर के प्रति मुख्यमंत्री का नजरिया और भी रूखा है क्योंकि यहां से मैं सांसद हूं और वे नहीं चाहते यहां जनहित के काम सुचारू रहें।

गंगा दशहरा पर मचकुंड सरोवर में लगाई आस्था की डुबकी

धौलपुर (हिंस)। पतित पावनी मां गंगा के धरती पर अवतरण का पर्व गंगा दशहरा धौलपुर जिले में मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया। गंगा दशहरा के मौके पर श्रद्धालुओं ने तीर्थराज मचकुंड सरोवर के साथ ही चंबल नदी समेत अन्य नदी तथा सरोवरों में पर्व स्नान किया। इसके बाद में अन्न, फल एवं वस्त्रादि का दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। देर शाम तक मंदिरों में पूजा अर्चना तथा दान पुण्य का क्रम चलता रहा। गंगा दशहरा के मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु मंगलवार तडके तीर्थराज मचकुंड पंहुचे तथा सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई। पर्व स्नान के बाद में श्रद्धालुओं ने मचकुंड महाराज, प्राचीन लाडली

जगमोहन मंदिर, भगवान जगन्नाथ मंदिर, रानी गुरू मंदिर, प्राचीन भूतेश्वर महादेव समेत अन्य मंदिरों पर पूजा अर्चना की। आज श्रद्धालुओं ने मचकुंड सरोवर क्षेत्र में संत एवं महात्माओं को भोजन भी कराया। श्रद्धालुओं की बडी संख्या को देखते हुए आज मचकुंड सरोवर क्षेत्र में मेले का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने मेले में लगाई दुकानों पर भोग प्रसाद एवं रोजमर्रा के सामान की खरीदारी भी की। गंगा दशहरा पर्व को देखते हुए मचकुंड सरोवर क्षेत्र में पुलिस द्वारा सुरक्षा के माकूल इंतजाम भी किए गए। गंगा दशहरा पर्व के मौके पर धौलपुर शहर के प्राचीन चोपडा महादेव मंदिर, मार्कण्येश्वणमहादेव मंदिर, निहालेश्वर, महामाया मंदिर, पुरानी छावनी के राम जानकी मंदिर, बसेडी के भूतेश्वर महादेव मंदिर एवं सरमथुरा के महाकाल मंदिरों पर भी विशेष कार्यक्रम संपन्न हुए। गंगा दशहरा के पर्व पर जिले से बडी संख्या में लोग हरिद्वार समेत अन्य गंग तीथों को भी गए हैं।

ट्रैवल एजेंटों के फ्रॉड पर शिकंजा कसने की तैयारी में सरकार

एजेंटों को सभी जिला पुलिस अधीक्षक के पास जमा करानी होगी बैंक गारंटी

चंडीगढ़ (हिंस)। ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से यात्रियों के साथ होने वाले फ्रॉड को लेकर अब हरियाणा सरकार ने सख्त नियम बनाने की तैयारी कर ली है। इसके लिए गठित की गई एसआईटी ने फुल फ्रूफ प्लान तैयार कर लिया है। राज्य सरकार ने ग्राहकों को फ्रॉड यानी ठगी से बचाने और ठगी होने पर आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए ट्रैवल एजेंटों से बैंक गारंटी जमा कराएगी। दरअसल, अभी तक ट्रैवल एजेंट की ओर से जब भी कोई फ्रॉड किया गया, उसमें पुलिस को एजेंट के खिलाफ कार्रवाई करने के सुबूत ही नहीं मिलते थे। यानी ये एजेंट कोई सुबूत नहीं छोड़ते। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई करना पुलिस के लिए भी आसान नहीं रहता। वे पुलिस की गिरफ्त से बाहर ही रहते थे। सरकार ने ऐसे फ्राड पर अंकुश लगाने के लिए एक एसआईटी गठित की है। अंबाला पुलिस कमिश्नरी के आईजी सिबास कबीराज के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने इस विषय पर ब्यौरा तैयार किया है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि इसके अमल में आने के बाद ट्रैवल एजेंट चाहकर भी ग्राहकों के साथ फ्रॉड नहीं कर

सकेंगे। एसआईटी ने यह ब्यौरा प्रस्ताव के रूप में हरियाणा पुलिस के पास भेजा है। अब यह प्रस्ताव प्रदेश सरकार को मंजूरी के लिए भेजा जाएगा, ताकि हरियाणा में एजेंट की ओर से किए जाने वाले फ्रॉड पर प्रतिबंध लगाया जा सके। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि जो भी ट्रैवल एजेंट हैं, वे बैंक गारंटी के कागजात हर जिला में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पास जमा कराएंगे, ताकि जब फ्रॉड हो तो उसकी राशि इस बैंक गारंटी से वसूली जा सके। प्रदेश के गृहमंत्री अनिल विज ने राज्य में ट्रैवल एजेंट के फ्रॉड के मामलों को देखते हुए इस साल 17 अप्रैल को नई एसआईटी गठित की थी।

प्रेमी के साथ घर से भागी पत्नी, पड़ोसी ने ताना दिया तो पति ने दी जान

कैथल (हिंस)। तीन दिन पहले प्रेमी के साथ घर से फरार हुई महिला जब घर वापस लौटी तो पड़ोसी के ताने से आहत होकर उसके पति ने मंगलवार को जहर खाकर जान दे दी। पुलिस ने महिला उसके प्रेमी व ताना देने वाले पड़ोसी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना कैथल के कस्बा सीवन की है। पलाराम ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उसका भाई संजू सरकारी स्कूल में चौकीदार था। उसकी पत्नी सुनीता बिहार की रहने वाली है। जिसके दो लड़के भी हैं। उसकी भाभी सुनीता का गांव के ही एक व्यक्ति रवि के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके चलते हुए हैं 27 मई को उसके साथ घर से भाग गई। सुनीता 28 मई को घर से एक रात बाहर रहकर वापस लौट आई। उसके भाई संजू का पड़ोसी राजाराम से तकरार हो गया।

निर्जला एकादशी की पूर्व संध्या पर गौवंश को सत्तू पिलाने का चलाया अभियान

भिवानी (हिंस)। निर्जला एकादशी की पूर्व संध्या पर मंगलवार को गौसेवकों ने गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार के नेतृत्व में गौवंश की सेवा का अभियान चलाया। इसके तहत शहर भर के बेसहारा गौवंश को सत्तू (गुड़ एवं जौ का मिश्रण) पिलाया गया। अभियान को स्थानीय हालुवास गेट स्थित सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम के पीठाधीश्वर अंतर्राष्ट्रीय श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी महाराज ने हरी झंडी दिखाकर शुरू करवाया। इसके बाद गौरक्षकों ने शहर भर में घूमकर बेसहारा गौवंश को सत्तू पिलाया तथा हालुवास गेट स्थित नगर परिषद की नंदीशाला में अभियान का समापन किया। इस अभियान के तहत शहर भर के सैंकड़ों बेसहारा गौवंश को सत्तू पिलाया गया। इस मौके पर गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने कहा कि जब भी धर्म-कर्म की बात आती है तो इंसान सिर्फ दूसरे इंसान की सेवाभाव की सोच रखता है जबकि धर्म-कर्म के नाम पर गौवंश की सेवा करने का विचार सबसे पहले आना चाहिए, क्योंकि हिंदू धर्म के अनुसार गाय में 36 करोड़ देवी-देवता निवास करते हैं। गौवंश की सेवा से सुकून महसूस होता है। उन्होंने शहरवासियों एवं आम लोगों से अपील की कि प्रतिदिन गौ-माता के लिए एक-एक रोटी निकालें। इससे जहां गौ-माता को आहार मिलेगा, वहीं उन्हें गौ सेवा करने का मौका भी मिलेगा।

अच्छे-बुरे बिल्डरों में पहचान के लिए हो विश्वसनीय ढांचा, ग्राहकों के पैसे पर घटानी होगी निर्भरता

नई दिल्ली ।
अच्छे और बुरे रियल एस्टेट डेवलपर में अंतर करने के लिए विश्वसनीय ढांचे की जरूरत है। इससे रियल्टी परियोजनाओं के निर्माण के लिए बैंकों से आसानी से कर्ज मिल सकेगा व ग्राहकों के पैसे पर उनकी निर्भरता नहीं रहेगी।

आवास एवं शहरी मामलों के सचिव मनोज जोशी ने कहा, रियल एस्टेट विशेष रूप से आवासीय परियोजनाओं का वित्तपोषण बड़े पैमाने पर ग्राहकों से मिली अग्रिम रकम से किया जाता है। इस मॉडल को बदलने की जरूरत है। जोशी ने कहा, परियोजनाओं के निर्माण में देरी का एक मुख्य कारण नकदी प्रवाह होता है। मुख्य ठेकेदारों और छोटे विक्रेताओं के स्तर पर कोई बैंक कर्ज उपलब्ध नहीं कराता। इससे परियोजनाओं के पूरी होने में देरी होती है और उनकी लागत भी काफी प्रभावित होती है।

सरकारी ठेकों के लिएविवाद से विश्वास योजना 15 जुलाई से - विवाद से विश्वास-2 के तहत सरकारी ठेकों से संबंधित लंबित विवादों के निपटान की योजना 15 जुलाई, 2023 से शुरू होगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ठेकेदार 31 अक्तूबर तक अपने दावे प्रस्तुत कर सकते हैं।

योजना के तहत वे मामले आएंगे, जिनमें 30 अप्रैल, 2023 तक अदालती आदेश व 30 जनवरी, 2023 तक मध्यस्थता निर्णय पारित किया गया है। निपटान राशि क्रमशः 85 फीसदी या 65 फीसदी होगी।

देश में एफडीआई प्रवाह 16प्रतिशत घटा कंप्यूटर हार्डवेयर में सबसे कम निवेश - देश में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह 2022-23 में 16 फीसदी घटकर 70.97 अरब डॉलर रह गया।2021-22 में यह 84.83 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई में इक्विटी प्रवाह, दोबारा निवेश और अन्य पूंजी शामिल है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान इक्विटी में एफडीआई 22 फीसदी घटकर 46 अरब डॉलर रह गया।कंप्यूटर हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर और वाहन उद्योग को कम निवेश मिलने से इक्विटी एफडीआई में गिरावट आई है। 2021-22 में इक्विटी एफडीआई 58.77 अरब डॉलर रहा था।2022-23 में भारत को सर्वाधिक 17.2 अरब डॉलर का एफडीआई सिंगापुर से मिला है।

न्यूज ब्रीफ

वित्तीय वर्ष 2023-24 में जारी रह सकती है भारत के विकास दर की गति, आरबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंगलवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत वृहद आर्थिक नीतियों और जिंस कीमतों में नरमी के कारण मुद्रास्फीति के दबाव में कमी के चलते भारत के विकास की गति 2023-24 में बरकरार रह सकती है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक वृद्धि में सुस्ती, लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक वित्तीय प्रणाली में नए दबाव की घटनाओं के बाद वित्तीय बाजार में अस्थिरता बढ़ने से विकास के लिए जोखिम पैदा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, मजबूत वृहद आर्थिक नीतियों, जिंसों की कीमतों में नरमी, मजबूत वित्तीय क्षेत्र, स्वस्थ कॉरपोरेट क्षेत्र, सरकारी व्यय की गुणवत्ता पर निरंतर राजकोषीय नीति के जोर और आपूर्ति श्रृंखलाओं के वैश्विक पुनर्गठन से विकास के नए अवसर मिले हैं। इससे मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है और ऐसे माहौल में 2023-24 में भारत की विकास दर बरकरार रहने की संभावना है। रिजर्व बैंक की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि उसकी मौद्रिक नीति समायोजन को वापस लेने पर केंद्रित है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मुद्रास्फीति उत्तरोत्तर लक्ष्य के अनुरूप हो और वृद्धि को समर्थन मिले। रिपोर्ट में कहा गया है, स्थिर विनिमय दर और सामान्य मानसून के साथ मुद्रास्फीति के 2023-24 में नीचे आने की उम्मीद है और मुद्रास्फीति पिछले साल के 6.7 प्रतिशत के औसत स्तर से घटकर 5.2 प्रतिशत पर आ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाह्य क्षेत्र में चालू खाते का घाटा नरम रहने की उम्मीद है, जो मजबूत सेवा निर्यात और आयात की जिंस कीमतों में नरमी की उम्मीद से मजबूत होगा। रिजर्व बैंक के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बने रहने के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) प्रवाह में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। चालू वित्त वर्ष के दौरान, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि इसका उद्देश्य सीबीडीसी (केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा) के खुदरा और थोक पायलट प्रोजेक्ट्स का विस्तार करता है। सीबीडीसी-रिटेल में पायलट परियोजना का विस्तार अधिक स्थानों पर करने और अधिक भागीदार बैंकों को शामिल करने का भी प्रस्ताव है।

अपने सभी ऑडियो प्रोडक्ट भारत में बनाएगी शाओमी, ओपटीमियमस के साथ हुई साझेदारी

नई दिल्ली । शाओमी ने भारतीय बाजार में अपने मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरर ओपटीमियमस के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत शाओमी के तमाम वायरलेस ऑडियो प्रोडक्ट का प्रोडक्शन भारत में होगा। ओपटीमियमस की फैक्ट्री उत्तर प्रदेश के नोएडा में है। कंपनी के बयान के मुताबिक 2025 तक शाओमी भारत में ही 50 फीसदी पार्ट्स का भी निर्माण करेगी। शाओमी का यह बयान तब सामने आया है जब हाल ही में सैमसंग ने रेडमी को पीछे छोड़ते हुए भारतीय स्मार्टफोन बाजार में नंबर-1 का स्थान हासिल किया है। वैसे शाओमी भारत ही अपने अधिकतर स्मार्टफोन और टीवी का निर्माण करती है। ऑडियो प्रोडक्ट के तौर पर शाओमी भारत में स्पीकर, ईयरबड्स, ईयरफोन आदि बेचती है। पिछले सप्ताह ही एक रिपोर्ट आई थी जिसमें दावा किया गया था कि शाओमी के स्मार्टफोन की मांग बीते तिमाही में कम रही है जिससे कंपनी के रेवेन्यू में 18.9 फीसदी की कमी देखने को मिली।

चारधाम यात्रा के हेलिकॉप्टर पायलट को ट्रेनिंग मिलेगीः पहाड़ी इलाकों के लिए डीजीसीए की गाइडलाइन, पिछले साल दुर्घटना में गई थी 7 की जान

नई दिल्ली। चारों धाम यात्रा के दौरान हुई दुर्घटनाओं को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय हिमालय क्षेत्र में हेलिकॉप्टर उठाने वाले पायलटों को अलग से ट्रेनिंग देगी। इस सीजन से चार धाम यात्रा के दौरान 10,000 फीट की ऊंचाई पर बने हेलीपैड पर यात्रियों को लाने-ले जाने वाले पायलटों के लिए एक जांच शुरू की थी। इस जांच में इस बात का पता लगाया गया की हेलिकॉप्टर यात्रा को कैसे ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सकता है। केदारनाथ में श्रद्धालुओं को ले जा रहा हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 1 पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई है। हादसे की वजह खराब मौसम और कोहरा बताया जा रहा है। घने कोहरे की वजह से हेलिकॉप्टर जमीन से टकरा गया।

एअर इंडिया का ट्रांसफॉर्मेशन प्लान

हर महीने 550 केबिन क्रू मेंबर्स और 50 पायलटों को भर्ती कर रही एयरलाइन

नई दिल्ली ।
एअर इंडिया अपने पांच साल के ट्रांसफॉर्मेशन प्लान के तहत इस साल के आखिरी तक अपनी फ्लीट में 6 वाइड-बॉडी 350 प्लेन को शामिल करेगी। एयरलाइन के एमडी और सीईओ कैंपबेल विल्सन ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। कैंपबेल ने यह भी बताया कि एयरलाइन हर महीने 550 केबिन क्रू मेंबर्स और 50 पायलटों को भर्ती कर रही है। पिछले साल जनवरी में सरकार से एयरलाइन की बागडोर संभालने के बाद टाटा ग्रुप ने घाटे में चल रही एअर इंडिया की किस्मत को बदलने के लिए कई उपाय किए हैं। जिसमें 470 एयरक्राफ्ट्स के लिए सबसे बड़ा ऑर्डर देना और इंटरनेशनल ऑपरेशंस का विस्तार करना शामिल है।

नए सिरे से ट्रेनिंग ले रहे क्रू मेंबर्स और पायलट - हायरिंग प्लान्स के बारे में बात करते हुए कैंपबेल ने कहा कि हमारा कोई टारगेट नहीं है, लेकिन लगभग 550 केबिन क्रू मेंबर्स और 50 पायलट हर महीने हायर किए जा रहे हैं और नए सिरे से ट्रेनिंग ले रहे हैं। केबिन क्रू मेंबर्स के मामले में यह लगभग दस गुना है और पायलटों के मामले में यह प्री-प्राइवेटाइज्ड एयरलाइन की एनुअल रेट से लगभग पांच गुना है।

2024 के आखिरी तक हायरिंग जारी रहेगी - कैंपबेल के अनुसार, हायरिंग की यह गति इस साल के ज्यादातर महीनों में जारी रहेगी। हालांकि, साल के आखिरी तक हायरिंग कम हो जाएगी और 2024 के आखिरी तक हायरिंग स्पीड फिर से तेज हो जाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस, एयरएशिया इंडिया और विस्तारा के एअर इंडिया के साथ मर्जर की प्रोसेस पर विल्सन ने कहा कि वे कंसोलिडेशन के प्रति भी सेंसिटिव हैं जो रेगुलेटरी अप्रूवल्स के अधीन है। कैंपबेल ने कहा, कई लोग हैं और वे रोल्स को भर सकते हैं। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि हम चार एयरलाइनों के साथ मौजूद लोगों के अनुसार बाहर से किसे ला रहे हैं। हम एयरलाइंस को मजबूत कर रहे हैं और काफी हद तक आगे बढ़ रहे हैं।

इस साल अब तक 3,900 से ज्यादा लोगों को काम पर रखा - सभी चार एयरलाइनों के कर्मचारियों की संख्या के बारे में विल्सन ने कहा कि ग्रोथ स्ट्रेटजी के हिस्से के रूप में काम पर रखे गए लोगों को छोड़कर यह लगभग 20,000 होगी। इस महीने की शुरुआत में विल्सन ने कर्मचारियों को बताया कि इस साल के शुरुआती महीनों से अब तक एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 500 से ज्यादा पायलटों और 2,400 केबिन क्रू मेंबर्स सहित 3,900 से ज्यादा लोगों को काम पर रखा है।

पहला नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट जुलाई या अगस्त के आसपास आएगा - विल्सन ने इस साल की शुरुआत में 470 विमानों के लिए दिए गए ऐतिहासिक ऑर्डर से एयरक्राफ्ट्स को फ्लीट में शामिल करने के प्लान के बारे में कहा, पहला नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट जुलाई या अगस्त के आसपास आएगा। पहला वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट अक्टूबर के आसपास आएगा। वर्तमान में एअर इंडिया के पास 122 एयरक्राफ्ट हैं और वह अपनी फ्लीट का विस्तार कर रही है। एयरलाइन को इस साल के आखिरी तक छह 350 और आठ विमान फ्लीट में शामिल करने की उम्मीद है। अब तक कंपनी ने विमान लीज पर लिए हैं।

1000 से ज्यादा पायलटों को नियुक्त करने के प्लान की घोषणा की थी - एक महीने पहले एअर इंडिया ने अपनी फ्लीट और नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 1000 से ज्यादा पायलटों को नियुक्त करने के प्लान की घोषणा की थी। इनमें कैप्टन और ट्रेनर्स भी शामिल हैं। एययलाइन के पास वर्तमान में 1,800 से ज्यादा पायलट हैं। एअर इंडिया ने पायलटों को हायर करने के लिए ऐडवर्टाइजमेंट निकाला था। जिसमें लिखा था- हम अपने 320, बी777, बी787 और बी737 फ्लीट में कैप्टन और फर्स्ट ऑफिसर्स के साथ-साथ ट्रेनर्स के लिए जॉब ऑफर कर रहे हैं। इसमें ये भी कहा गया है कि 500 से ज्यादा विमान उसके बेड़े में शामिल हो रहे हैं।

फरवरी में दिया था एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा ऑर्डर - फरवरी में कंपनी ने अपनी फ्लीट को बढ़ाने के लिए 470 नए विमान खरीदने का ऑर्डर दिया था। डील में एअर इंडिया को फ्रांस की कंपनी एयरबस से 250 एयरक्राफ्ट और अमेरिकी कंपनी बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट मिलेंगे। 31 एयरक्राफ्ट साल के आखिर तक सर्विस में शामिल हो जाएंगे, बाकी विमान 2025 मिड तक आएंगे।

टाटा ग्रुप की 4 एयरलाइन्स के पास 220 एयरक्राफ्ट - टाटा ग्रुप की एअर इंडिया, एयर एशिया इंडिया, विस्तारा और एअर इंडिया एक्सप्रेस के पास 220 एयरक्राफ्ट इनमें 172 नैरो बॉडी और 48 वाइड बॉडी। 45 वाइड बॉडी जेट का इस्तेमाल ओवरसीज ट्रैवल सेगमेंट के लिए कॉम्पिटिटर इंडिगो के पास 300 एयरक्राफ्ट, जिसका इस्तेमाल डोमेस्टिक और छोटी दूरी के डेस्टिनेशन्स के लिए इंडिगो 54.9प्रतिशत शेयर के साथ मार्केट लीडर। टाटा ग्रुप की एयरलाइन्स का 26प्रतिशत डोमेस्टिक एयर ट्रैफिक पर कंट्रोल ओवरसीज ट्रैवल सेगमेंट में एअर इंडिया की मोनोपॉली। खास तौर पर अमेरिकन और यूरोपियन डेस्टिनेशन्स में सभी इंडियन कैरियर्स के पास करीब 800 विमान हैं, जिनमें से 500 एयरबस के नैरो बॉडी एयरक्राफ्ट ग्लोबल एविएशन लीडर बनना चाहता है एअर इंडिया एअर इंडिया नए एयरक्राफ्ट को बेड़े में शामिल कर दुनिया के लंबी दूरी के अन्य डेस्टिनेशन्स तक भी अपनी सर्विस को बढ़ाना चाहता है।

पाक के शीर्ष बैंकर का एलान, शरिया कानून के तहत देश में 2027 तक ब्याजमुक्त बैंकिंग सिस्टम करेंगे लागू

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान का लक्ष्य 2027 तक इस्लामिक शरिया कानून के तहत अपनी बैंकिंग प्रणाली से ब्याज को खत्म करना है। देश के शीर्ष बैंकर ने यह बात कही। इस्लामिक कैपिटल मार्केट्स सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के गवर्नर जमील अहमद ने कहा कि पाकिस्तान का विनिमय आयोग और केंद्रीय बैंक इस्लामिक वित्त क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सुधारों पर मिलकर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले एक दशक में इस्लामिक बैंकिंग में 24 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिसमें इस्लामिक पूंजी बाजार लगभग तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है। अहमद ने कहा विकास देश की अर्थव्यवस्था की समग्र स्थिति में सकारात्मक रूप से परिलक्षित हुआ है। एसबीपी के गवर्नर ने कहा कि शरिया अनुपालन के माध्यम से पूंजी बाजार से वित्त पोषण के लिए चर्चा चल रही है और कहा कि सरकार की वित्तीय आवश्यकताओं को शरिया अनुपालन बांड (सुकुक) जारी करने के माध्यम से भी पूरा किया जा सकता है। इस्लामिक बैंकिंग को एक बैंकिंग प्रणाली के रूप में परिभाषित किया गया है जो इस्लाम की भावना, लोकाचार और मूल्य प्रणाली के अनुरूप है। यह इस्लामी शरिया द्वारा निर्धारित सिद्धांतों द्वारा शासित है। अहमद के अनुसार, पाकिस्तान ने 2.8 ट्रिलियन पीकेआर के सुकुक बांड जारी किए हैं, और सरकारी ऋण को सुकुक में बदलने के लिए एसबीपी के भीतर एक समिति बनाई गई है। मुस्लिम लीग-नवाज सरकार ने शरिया कोर्ट के फैसले को दी थी चुनौती तत्कालीन पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज सरकार ने इस फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। 23 दिसंबर, 1999 को सुप्रीम कोर्ट ने एफएससी के फैसले को बरकरार रखा और फिर से अधिकारियों को 30 जून, 2000 तक इसके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके बाद 2002 में शीर्ष अदालत में एक समीक्षा अपील दायर की गई और 24 जून, 2002 को संघीय शरीयत अदालत के फैसले को निलंबित कर दिया गया और मामले को ब्याज की व्याख्या के लिए एफएससी को वापस भेज दिया गया था।

पाकिस्तान ने रूस के लिए शिपिंग सेवा की शुरू, दोनों देशों के बीच बढ़ेंगे आर्थिक संबंध

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान और रूस ने दोनों देशों के बीच व्यापार, आर्थिक और ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने के लिए पहली बार सीधी नौवहन सेवा शुरू की है। कराची में शनिवार को एक उद्घाटन समारोह के बाद 36,000 टन माल ले जाने वाला एक जहाज कराची बंदरगाह से सेंट पीटर्सबर्ग के लिए रवाना हुआ। रूसी कच्चे तेल से लदे एक टैंकर के इस सप्ताह के अंत में सेंट पीटर्सबर्ग से कराची पहुंचने की उम्मीद है।

दोनों देशों के बीच बढ़ेंगे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंध - पेट्रोलियम और ऊर्जा राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने मीडिया को बताया कि यह पहली सीधी शिपिंग लाइन है जो पाकिस्तान और रूस के बीच शुरू हो गई है और इससे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंध और बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि पाकिस्तान किसी के खेमे में नहीं है। हम अमेरिका के साथ व्यापार करने की कोशिश करते हैं, तो कहा जाता है कि अमेरिका खेमे में हैं। हम चीन के साथ व्यापार करते हैं, हमें बताया जाता है कि हमने चीन के साथ गठबंधन किया है। हम पाकिस्तान के हित में काम कर रहे है। उन्होंने कहा, हम केवल रूस से अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए सस्ता तेल प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

पाकिस्तान के साथ व्यापार संबंध बढ़ाना चाहता है रूस - पाकिस्तान से कंटेनर जहाज 18 दिनों में सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचेगा। कराची में रूसी महावाणिज्यदूत एंड्री विक्टरोविच ने कहा कि रूस पाकिस्तान के साथ व्यापार संबंध बढ़ाना चाहता है। मॉस्को में पूर्व राजदूत काजी मुहम्मद खलील ने कहा कि पाकिस्तान को चावल, फल, सब्जियां, खेल के सामान और वस्त्र निर्यात करने की बहुत गुंजाइश है और दोनों देशों के बीच एक सीधी शिपिंग व्यापार संबंधों को बढ़ाने में मदद करेगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट : ब्रिटेन और मिस्र की यात्रा पर जा सकेंगे उद्योगपति यश बिड़ला, बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी अनुमति

मुंबई ।
मनी लॉन्ड्रिंग और धोखाधड़ी के कई मामलों का सामना कर रहे उद्योगपति यशोवर्धन बिड़ला को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यश बिड़ला को एक जुलाई तक ब्रिटेन और मिस्र की यात्रा करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने यहा माना है कि उनके भागने का कोई जोखिम नहीं है और उनके फरार होने की संभावना नहीं है।

जस्टिस अभय आहूजा और जस्टिस मिलिंद सथाये की पीठ ने 26 मई को बिड़ला के खिलाफ जारी लुक आउट सर्कुलर को एक जुलाई तक के लिए निलंबित कर दिया और इमिग्रेशन अधिकारियों को उन्हें इमिग्रेशन से गुजरने और अपनी फ्लाइट में सवार होने की अनुमति देने का निर्देश दिया। अदालत ने बिड़ला को केवल मिस्र और ब्रिटेन की यात्रा करने की अनुमति दी है। साथ ही कहा कि उन्होंने कई मौकों पर विदेश यात्रा की और भारत लौटे और उन पर लगाई गई सभी शर्तों का पालन किया। अदालत ने कहा कि बिड़ला ने पहले की विदेश यात्रा के दौरान उन पर लगाए गए नियमों और शर्तों का पालन किया है और उनका परिवार भारत में है।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इसलिए, इस स्तर पर, प्रथम दृष्टया, यह हमें नहीं लगता है कि आवेदक बिड़ला के भागने का खतरा नहीं है। पीठ ने कहा कि बिड़ला को केवल यूके और मिस्र की यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी और वह एक जुलाई या उससे पहले भारत लौट आने चाहिए। अदालत ने बिड़ला के इस वचन को भी स्वीकार कर लिया कि उनके बच्चे भारत में वापस रहेंगे और उनके साथ नहीं आएंगे।

उद्योगपति के वकील आबाद पोंडा ने तर्क दिया था कि बिड़ला एक व्यापारी हैं, जिन्हें अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए यात्रा करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि अतीत में, बिड़ला को यात्रा की अनुमति दी गई थी और उन्होंने उन पर लगाई गई सभी शर्तों का पालन किया और भारत लौट आए।

बिड़ला धन शोधन निवारण अधिनियम और जमाकर्ताओं के हितों के संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठानों में) अधिनियम के तहत मामलों का सामना कर रहे हैं। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने भी बिड़ला के स्वामित्व वाली कई कंपनियों के खिलाफ कंपनी अधिनियम के तहत जांच शुरू की थी। जिसकी जांच अभी भी जारी है।

पायलटों को 1 लाख एक्स्ट्रा सैलरी देगी गो फर्स्ट

नौकरी छोड़ने से रोकने के लिए रिटेंशन अलाउंस का ऑफर, फ्लाइट 4 जून तक सस्पेंड

नई दिल्ली।
मुश्किलों में फंसी गो फर्स्ट एयरलाइन ने अपने पायलटों को नौकरी छोड़ने से रोकने के लिए हर महीने 1 लाख रुपए एक्स्ट्रा सैलरी देने का ऑफर दिया है। इसके साथ ही फर्स्ट ऑफिसर्स और को-पायलटों की सैलरी को 50 हजार रुपए बढ़ाने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने इस एक्स्ट्रा सैलरी देने के ऑफर को रिटेंशन अलाउंस नाम दिया है, जिसे 1 जून से लागू किया जाएगा। गो फर्स्ट ने अपने एम्प्लॉइज को एक्स्ट्रा सैलरी देने का यह ऑफर ऐसे समय में दे रही है जब 3 मई से उसकी सभी उड़ाने बंद हैं, जिसे आज एयरलाइन ने 30 मई से बढ़ाकर 4 जून तक कर दिया है। इसके साथ ही एयरलाइन दिवालिया कार्यवाही का भी सामना कर रही है।

इस्तीफा दे चुके पायलटों को भी एक्स्ट्रा सैलरी देने का ऑफर - गो फर्स्ट एयरलाइन ने एक्स्ट्रा सैलरी देने का यह ऑफर उन पायलटों को भी दिया है, जिन्होंने हाल ही में इस्तीफा दिया है। कंपनी ने ऐसे एम्प्लॉइज को रिटेंशन अलाउंस के लिए 15 जून तक अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए कहा है।

लॉन्गिविटी बोनस भी देगी कंपनी - एम्प्लॉइज को भेजे मेल में गो फर्स्ट एयरलाइन ने कहा है कि वह जल्द लंबे समय से काम कर रहे एम्प्लॉइज के लिए लॉन्गिविटी बोनस लेकर आएगी।

30 दिन के अंदर गो फर्स्ट को देना है रिवाइवल प्लान - इससे पहले 24 मई को एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने गो फर्स्ट को ऑपरेशन के रिवाइवल के लिए कॉम्प्रिहैन्सिव प्लान देने के लिए 30 दिन का समय दिया है। इसके अलावा डीजीसीए ने एयरलाइन से ऑपरेशनल एयरक्राफ्ट, पायलट और दूसरे अधिकारियों की उपलब्धता, मेनटेनेंस एग्रीमेंट और फंडिंग के स्टेटस और कई दूसरी डिटेल्स पेश करने को भी कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, गो फर्स्ट के एक बार रिवाइवल प्लान को जमा करने के बाद आगे उपयुक्त एक्शन के लिए डीजीसीए उसकी समीक्षा करेगा।

पायलटों को औसतन 5.30 लाख रुपए सैलरी दे रहा गो फर्स्ट - मीडिया रिपोर्ट की मानें तो गो फर्स्ट एयरलाइन पायलटों को औसतन 5.30 लाख रुपए हर महीने सैलरी दे रही है। रिटेंशन अलाउंस के बाद पायलटों की हर महीने की औसतन सैलरी 6.30 लाख रुपए हो जाएगी।

बीते नौ वर्षों में रक्षा निर्यात 23 गुना बढ़ा, मेड इन इंडिया रक्षा उत्पादों में भी इजाफा

नई दिल्ली । भारत का रक्षा निर्यात अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। पीआईबी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2013-14 में देश का रक्षा निर्यात 686 करोड़ रुपये था जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 16,000 करोड़ हो गया है। इस में 23 गुना की वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार रक्षा निर्यात में यह वृद्धि देश के वैश्विक रक्षा सामग्री निर्माण में बढ़ोतरी को दर्शाता है। भारत फिलहाल 85 से अधिक देशों को रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। भारत के रक्षा उद्योग ने वैश्विक मानकों के साथ उत्पादन करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। वर्तमान में एक सौ से अधिक फर्म रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। देश के रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बीते नौ वर्षों के दौरान कई नीतिगत कदम उठाए हैं। निर्यात की प्रक्रिया को पूर्व की तुलना में आसान किया गया है। इससे उद्योग जगत को काम करने में आसानी हो रही है। रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में भी सरकार इज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा दे रही है।

2005 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए उड़ी थी पहली फ्लाइट - गो फर्स्ट वाडिया ग्रुप की बजट एयरलाइन है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार 29 अप्रैल 2004 को गो फर्स्ट की शुरुआत हुई थी। नवंबर 2005 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए पहली फ्लाइट ऑपरेट की। एयरलाइन के बेड़े में 59 विमान शामिल हैं। इनमें से 54 विमान 320 एनईओ और 5 विमान 320 सीईओ हैं। गो फर्स्ट 35 डेस्टिनेशन के लिए अपनी फ्लाइट ऑपरेट करता है।

कई बार मुझे अभिनेता सामने उन्हें कम तवज्जो दी गई : अदा शर्मा

मुंबई (ईएमएस)। अदा शर्मा अपनी फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर लाइमलाइट में हैं। तमाम विवादों के बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया और अदा के अभियन को खूब वाहवाही मिली। अदा ने खुलासा किया है कि इंडस्ट्री में कई बार ऐसा हुआ है कि अभिनेता सामने उन्हें कम तवज्जो दी गई है। अदा शर्मा ने कई हिंदी और साउथ की फिल्मों में काम किया है। लंबे समय से इंडस्ट्री में धमाल मचा रही 31 साल की अदा ने बताया है कि वह कई अच्छे, बुरे और बदसूरत लोगों से मिली हैं। अदा ने कहा कि मैंने नॉर्थ से साउथ तक के लोगों के साथ काम किया है, जिसमें से कुछ अमेजिंग होते थे और कुछ नहीं। मुझे एहसास हुआ कि ये इंसान पर निर्भर करता है। अगर आपका डायरेक्टर अच्छा है, तब भाषा चाहे जो भी हो, सब अच्छा होता है, लेकिन अगर आपका डायरेक्टर अच्छा नहीं है, तब फिर कुछ अच्छा नहीं होता है। अदा ने बताया कि कैसे डायरेक्टर्स उन्हें कम तवज्जो देकर उन्हें इंतजार कराया करते थे। अदा ने कहा, मैं सभी जगह अच्छे, बुरे और बदसूरत लोगों से मिली हूं। मुझे बहुत अजीब लगता है कि वे पहले लड़की को कॉल करते हैं और फिर कहते हैं, इंतजार करो। जब वे देखते हैं कि अच्छा वह इंतजार कर रही है तब वह एक्टर के मैनेजर को कॉल करते हैं और उन्हें सेट पर आने के लिए कहते हैं, जबकि लड़की पहले से ही वहां मौजूद है। मैंने जेंडर के बेस पर भेदभाव झेला है। मुझे इस तरह के माहौल में काम करने में मजा नहीं आता है।

वेब सीरीज 'रफूचक्कर' का टीजर और पोस्टर रिलीज

जियो स्टूडियोज की आगामी कॉन ड्रामा वेब सीरीज रफूचक्कर का आज टीजर और पोस्टर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में मनीष पॉल के अलग अलग लूक काफी सुर्खियां बटोर रहा है। रफूचक्कर से ओटीटी स्पेस में डेब्यू करनेवाले अभिनेता मनीष पॉल इसमें एक ठग की दिलचस्प किरदार में नजर आनेवाले है। यह वेब सीरीज 15 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज होगी और इसमें मनीष पॉल को पहले कभी न देखे गए अवतार में दिखाया जाएगा।

अपनी कमाल की स्क्रीन प्रेजेंस और परफेक्ट कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाने वाले मनीष अपने प्रशंसकों को एक ऐसी भूमिका के साथ आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं, जो उनके अभिनय कौशल की सीमाओं के पार ले जाती है, जिसका गवाह यह ट्रेलर है जिसमें मनीष की अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा झलकती है। वह फिटनेस विशेषज्ञ से लेकर एक मोटे बूढ़े व्यक्ति तक, एक पंजाबी वेडिंग प्लानर से लेकर और कई किरदार के लिए अपने लुक्स से आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार है। रफूचक्कर दर्शकों को एक आकर्षक कहानी के साथ ठगीय पैंतरेबाजी से दर्शकों का मनोरंजन करने का वादा करती है। वेब सीरीज में नैनीताल के शांत पहाड़ी इलाकों से लेकर दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके तथा पुलिस स्टेशनों और अदालतों के दृश्यों का मिश्रण है। रफूचक्कर की दुनिया दर्शकों की दिलचस्पी को थामे रखते हुए तेज-तर्रार, नाटकीय और नुकीली है। यह कहानी हमें आधुनिक तकनीक और नवीनतम गैजेट्स का उपयोग करके किए गए अपराध को दिखाती है। साथ ही इसमें फेस-मैपिंग, डीप फेक, डिजिटल फुटप्रिंट मैपिंग से लेकर पुरानी जांच-पड़ताल शैली को शामिल कर इस शो को मनोरंजक और बेहद बुद्धिमान बनाने के बारे में बताया गया है।

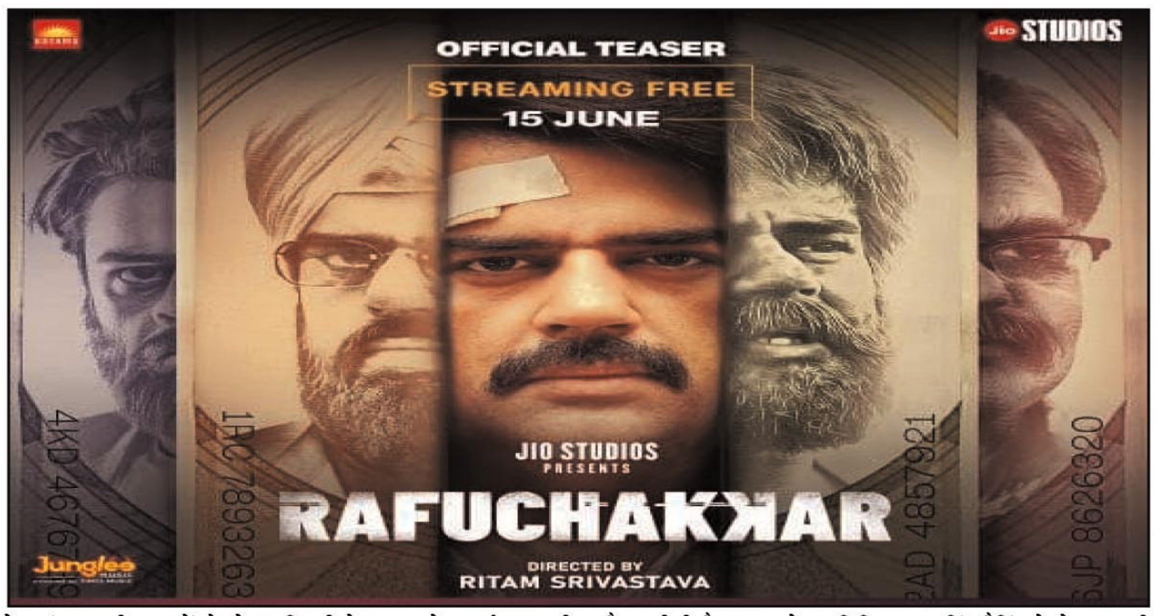

अक्षय व अनन्या अपकमिंग फिल्म शंकरा की शूटिंग में बिजी

-एक्टर्स को आईआईटी रुड़की में किया गया स्पॉट

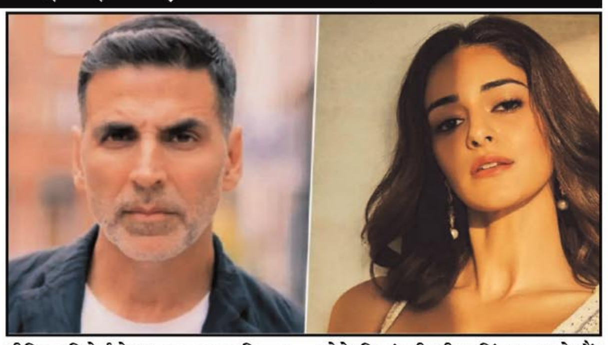

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर अक्षय कुमार और अदाकारा अनन्या पांडे अपनी अपकमिंग फिल्म शंकरा की शूटिंग में व्यस्त हैं। विगत दिवस शुक्रवार को एक्टर्स को आईआईटी रुड़की में स्पॉट किया गया। सोशल मीडिया पर इनका स्पॉटिंग वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों को सेट पर जाते हुए देखा जा सकता है। अक्षय कुमार एक वर्ष में 4 से 5 फिल्में शूट करने के लिए जाने जाते हैं। वह फिल्मों की शूटिंग स्टार्ट टू फिनिश करते हैं। हाल ही में उन्हें केदारनाथ मंदिर में पूजा-पाठ करते हुए देखा गया था। अब उन्हें फिल्म शंकरा के सेट पर देखा गया है। वह आईआईटी रुड़की कैंपस में आते हुए नजर आ रहे हैं। मूवी शंकरा की घोषणा अभी तक नहीं की गई है और न ही इस फिल्म से जुड़ी कोई जानकारी सामने आई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह फिल्म सी शंकर नायर पर आधारित है। फिल्म का टाइटल द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकर नायर होगा। फिल्म में अक्षय कुमार एक वकील और एक्टिविस्ट के रोल में होंगे। वहीं, अनन्या पांडे उनके जूनियर की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर कर रहे हैं। वहीं खबर है कि अक्षय कुमार बड़े मियां छोटे मियां की भी शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में टाइगर श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं। अक्षय कुमार जल्द ही ओ माई गॉड 2 में नजर आएंगे। इसमें यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी भी नजर आएंगे। वहीं, अनन्या पांडे को फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में देखा जाएगा। इसके पहले उनकी फिल्म लाइगर आई थी जो कि बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।

आईफा 2023 में अर्पिता संग थिरके सलमान खान

आईफा 2023 के फंक्शन से एक्टर सलमान खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बहन अर्पिता खान के साथ खूब थिरकते नजर आ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सलमान खान ने यह वीडियो खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्टर सौदा खरा-खरा गाने पर बहन अर्पिता के साथ थिरकते नजर आ रहे हैं। अर्पिता खान आगे खड़ी हैं और पीछे खड़े सलमान खान उनके हाथों को पकड़कर गाने को एंजॉय कर रहे हैं। इस दौरान अर्पिता बेहद खुश नजर आ रही हैं। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस भाई-बहन की बॉन्डिंग को खूब पसंद कर रहे हैं।

वहीं, सलमान खान के काम की बात करें तो एक्टर जल्द ही फिल्म टाइगर 3 में कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी के साथ नजर आएंगे। ये फिल्म दीवाली, 2023 पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

आइफा में राखी सावंत का अवतार देख डरीं सारा अली खान, वीडियो वायरल

मनोरंजन की दुनिया में चर्चित 'आइफा' सबसे चर्चित इवेंट में बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने शिरकत की। आइफा इवेंट की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। आइफा समारोह में शामिल होने के लिए पहुंची राखी सावंत का अवतार देखकर सारा अली खान डर गईं। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। आइफा अवॉर्ड समारोह में बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और राखी सावंत भी शामिल हुईं। इस मौके के लिए लाल रंग की ड्रेस पहन सारा ग्लैमरस लग रही थीं। वहीं आइफा इवेंट के लिए राखी सावंत ने रेड गाउन पहना था। इसके साथ ही राखी ने मैचिंग डिजाइनर हैट पहनकर ड्रेस को स्टनिंग लुक दिया। आईफा समारोह के दौरान राखी और सारा का एक वीडियो पैपराजी ने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। इस वीडियो में सारा को कुछ नहीं सूझता तो रोने जैसे शक्ल बनाकर वह राखी से कहती हैं, 'तुझे पाप लगेगा'। यह सुनकर राखी कहती हैं कि मुझे पाप लगेगा तो लगने दो, अब मैं डांस भी करूंगी, पाप लगता है तो लगे। इसके बाद दोनों सारा की आने वाली फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' के सॉन्ग 'बेबी तुझे पाप लगेगा' गाने पर थिकरती नजर आती हैं। सारा और राखी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। काम की बात करें तो सारा अली खान फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह विक्की कौशल के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

भोजपुरी गीत 'करिया मोर बलमुआ' हुआ पॉपुलर

भोजपुरी के मशहूर सिंगर राकेश तिवारी और नेहा राज की मधुर आवाज में रिलीज हुआ करिया मोर बलमुआ गीत इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर इसे रिलीज किया गया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस सिमरन श्रीवास्तव ने धमाकेदार परफॉर्मेंस दिया है। इस गाने के वीडियो में सिमरन श्रीवास्तव ने अपने एक्सप्रेशन और अदाओं से लोगों का दिल जीत लिया है। उनकी अदाएं भोजपुरिया दर्शकों को दीवाना बना रही हैं। इस गाने का बोल बड़ा प्यारा है। राकेश तिवारी कहते हैं कि 'रही बहरा त घरवा बसा लेहलु, केहू दूसरा के सेनुरा सजा लिहलु... चुनरी बिहउति ओढ़ले फोटो जयमाला वाला, देखनी त जिउवा हहरि गइल...' तो सिंगर नेहा राज कहती हैं कि 'तउवउ के पेनिया से करिया मोर बलमुआ, करम जरि गइल...' यह गाना देखने और सुनने में बहुत अच्छा लग रहा है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत इस गाने के वीडियो को बेहतरीन लोकेशन पर शूट किया गया है। वीडियो में एक्टर और एक्ट्रेस की केमिस्ट्री सुपर से ऊपर वाली है। गाने के बीच बीच में राकेश तिवारी भी नजर आ रहे हैं। इस गाने के निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं। इस गाने को सिंगर राकेश तिवारी और नेहा राज ने गाया है। इसके लिरिक्स बिट्टू विद्यार्थी ने लिखे हैं। इसका म्यूजिक बिट्टू विद्यार्थी ने दिया है। वीडियो निर्देशन रवि पंडित ने किया है। एडिट दीपक पंडित, कोरियोग्राफर विशाल गुप्ता और डीआई रोहित ने किया है।

अभिनेता धनुष को नए लुक में पहचनाना भी हुआ मुश्किल, तस्वीरें वायरल

एयरपोर्ट पर हमेशा एक्टर और एक्ट्रेस के कई वीडियो वायरल होते रहते है। ऐसा ही एक मशहूर अभिनेता का वीडियो वायरल हो गया है, लेकिन उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म के लिए दाढ़ी और बाल बढ़ा लिए हैं। अभिनेता ने कैजुअल पैंट और हुडी पहन रखी थी और आंखों पर चश्मा लगा रखा था। उनके बाल और दाढ़ी भी बढ़ी हुई नजर आ रही है। उनके फैंस एयरपोर्ट पर सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को पैपराजी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। यह वीडियो साउथ के सुपरस्टार धनुष का है। इसी बीच कुछ दिनों पहले धनुष ने खुद अपनी फोटोज शेयर की थीं। फैंस को इसमें उनका नया लुक देखने को मिला। इस नए लुक में धनुष को पहचानना मुश्किल हो गया है। उनके फैंस इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि वह इस लुक के साथ किस फिल्म में नजर आएंगे।

फिल्म 'आदिपुरुष' का दूसरा गाना 'राम सिया राम' हुआ लॉन्च

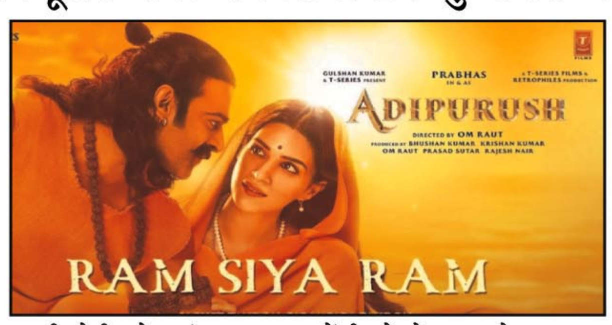

निर्देशक ओम राउत की बहुप्रतीक्षित फिल्म आदिपुरुष इस समय सुर्खियों में है। इस फिल्म में अभिनेता प्रभास प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाएंगे। आदिपुरुष के ट्रेलर और पहले गाने जय श्री राम को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिलने के बाद अब मेकर्स ने फिल्म का दूसरा गाना राम सिया राम... रिलीज कर दिया है। इस गीत की शुरूआत भगवान श्रीराम और माता जानकी के संवाद से होती है। राघव अपनी पत्नी जानकी को संबोधित करते हैं तुम राजकुमारी हो जानकी, तुम्हारी जगह महलों में है..., जिसके बाद गाना शुरू होता है। 2 मिनट 50 सेकेंड के इस गाने में भगवान श्रीराम और माता जानकी के बीच उनके 14 साल के वनवास के दौरान के संवाद को दशार्या गया है। संगीत उद्योग में लोकप्रिय और वर्तमान अग्रणी जोड़ी सचेत-परंपरा द्वारा इस गीत को संगीतबद्ध और गाया गया है। फिलहाल यूजर्स इस जोड़ी की प्रशंसा कर रहे हैं। इस गाने के गीतकार मनोज मुंतशिर शुक्ला हैं। इस गाने को सोमवार 29 मई को सभी म्यूजिक चैनल्स, फिल्म चैनल्स, रेडियो स्टेशन्स और तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज कर दिया गया है। रिलीज होने के महज आधे घंटे में ही गाने को 5 लाख से ज्यादा व्यूज मिल गए। इस गाने को फैंस से भी भरपूर प्यार मिल रहा है। फिल्म आदिपुरुष में अभिनेता प्रभास भगवान श्रीराम के रोल में नजर आएंगे, वहीं एक्ट्रेस कृति सेनन सीता के रोल में नजर आएंगी। मराठमोला अभिनेता देवदत्त नागे फिल्म में हनुमान की भूमिका निभाएंगे। फिल्म 16 जून को पर्दे पर आएगी।

बाबिल खान ने अपना पहला आइफा अवार्ड जीतने के बाद पिता इरफान खान को याद किया

अभिनेता इरफान खान को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। उनकी फिल्में आज भी दर्शकों द्वारा दिलचस्पी के साथ देखी जाती हैं। अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए उनके बेटे बाबिल खान ने भी फिल्म "काला" से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। बाबिल को उनकी पहली फिल्म "काला" के लिए "आइफा" समारोह में बेस्ट डेब्यू मेल के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। "आइफा" अवॉर्ड जीतने के बाद मौजूद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बाबिल ने अपने पिता इरफान खान को याद किया। इस दौरान बाबिल ने कहा, "मैं उन्हें हर दिन मिस करता हूं। बचपन में मेरे ज्यादा दोस्त नहीं थे, मेरे पापा ही मेरे इकलौते दोस्त थे। मैं पापा के साथ हंसते-हंसते समय बिताना कभी नहीं भूलूंगा। आइफा अवॉर्ड जीतने के बाद बाबिल ने फिल्म की पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने आगे कहा, "भविष्य में मैं आइफा बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीतने के लिए और मेहनत करूंगा, इसलिए कृपया अपना प्यार और आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ बनाए रखें।" फिल्म "काला" में बाबिल खान के साथ तृप्ति डिमरी और स्वस्तिका मुखर्जी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। बाबिल आने वाले समय में शूजीत सरकार की वेब सीरीज "द रेलवे मेन" में नजर आएंगे। इंडस्ट्री के कई लोग इरफान खान के साथ-साथ उनके फैंस का भी समर्थन कर रहे हैं। फिल्म "काला" को दर्शक ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

आईफा में हुस्न के जलवे बिखेर रही जैकलीन

इंटरनेशनल इंडियन भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आईफा) 2023 में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस अपने हुस्न के जलवे बिखेर रही हैं। जैकलीन ने इवेंट से अपनी कुछ ग्लैमरस लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर आते ही आग की तरह फैल गईं। जैकलीन का ये लुक फैंस का खूब पसंद आ रहा है और वे उनकी कमेंट कर जमकर तारीफ कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में जैकलीन फर्नांडिस व्हाइट गाउन में परियों सी खूबसूरत लग रही हैं। गाउन के फ्रंट पर गोल्डन कलर का वर्क हुआ है। साड़ी कम स्टाइल गाउन का पलू फ्लोर को टच कर रहा है। कानों में गोल्डन इयररिंग्स, मिनिमल मेकअप और डार्क लिपस्टिक से लुक को कंप्लीट करती हुई जैकलीन का हुस्न देखते ही बन रहा है। अपने लुक से सबको इम्प्रेस करते हुए एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टाइलिश पोज दे रही हैं। काम की बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस को आखिरी बार फिल्म सेल्फी में देखा गया था।

शवार्नंद की कार का हुआ एक्सीडेंट

साउथ के एक्टर शवार्नंद की कार का एक्सीडेंट हो गया है, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा। हालांकि इस हादसे में शवार्नंद को ज्यादा चोटें नहीं आई हैं। एक्टर की टीम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, दुर्घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई है। उनकी (शवार्नंद) कार में कुछ स्क्रैचेस आए हैं, जो कि मामूली हैं। चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह दुर्घटना रविवार सुबह हैदराबाद के फिल्मनगर जंक्शन पर हुई। बताया जा रहा है कि शवार्नंद अपनी रेंज रोवर कार से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कार से अपना कंट्रोल खो दिया और यह डिवाइडर से जा टकराई। मौके पर एक्टर को ट्रीटमेंट के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं, कुछ रिपोट्र्स में दावा किया जा रहा है कि शवार्नंद रॉन्ग साइड से आ रहे और एक मोटर साइकिल सवार को बचाने के लिए कार का स्टीयरिंग घुमाया था, जिससे उनकी गाड़ी अनकंट्रोल हो गई और उनका एक्सीडेंट हो गया।

सूडोकु नवताल- 6447

★★★✫✩ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6446 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्दजाल - 7194

शब्दजाल में दस बेहतरीन फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मदर इंडिया,दो बीघा जमीन, आवारा, प्यासा, वक्त, आलमआरा,मुगले आजम, देवदास, हम दिल दे चुके सनम, ब्लैक,

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	त्त	ल
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल

शब्दजाल - 7193 का हल

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6147

3		4	6			7
	32		32	1	30	3
1		5		3		2
	35		35		32	
7		6		4		
	34	1	34	5	28	4
4	3	2			1	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6146 का हल

3	1	4	6	2	5	7
5	32	7	32	1	30	3
1	6	5	4	3	7	2
2	26	3	37	7	37	6
4	3	2	7	6	1	5
6	34	1	34	5	28	4
7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

जडेजा ने आखिरी 2 गेंद पर 10 रन बनाए..चेन्नई चैंपियन: चेन्नई ने पांचवीं बार आईपीएल का खिताब जीता, धोनी ने की रोहित की बराबरी

अहमदाबाद।
चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2023 का खिताब जीत लिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में चेन्नई ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। 25 गेंद पर 47 रन बनाने वाले डेवोन कॉन्वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे। चेन्नई को आखिरी दो गेंदों पर 10 रन की जरूरत थी। रवींद्र जडेजा ने पांचवीं गेंद पर छक्का और आखिरी गेंद पर चौका जमाकर चेन्नई को पांचवीं बार आईपीएल चैंपियन बना दिया। इसी के साथ कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सबसे ज्यादा आईपीएल खिताब जीतने के मामले में रोहित की बराबरी कर ली। रोहित ने अपनी कप्तानी में मुंबई को पांच बार विजेता बनाया है। अब धोनी भी चेन्नई को पांच बार चैंपियन बना चुके हैं। चेन्नई ने इससे पहले 2010, 2011, 2018 और 2021 में खिताब जीता था।

15 ओवर में बनाए 171 रन – रिजर्व डे के दिन खेले गए फाइनल मुकाबले में धोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर 214 रन बनाए। साई सुदर्शन ने 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। बारिश के कारण चेन्नई को 15 ओवर में 171 रन का टारगेट में मिला। टीम ने इसे 5 विकेट खोकर 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। आखिरी ओवर में चेन्नई को 13 रन की जरूरत थी। मोहित शर्मा के सामने शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा स्ट्राइक पर थे।

साई सुदर्शन – टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात से साई सुदर्शन ने 47 बॉल पर 96 रन की पारी खेली। उन्होंने ऋद्धिमान साहा और कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। उनकी पारी के दम पर गुजरात ने 20 ओवर में 214 रन बनाए।

कॉन्वे-गायकवाड की पार्टनरशिप – 15 ओवर में 171 रन के रिवाइज्ड टारगेट का पीछा करने उतरी चेन्नई को ऋतुराज गायकवाड और डेवोन कॉन्वे ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 74 रन की पार्टनरशिप की।

नूर और मोहित की बॉलिंग – दूसरी पारी में नूर अहमद और मोहित शर्मा ने गुजरात को मैच में बनाए रखा। नूर ने 3 ओवर में महज 17 ही रन देकर 2 विकेट लिए, वहीं मोहित ने 36 रन देकर 3 विकेट लिए।

चेन्नई के बैटर्स का केमियो – ओपनर्स की शानदार शुरुआत के बाद चेन्नई के 3 बैटर्स ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। वहीं शिवम दुबे 21 गेंद पर 32 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके अलावा अजिंक्य रहाणे ने 27, अंबाती रायडू ने 19 और जडेजा ने 15 रन बनाए। इन सभी की पारियों के दम पर चेन्नई ने 15 ओवर में 171 रन का टारगेट हासिल कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

नामीबिया ने अंडर19 क्षेत्रीय क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की

विंडहोक। क्रिकेट नामीबिया ने 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जो जुलाई में अंडर-19 पुरुष क्षेत्रीय विश्व कप क्वालीफायर में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। नामीबियाई टीम का मुकाबला नाइजीरिया, सिएरा लियोन, केन्या, युगांडा और मेजबान देश तंजानिया से होगा। क्रिकेट के लिए देश के शासी निकाय क्रिकेट नामीबिया के अनुसार, चयनकर्ताओं द्वारा प्रशिक्षण, निगरानी और ट्रैकिंग की गहन अवधि के बाद टीम का चयन किया गया । क्रिकेट नामीबिया के नवनियुक्त अंडर 19 कोच, ऑस्कर नौहौस ने कहा, टीम में अनुभव का खजाना है, जिसमें कुछ सदस्य पिछले अंडर19 विश्व कप क्वालीफायर में भाग ले चुके हैं। टीम के पास कई तरह के कौशल हैं जो हमें अनुकूलन क्षमता और लचीलापन प्रदान करेंगे। इस बीच, क्रिकेट नामीबिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जोहान मुलर ने कहा कि चयन प्रक्रिया अगस्त 2022 में शुरू हुई थी। इसमें कई टूर्नामेंट, टूर, ट्रायल वीकेंड और कैंप शामिल थे। 2024 में श्रीलंका में अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में सोलह टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। अफ्रीका क्षेत्रीय क्वालीफायर में भाग लेने वाली छह टीमें 11 पूर्ण सदस्य टीमों के साथ विश्व कप में एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, जो इस आयोजन के लिए स्वचालित रूप से क्वालीफाई कर चुकी हैं। क्वालीफायर तंजानिया में 21 से 31 जुलाई तक चलने वाले हैं।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहते हैं प्रणॉय

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ी एच.एस प्रणॉय का लक्ष्य विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना है। प्रणय ने इस साल अभी तक शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व में सातवां स्थान हासिल कर लिया है। थॉमस कप जीतने के साथ से ही उन्होंने कई बड़े टूर्नामेंट भी जीत हैं। इस कारण वह यहां तक पहुंचे हैं। उनके लिए पिछला साल काफी अच्छा बीता और इस साल भी उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है हालांकि इस खिलाड़ी के लिए पिछले कुछ साल कठिन रहे थे। इस खिलाड़ी ने कहा कि साल में 2021-22 में मेरी रैंकिंग 32-33 तक चली गई थी। वहां से शीर्ष-10 में आना काफी मुश्किल था। मैंने पिछले डेढ साल में काफी मेहनत की जिसका मुझे ये फल मिला। करियर में बहुत सारे मोड़ आये हुए हैं। पिछले साल थॉमस कप भी करियर का एक बड़ा टर्निंग अंक था। टीम के लिए भी और निजी तौर पर मेरे लिए भी। थॉमस कप जीतने के बाद काफी आत्मविश्वास मिला था। इसके बाद बाकी जो टूर्नामेंट मिले उसमें काफी अच्छा परफॉर्म कर पाया। इससे यह पता चलता है कि पिछले साल मेरे खेल में काफी निरंतरता थी। इस टूर्नामेंट से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मेहनत जारी रखने का साहस मिला। पिछले साल थॉमस कप और एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में हमने अच्छा परफॉर्म किया है।

नाबालिग पहलवान के चाचा का रेसलर्स पर आरोपः बोले- भाई को नौकरी का झांसा देकर भतीजी को बनाया विक्टिम; पारिवारिक विवाद भी चल रहा

रोहतक। रेसलर्स विवाद में नाबालिग पहलवान के चाचा ने साक्षी मलिक, विनेश फोगाट समेत अन्य पहलवानों पर आरोप लगाए हैं। रोहतक में प्रेसवार्ता कर उन्होंने कहा कि जिसे सब नाबालिग समझ रहे हैं, वह गलत है। भाई को नौकरी का लालच देकर उसकी भतीजी को विक्टिम बनाया गया है। जबकि नाबालिग के पिता ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया और कहा कि 7 साल से उनका विवाद चल रहा है। जिसके कारण वे अलग रहते हैं। अपनी रंजिश निकालने के लिए ऐसी हरकत करता है। 10 दिन पहले उनके घर पहुंची तो उन्हें इसकी जानकारी मिली। टीम ने बताया कि उसकी भतीजी को नाबालिग दिखाकर विक्टिम बनाया गया है, जबकि उसकी भतीजी की उम्र 19 साल है। इसलिए पॉक्सो एक्ट नहीं बनता। पूछताछ के बाद उसकी मां का भी बुरा हाल है। इसके बाद उसने अपने भाई से बातचीत की और उसे समझाया। साथ ही उन्होंने खाप पंचायतों और किसान नेताओं से भी अपील की कि इन झूठे आसूंओं की भावनाओं में न बहकर अराजकता न फैलाएं। कोर्ट में मामला चल रहा है। कोर्ट ही मामले में निर्णय करेगा। उसके भाई ने करीब 4 महीने पहले इसका जिक्र किया था। जिसमें महाबीर अखाड़े के संचालक ने उसके भाई को नौकरी के नाम पर विक्टिम बनाकर फंसाया। उसके भाई ने बताया था कि उसकी नौकरी की व्यवस्था हो जाएगी। जिस पर उसने कहा कि नौकरी मेडल लाने पर मिलेगी, इस तरह नहीं। उसके बाद इस बात का कोई जिक्र नहीं हुआ। चाचा ने कहा कि वह खुद अपनी भतीजी को अखाड़े में लेकर गया था। साल 2016 की जनवरी से उसकी भतीजी ने अखाड़े में लाकर प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। करीब एक साल तक उसने खुद अभ्यास करवाया, लेकिन उसके बाद उसका भाई अगल रहने लगा और खुद ही बच्ची को अभ्यास करवाने लगा। उसकी भतीजी कई मेडल जीत चुकी है।

70 हजार करोड़ का आईपीएल एक मैच से कमाई 130 करोड़

आईपीएल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग मगर प्लेयर्स पर खर्च में पीछे

नई दिल्ली ।
हर साल आईपीएल का बिगुल बजने का इंतजार भारत की लगभग आधी आबादी कर रही होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी इसी बेकरारी ने आईपीएल की कमाई में 12 गुना इजाफा किया है। कमाई किस तरह बढ़ी, इसे यूं समझिए। आईपीएल के मैच टेलीकास्ट के राइट्स की डील 5 साल से 10 साल के लिए होती है। मगर इसे औसत सालाना कमाई में बांटें तो 2008 में आईपीएल ने मीडिया राइट्स बेचकर 820 करोड़ रुपए कमाए थे। 2023 में ये कमाई बढ़कर 9,978 करोड़ रुपए हो चुकी है। आईपीएल के पैदा होने से पहले ही बीसीसीआई का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड का खिताब पा चुका था। अब बीसीसीआई के लिए आईपीएल सबसे कमाऊ पूत साबित हुआ है। 2006-07 में बीसीसीआई की कमाई 651.81 करोड़ रुपए थीज्और 2021-22 में बोर्ड की कुल कमाई 4,360 करोड़ हो गई। इसमें अकेले आईपीएल का योगदान ही करीब 2,200 करोड़ रुपए था। 2019 में आईपीएल की ब्रांड वैल्यू 47,500 करोड़ रुपए थी। ब्रांड फाइनेंस की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में आईपीएल की ब्रांड वैल्यू बढ़कर करीब 70 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। एक मैच से कमाई के मामले में आईपीएल अब सिर्फ अमेरिका के एनएफएल से ही पीछे है। एक मैच से व्यूअरशिप, स्पॉन्सरशिप, लाइसेंसिंग और टिकट सेल को मिलाकर आईपीएल करीब 130 करोड़ रुपए कमाता है। हालांकि, प्लेयर्स पर खर्च के मामले में आईपीएल बाकी स्पोर्टिंग लीग्स से अभी काफी पीछे है। हम आपको बताएंगे कि दुनिया की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स लीग में शुमार हो चुकी आईपीएल का अर्थशास्त्र क्या है पहले समझिए आईपीएल से बीसीसीआई की कमाई कैसे होती है आज आईपीएल किसी भी बड़े कॉरपोरेट घराने जैसी एक इकोनॉमिक मशीन है। इसके संचालन का पूरा अधिकार बीसीसीआई के पास है। आईपीएल की कमाई को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है।

पहला हिस्सा सेंट्रल पूल : सेंट्रल पूल में तीन सोर्स से कमाई आती है। और बंटती भी तीन हिस्सों में है।

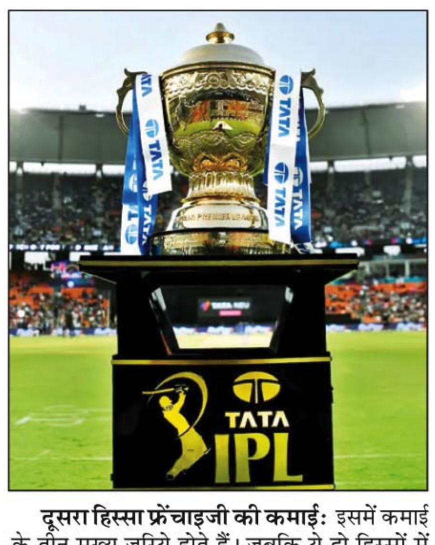

दूसरा हिस्सा फ्रेंचाइजी की कमाई: इसमें कमाई के तीन मुख्य जरिये होते हैं। जबकि ये दो हिस्सों में बंटती है। 80प्रतिशत हिस्सा फ्रेंचाइजी को मिलता है।

तीसरा हिस्सा फ्रेंचाइजी फीस : आईपीएल में आने वाली हर टीम का ओनर ऑक्शन के जरिये तय होता है। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को टीम की फ्रेंचाइजी दी जाती है।

ये वन टाइम फ्रेंचाइजी फीस पूरी तरह बीसीसीआई के खाते में जाती है। मीडिया राइट्स है आईपीएल की कमाई का सबसे बड़ा जरिया मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, यानी आईपीएल के मैचों के टेलीकास्ट करने का अधिकार। मैच के लाइव टेलीकास्ट के अलावा हाइलाइट्स तक सिर्फ वही कंपनी दिखा सकती है जिसके पास मीडिया राइट्स हों। आईपीएल 2023 के लीग स्टेज में कुल 70 मुकाबले खेले गए। जिन्हें जियो सिनेमा और स्टार स्पोर्ट्स पर करोड़ों लोगों ने लाइव देखा। ये मीडिया राइट्स आईपीएल ऑक्शन के जरिये बेचता है। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को मैच दिखाने के राइट्स मिल जाते हैं। 2008 यानी आईपीएल के पहले सीजन में सोनी इंटरटेनमेंट ने 10 सालों के लिए मीडिया राइट्स हासिल किए थे। इसके लिए सोनी ने कुल 8,200 करोड़ बीसीसीआई को दिए। मीडिया राइट्स की कीमत लगातार बढ़ती है, क्योंकि आईपीएल की सबसे बड़ी ताकत उसकी व्यूअरशिप है कोई भी प्रोडक्ट तब सक्सेसफुल माना जाता है, जब उसकी ऑडियंस बड़ी हो। वो लोगों का अटेंशन खींच रहा हो, फिर इसी अटेंशन के दम पर कंपनियां विज्ञापन देती हैं और कमाई का रास्ता खुल जाता है। क्रिकेट या किसी भी खेल में पैसे का सबसे बड़ा सोर्स अलग-अलग कंपनियों के विज्ञापन ही हैं। जिसकी कीमत मैच की व्यूअरशिप पर डिपेंड करती है। साल 2008 में आईपीएल के 10.2 करोड़ व्यूअर थे। जो साल 2023 में 40 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं। सेंट्रल पूल की कमाई का दूसरा बड़ा हिस्सा है टाइटल स्पॉन्सरशिपज्नाम जोड़ने में करोड़ों खर्च आईपीएल को सिर्फ आईपीएल नहीं, टाटा आईपीएल कहा जा रहा है। मतलब लीग से पहले किसी ब्रांड का नाम। जैसे 2008 में ष्ठस्न्न आईपीएल कहा जाता था। इसे ही टाइटल स्पॉन्सरशिप कहते हैं, जिसके लिए कंपनियां बोली लगाकर डील हासिल करती हैं। साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना 50 करोड़ दिए गए थे, वहीं 2023 में ये आंकड़ा सालाना 300 करोड़ से ज्यादा है। टाटा और बीसीसीआई के बीच दो साल की डील हुई है, जिसके लिए कुल 600 करोड़ दिए गए।

टाइटल स्पॉन्सरशिप के अलावा भी कमाई – टाइटल स्पॉन्सरशिप के अलावा ऑफिशियल स्पॉन्सर, अंपायर स्पॉन्सर और स्ट्रैटेजिक टाइम आउट स्पॉन्सर भी होते हैं। जिससे साल 2022 में करीब 270 करोड़ की कमाई हुई। इसके अलावा मैच के दौरान ग्राउंड पर लगने वाले विज्ञापनों से भी बीसीसीआई की कमाई होती है। फ्रेंचाइजी की कमाई है आईपीएल के अर्थशास्त्र का दूसरा हिस्सा अभी आईपीएल में 10 टीमें हैं। हर टीम को सेंट्रल पूल से कुछ राशि मिलती है। इसके अलावा ये अपने स्तर पर भी खासी कमाई करते हैं।

सेमीफाइनल में कोरिया की चुनौती के लिए तैयार भारत

ओमान।
थाईलैंड पर 17-0 की शानदार जीत के बाद भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ओमान के सलालाह में पुरुष जूनियर एशिया कप 2023 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके बाद, भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई किया, जो 5 से 16 दिसंबर तक कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित किया जाएगा। भारत अब फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में कोरिया से भिड़ेगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी मैच पर चर्चा करते हुए कहा, हमारे शिविर में अच्छा माहौल है। हमारे टूर्नामेंट के लक्ष्यों में से एक जूनियर हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई करना था, उसे हासिल कर लिया है। हम एशिया की शीर्ष टीमों में से एक हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि हम जूनियर पुरुष एशिया कप में भी अच्छा प्रदर्शन करें। हमने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है, और सेमीफाइनल में भी ऐसा करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, जब हम शिविर में तैयारी करते हैं, तो हमें कभी नहीं पता होता है कि हमें किस चरण में किस टीम का सामना करना है। इसलिए, हम हमेशा अपनी योजनाओं और लक्ष्यों को ध्यान में रखते हैं और किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ टिके रहने की पूरी कोशिश करते हैं। भारत ने टूर्नामेंट के पूल चरण को नाबाद समाप्त किया, चीनी ताइपे के खिलाफ अपना पहला मैच 18-0 से जीता और इसके बाद जापान पर 3-1 से जीत दर्ज की। पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों पाकिस्तान के खिलाफ, भारत ने रोमांचक 1-1 से ड्रॉ अर्जित किया और फिर पूल ए में थाईलैंड को 17-0 से हराकर शीर्ष पर पहुंचा। टीम के अब तक के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर, भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच सीआर कुमार ने कहा, हमें हमेशा इस टीम पर भरोसा रहा है। हमने एक लंबा शिविर आयोजित किया और हमने हॉकी इंडिया और साई की मदद से अच्छी तैयारी की। हम कोरिया के खिलाफ अच्छे मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं। टीम ने टूर्नामेंट में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है, और हम अपनी योजनाओं पर कायम हैं।

जम्मू डिवीजन का इंटर डिवीजन यूटी खेल प्रतियोगिताओं में दबदबा, कुछ इस तरह मारी बाजी

जम्मू।
युवा, सेवा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित अंतर डिवीजन यूटी स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में जम्मू संभाग के खिलाड़ियों का दबदबा रहा है। जम्मू डिवीजन ने कश्मीर डिवीजन को मात देकर अंतर डिवीजन यूटी स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर अंडर 19 लड़कों एवं लड़कियों ने बैडमिंटन, हाकी, वालीबाल और टेबल टेनिस के खिताब जीते हैं।

अलग-अलग खेलों में मारी बाजी

जम्मू के मौलाना आजाद स्टेडियम और केके हक्कू एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में विभिन्न खेलों के मुकाबले हुए। लड़कों के बैडमिंटन फाइनल में जम्मू डिवीजन ने कश्मीर डिवीजन को 2-1 से मात देकर बाजी मारी। लड़कों के वर्ग के हॉकी के मुकाबले में जम्मू डिवीजन ने कश्मीर डिवीजन को 2-1 गोल से परास्त किया। वहीं, लड़कियों के वर्ग में जम्मू डिवीजन ने कश्मीर डिवीजन को एकतरफा मुकाबले में 5-0 गोल से पराजित किया। लड़कों के वॉलीबाल मुकाबले में जम्मू डिवीजन ने कश्मीर डिवीजन को 3-2 सेट से मात दी।

अंडर 19 जूडो में अमिश शर्मा ने हासिल किया पहला स्थान

अंडर 19 लड़कों के जूडो के 40 किलोग्राम से नीचे के भार वर्ग में जम्मू के अमिश शर्मा ने पहला स्थान हासिल किया। 45 किलोग्राम से नीचे के भार वर्ग में

जम्मू के सुमित लाल पहले, 50 किलोग्राम से नीचे के भार वर्ग में हितैष मेहरा ने पहला, 55 किलोग्राम से नीचे के भार वर्ग में कश्मीर डिवीजन के महफूज शाह अव्वल रहे। 60 किलोग्राम से नीचे के भार वर्ग में कश्मीर डिवीजन के मीर फैजान, 66 किलोग्राम से नीचे के भार वर्ग में कश्मीर डिवीजन के आकिब रुमजा, 70 किलोग्राम से नीचे के भार वर्ग में जम्मू डिवीजन के विश्वास जम्वाल और 90 किलोग्राम से ऊपर के भार वर्ग में जम्मू डिवीजन के तरुण सिंह पहले स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब रहे। तो वहीं, लड़कियों के जूडो के 36 किलोग्राम भार वग्र में जम्मू की सुखु देवी, 40 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू की सोनाली शर्मा, 44 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू की मानवी देवी, 48 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू की सिमरण शर्मा, 52 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू की संस्कृति राजपूत, 57 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू की नेहा और 78 किलोग्राम से ऊपर के भार वर्ग में जम्मू की अंशिका शर्मा पहले स्थान पर रहीं।

पहलवानों से हुए व्यवहार से दुखी होकर सो नहीं पाया, खिलाड़ियों को बचाने खेल संगठन स्वतंत्र सुरक्षा उपाय करें : बिंद्रा

नई दिल्ली ।
ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने पहलवानों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की दमनकारी कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि ये बेहद दुखद है। बिंद्रा ने कहा कि जिस प्रकार पहलवानों से व्यवहार किया गया उसे देखकर वह रात भर सो नहीं पाये। उन्होंने साथ ही कहा कि विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने के दौरान पुलिस द्वारा धक्का-मुक्की को रोकने के लिए खेल संगठनों को स्वतंत्र रुप से सुरक्षा उपाय करने चाहिये। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पदक विजेता पहलवानों के साथ धक्का-मुक्की की थी और उन्हें हिरासत में ले लिया था।

इस दौरान पुलिस ने जंतर मंतर पर उनके धरना स्थल पर लगे टेंट को भी हटा दिया था। इस दौरान पुलिस ने बजरंग पुनिया व साक्षी मलिक और एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता विनेश फोगाट और उनकी बहन संगीता फोगाट से भी धक्का-मुक्की कर उन्हें घसीटकर बस में डाला था। इसके बाद उन्हें दिल्ली के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया और देर रात तक वहीं रखने के बाद छोड़ा गया। बिंद्रा ने कहा, पिछली रात नींद नहीं आई, मेरे साथी पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के बल प्रयोग की बर्बर तस्वीरों से परेशान था। यह सही समय है कि हम सभी खेल संगठनों में स्वतंत्र सुरक्षा उपाय स्थापित करें। बिंद्रा ने कहा, हमें यह तय करना चाहिए कि यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो उनसे अत्यंत संवेदनशीलता और सम्मान के साथ निपटा जाए। प्रत्येक एथलीट एक सुरक्षित और सशक्त वातावरण का अधिकारी है।

गौरतलब है कि महिला पहलवान साक्षी मलिक, जिन पर कथित तौर पर दंगा करने और सार्वजनिक सेवक को ड्यूटी के निर्वहन में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है, ने विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के साथ नए संसद भवन की ओर मार्च करते हुए अपने और साथी पहलवानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर निराशा जताई। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, दिल्ली पुलिस को लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने वाले बृजभूषण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में 7 दिन लग गए और शांतिपूर्वक विरोध करने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में 7 घंटे भी नहीं लगे। स प्रकार से खिलाड़ियों पर हो रहे अत्याचार को पूरा विश्व देख रहा है।

हर कोई देश के लिए पदक जीतना चाहता है, मैं भी अलग नहीं हूंः मुमताज खान

बेंगलुरू।
उभरती भारतीय स्टार मुमताज खान ने हॉकी इंडिया द्वारा शुरू की गई पॉडकास्ट सीरीज हॉकी ते चर्चा के हालिया एपिसोड में अपनी हॉकी यात्रा और महिला जूनियर एशिया कप 2023 में अपनी उम्मीदों के बारे में खुलकर बात की। डैशिंग फॉरवर्ड को 2021-2022 (महिला) का एफआईएच राइजिंग स्टार नामित किया गया था और उन्होंने 2022 के उभरते खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार भी जीता। अपने करियर की शुरूआत में खुद के लिए एक जगह बनायी।

मुमताज ने कहा, मेरी हॉकी यात्रा स्कूल में शुरू हुई। अधिकांश माता-पिता की तरह मेरे माता-पिता ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी; वे चाहते थे कि मैं जीवन में सफल होऊं और खेल को मेरी पढ़ाई से विचलित करने के रूप में देखा, मैंने उनकी बात सुनी। लेकिन, फिर एक ऐसा समय आया जब मैं खड़े होकर अपने दोस्तों को खेलते हुए और मजे करते हुए नहीं देख सकती थी, तो मैंने एक हॉकी स्टिक उठाई और उसमें शामिल हो गई।

मुमताज इस खेल के लिए इतनी प्रेरित थीं कि वह लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में प्रशिक्षण के लिए रोजाना 10 किलोमीटर साइकिल चलाती थीं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ बनने की यात्रा में सबसे अच्छी सुविधाएं मिले। उनके कोच, नीलम ने उनकी स्थिति और गोल के सामने मैच फिनिश करने के कौशल में सुधार करने में उनकी मदद की, उनकी सराहना की और समर्थन में मजबूती से उनके पीछे खड़े रहे। मेरे माता-पिता को बाद में पता चला कि मैंने अपने स्कूल में खेलना शुरू किया और उन्हें यह पहली बार में पसंद नहीं आया, लेकिन मैं अब हॉकी नहीं छोड़ सकती थी। मुझे खेल से प्यार हो गया। शुरू में, मेरा उद्देश्य हॉकी के माध्यम से नौकरी हासिल करना था लेकिन मेरे कोच हमेशा मानते थे कि मैं देश के लिए खेल सकती हूं। यह विश्वास कि मैं भारत का प्रतिनिधित्व कर सकती हूं, ने मुझे भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। मुमताज को 2019 में बाएं घुटने में एसीएल की चोट लगी थी, जिसके कारण वह लंबे समय तक खेल से दूर रहीं। उसने अपनी परीक्षा के बारे में कहा, चोट ने बहुत सारी आशंकाएं पैदा कर दीं, मुझे लगा कि मेरा करियर खत्म हो गया है, उस पर हॉकी छोड़ने के लिए माता-पिता का बहुत दबाव था। बाहरी दबाव भी काफी था, मेरे माता-पिता को बताया गया था कि मैं कुछ ज्यादा ही ऊंची उड़ान भर रही थी और यह अच्छा था कि मैं जमीन पर वापस आ गई, मैंने अब अपना सबक सीख लिया होगा। उन्होंने कहा, इस सारी अनिश्चितता के बीच, हॉकी इंडिया के एक पत्र के रूप में आशा की एक किरण आई, जिसमें कहा गया था कि मैं सीनियर टीम के साथ अपनी चोट का पुनर्वास करूं, सर्वोत्तम सुविधाओं और फिजियोथेरेपिस्ट के साथ। इसने मुझे फिर से खेलने के लिए प्रेरित किया। मुमताज दक्षिण अफ्रीका में 2022 महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप के लिए समय पर अपनी चोट से उबर गईं, जहां वह भारत की शीर्ष गोल स्कोरर थीं और आठ गोल के साथ कुल मिलाकर तीसरी सबसे बड़ी खिलाड़ी थीं। मुमताज ने कहा, जूनियर विश्व कप के बाद मेरे माता-पिता बहुत खुश थे। मेरी मां ने बाद में जो एक बात कही, भले ही हमारे परिवार में एक बेटा नहीं है, मेरी एक बेटी है जो एक साथ सौ बेटों के बराबर है। ये शब्द हमेशा मेरे दिल में मेरे साथ गहरे से बैठे रहेंगे। अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर, मुमताज को हीरो एफआईएच हॉकी 5एस लुसाने 2022 के लिए भी टीम में शामिल किया गया, जहां उन्होंने पांच गोल किए। उन्होंने वर्ष 2022 के उभरते खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार से सम्मानित होने पर कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने करियर में इतनी जल्दी एक पुरस्कार जीतूंगी, लेकिन मुझे हमेशा टीम और खुद के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद थी। मुझे पता है कि मुझे बस खुद पर काम करने और अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है, मुझे इसका पुरस्कार मिलेगा। मुमताज अगली बार आगामी महिला जूनियर एशिया कप 2023 के दौरान एक्शन में होंगी, जो एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है।

कमजोरी महसूस होना, नींद और चक्कर आना लो ब्लड प्रेशर के लक्षण हैं। इनसे दिल और दिमाग पर भी असर पड़ता है। लो बीपी की शिकायत होने पर काफी कुछ खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन ऐसे उपायों को जानना भी बहुत ही जरूरी है, जिससे लंबे समय तक इस परेशानी से बचा जा सके। जानते हैं ये घरेलू उपाय।

लो ब्लड प्रेशर से बचने के लिए घरेलू उपचार

नमक की मात्रा बढ़ाएं: खाने में वैसे नमक की मात्रा कम ही रखने की सलाह दी जाती है। अगर लो प्रेशर से पीड़ित हैं तो खाने में नमक या इसकी तासीर वाली खाने की चीजों की संख्या जरूर बढ़ानी चाहिए।

चुकंदर का जूस पिएं: लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने का ये सबसे अच्छा तरीका है। हर दिन सुबह और शाम को एक-एक कप चुकंदर का जूस जरूर पिएं। इसके अलावा एक कप स्ट्रांग कॉफी भी ट्राई कर सकते हैं। डिहाइटड्रेशन मतलब बॉडी में पानी की कमी कई सारी बीमारियों की वजह है। बॉडी के सभी पॉट्‌र्स को एक्टिव रखने के लिए पानी की जरूरत पड़ती है, इसलिए पानी की मात्रा को हमेशा सही बनाए रखें जिससे कमजोरी या बैचेनी महसूस न हो।

रोजाना एक्सरसाइज करें: किसी भी तरह की हल्की-फुल्की एक्सरसाइज को अपने डेली रुटीन में जरूर शामिल करें। चाहें तो रोज आधे घंटे की वॉक कर सकते हैं या तैरना पसंद हो तो वो भी किया जा सकता है। इससे बॉडी में ब्लड का फ्लो सही से बना रहता है।

प्रदूषण से सुरक्षा देता है विटामिन सी

फल व सब्जियों से भरपूर आहार करना श्वसन रोगों से पीड़ितों में वायु प्रदूषण के असर को कम करता है। जिनमें विटामिन सी का स्तर कम होता है, उनमें वायु प्रदूषण का विपरीत असर अधिक देखने को मिलता है। विटामिन सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से सुरक्षा प्रदान करते हैं। वायु प्रदूषण जब हवा के जरिए फेफड़ों में प्रवेश करता है तो फ्री रेडिकल का निर्माण होता है।

खतरनाक है गर्म हवा का झोका

गर्मियों में बढ़ते तापमान के साथ कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही एक गंभीर समस्या है हीट स्ट्रोक। हीट स्ट्रोक को आम बोलचाल की भाषा में लू लगना कहा जाता है। यह एक गंभीर शारीरिक अवस्था है, जिसमें शरीर, तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता खो देता है और शरीर का तापमान निरंतर बढ़ता रहता है। तापमान बढ़ कर 105 डिग्री या उससे भी अधिक हो सकता है। हीट स्ट्रोक में शरीर के तापमान का बढ़ना साधारण बुखार की स्थिति से भिन्न होता है। हीट स्ट्रोक की समस्या बेहद घातक सिद्ध हो सकती है। इसके कारण मस्तिष्क और शरीर के आंतरिक अंगों को क्षति पहुंच सकती है और सही उपचार न मिलने की स्थिति में रोगी को जान तक गंवानी पड़ सकती है।

हीट स्ट्रोक की अवस्थाएं

हीट स्ट्रोक में गंभीर स्थिति से पहले आमतौर पर कुछ शुरुआती अवस्थाएं होती हैं, जिनके लगातार बढ़ने के कारण स्थिति बिगड़ जाती है। इन्हें जान कर और समय रहते सही उपचार करके इस गंभीर स्थिति तक पहुंचने से बचा जा सकता है।

हीट क्रैम्प

गर्मी में अधिक शारीरिक गतिविधि के साथ अगर शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी न मिले तो हीट क्रैम्प की समस्या हो सकती है। इस अवस्था में मांसपेशियों में ऐंठन, खासकर पेट, हाथों और पैरों में दर्द होता है। ऐसा शरीर से पसीने के साथ सोडियम निकल जाने के कारण होता है। इसलिए कम सोडियम डाइट लेने वाले लोगों और दिल के रोगियों के इससे पीड़ित होने की आशंका ज्यादा होती है। समस्या के काबू में न आने पर अगली अवस्था यानी हीट इग्जॉस्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए इस स्थिति में भरपूर मात्रा में तरल पदार्थ लें और कुछ घंटे बाहर न निकलें।

हीट इग्जॉस्शन

तेज गर्मी और डीहाइड्रेशन के कारण हीट इग्जॉस्शन की समस्या हो सकती है। कमजोरी, तेज पसीना, तेज प्यास, जी मिचलाना, सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द, चक्कर आना जैसे लक्षण हीट इग्जॉस्शन का इशारा करते हैं। समय पर उपचार न मिलने पर समस्या बिगड़ सकती है।

हीट स्ट्रोक के संकेत

- तेज बुखार होता है, जो 104 डिग्री से ज्यादा रहता है।
- त्वचा में लालिमा, गर्माहट और खुश्की होती है।
- अत्यधिक घबराहट होती है।
- व्यवहार में बदलाव और चिड़चिड़ापन आ जाता है।
- पसीना कम आता है।
- सांस लेने में कठिनाई होती है।

क्या हैं कारण

अल्कोहल का सेवन, हृदय रोग, गर्मी में अत्यधिक कपड़े पहनना, गर्म दिनों में शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय होने के बावजूद पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन न करना, गर्मी में अत्यधिक व्यायाम, तेज धूप के समय फील्ड वर्क करना स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकते हैं। अवसाद के इलाज के दौरान ली जाने वाली दवाएं भी इसके खतरे को बढ़ा देती हैं।

प्रारंभिक इलाज

- रोगी को ठंडे स्थान पर ले जाएं। उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें या सीधे ठंडा पानी डालें।
- तापमान को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त हवा दें।
- रोगी पेय लेने की स्थिति में है तो उसे ठंडे, शीतल पेय पिलाएं।
- रोगी की बगलों, गर्दन, पीठ आदि में बर्फ का पैक लगाएं।

कैसा हो आहार

- खाने की ऐसी आदत बनाएं कि शरीर में पानी की कमी न रहे और इलेक्ट्रोलाइट संतुलित रहे।
- पानी, फलों-सब्जियों के जूस, ठंडी शिकंजी, मट्ठा, ग्लूकोज, इलेक्ट्रोलाइट जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- तला-भुना, गरिष्ठ भोजन करने से बचें।
- सलाद, दही, फल, दाल आदि अधिक खाएं।

रिस्क फैक्टर श्रेणी

हीट स्ट्रोक का खतरा किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोग खासतौर पर हीट स्ट्रोक की रिस्क फैक्टर श्रेणी में आते हैं। इन्हें बचाव के लिए खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। बच्चे, वृद्ध, मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति, उच्च रक्तचाप, गुर्दे या दिल के रोगी, अत्यधिक शारीरिक श्रम करने वाले खिलाड़ी या मोटे लोग इसी श्रेणी के हैं।

घरेलू उपचार

धनिए को कुछ देर पानी में भिगो कर रखें। उसे अच्छी तरह मसल कर, छान कर उसमें थोड़ी चीनी मिला कर पीने से गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं की आशंका कम हो जाती है।

कच्चे आम को उबाल कर छान लें। इसमें चीनी, नमक और भुना जीरा मिला कर पेय बना कर पिएं। गर्मी से बचाव के लिए यह रामबाण है।

ठंडे पानी में आलू बुखारे को मसल कर पीने से भी हीट स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

बेल के रस में चीनी मिला कर पिएं। शरीर को गर्मी की समस्या से राहत मिलेगी।

मेथी की सूखी पत्तियों को रात भर पानी में भिगो कर रखें और अगले दिन इसे हाथ से मसल कर छान लें। इसमें थोड़ा शहद मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा दो-दो घंटे के अंतराल में पिएं।

प्याज हीट स्ट्रोक से शरीर की रक्षा करती है। प्याज, चीनी और जीरे को भून लें। इसे थोड़ा-थोड़ा नियमित रूप से खाएं, गर्मी से राहत मिलेगी।

इन बातों का रखें ध्यान

- जब तापमान ज्यादा हो तो हीट स्ट्रोक के खतरे से बचे रहने के लिए बेहतर है कि बाहर न निकलें। ठंडी, वातानुकूलित जगहों पर ही रहने की कोशिश करें। बाहर जाना जरूरी हो तो कुछ सावधानियां जरूर बरतें।
- कम से कम एसपीएफ 30 वाली सन्सक्रीन का प्रयोग करें।
- पर्याप्त पानी पिएं। व्यायाम के समय या किसी भी काम के लिए बाहर जाने पर पानी पीने में बिल्कुल लापरवाही न बरतें।
- अधिक शारीरिक श्रम वाली बाहरी गतिविधियां सुबह 10-11 बजे से पहले और शाम को 4-5 बजे के बाद करें।
- बाहर रहने पर थोड़े अंतराल में पानी पीते रहें, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- हल्के रंगों के ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- धूप में निकलें तो सनग्लास अवश्य लगाएं।
- छाते, चौड़े किनारे वाला हैट या स्कार्फ का प्रयोग करें।
- दिन में घर को ठंडा रखने के लिए पर्दो और सन कंट्रोल फिल्म का प्रयोग कर सकते हैं।

ब्रेस्ट कैंसर अब नहीं रहा लाइलाज

कैंसर का एक प्रकार है ब्रेस्ट कैंसर, जो ब्रेस्ट के उतकों में होता है। यह मुख्यता मिल्क डक्ट्स या लोब्युल्स में होता है जो नलिकाओं को दुग्ध उपलब्ध कराते हैं। यह मानव और दूसरे स्तनधारियों में होता है वैसे यह रोग आमतौर पर महिलाओं को ही होता है लेकिन मेल ब्रेस्ट कैंसर भी पाया जाता है। जब शरीर की कोशिकाएं गड़बड़ा जाती है तब इनमें अनियंत्रित विभाजन होता है और ये आसामान्य कोशिकाएं एक जगह इकट्ठी होकर टयुमर बना लेती हैं। जो एक उभार के या गांठ के रूप में नजर आता है। वैसे अब यह लाइलाज नहीं रहा। इसके इलाज के लिए अब नई-नई तकनीक आ गई है। अगर शुरुआत में ही इसका इलाज हो जाए तो इसे ठीक किया जा सकता है लेकिन चौथे स्तर पर पहुंचने पर इलाज संभव नहीं है क्योंकि तब तक यह शरीर के अन्य अंगों में पहुंचकर उन्हें काफी नुकसान कर चुका होता है। चौकअप बताए छिपा खतरा स्क्रीनिंग के द्वारा कैंसर का पता तब चलता है जब किसी व्यक्ति में कैंसर के कोई बाहरी लक्षण नजर नहीं आते हैं और वह सामान्य जीवन जी रहा होता है। सामान्यता कैंसर एक कोशिका में शुरू होता है। कैंसर की पहचान उसके लक्षण नजर आने से पहले हो जाए तो उपचार आसान हो जाता है।

मैमोग्राम

मैमोग्राम ब्रेस्ट का एक्स रे स्कैनिंग है। यह महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट है, यह बिल्कुल शुरुआत में ही ब्रेस्ट कैंसर का पता लगा लेता है जब बाहरी तौर पर इस बीमारी के कोई संकेत या लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। क्लिनिकल ब्रेस्ट एक्जामिनेशन (सीबीई) किसी डॉक्टर द्वारा किया जाने वाला ब्रेस्ट का फिजिकल इक्जामिनेशन है।

- **कब शुरू करें:** 40 वर्ष के बाद, लेकिन जिनके पारिवार में इस बीमारी का इतिहास है उन्हें 20 के बाद ही शुरू करा लेना चाहिए।
- **कितने अंतराल के बाद:** सीबीई 20 साल के बाद साल में एक बार और मैमोग्राम 40 के बाद साल में एक बार।
- **मैमोग्राम के लिए मासिक धर्म के दौरान न जाएं:** इसके लिए सबसे उचित समय मासिक धर्म के एक या दो हफ्ते बाद है। अगर आप गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन कर रही हों तो अपने डॉक्टर को इस बारे में जरूर बताएं।

ब्रेस्ट सेल्फ इक्जामिनेशन (बीएसई)

इसमें ब्रेस्ट की जांच खुद ही की जाती है। यह जांच मासिक धर्म खत्म होने के अगले तीन दिनों में की जाती है। इसमें ब्रेस्ट को दबाकर देखना की कहीं कोई गांठ तो छिपी नहीं है। निप्पल से कोई डिस्चर्ज तो नहीं निकल रहा है या त्वचा कहीं खुरदुरी होकर सूज तो नहीं गई है। हाई रिस्क कैटेगरी वाली महिलाओं को हर महीने और सामान्य महिलाओं को तीन महीने में अपने ब्रेस्ट की जांच स्वयं करनी चाहिए।

ब्रेस्ट की एमआरआई

ऐसी महिलाएं, जिनके परिवार में ब्रेस्ट कैंसर का इतिहास हो, जिन्हें गर्भाशय का कैंसर हो, महिलाएं जिन्होंने ने छाती पर रेडिएशन थेरेपी ली हो, वे हाई रिस्क कैटेगरी में आती हैं। उन्हें हर साल मैमोग्राम के साथ एमआरआई जरूर कराना चाहिए।

युवा महिलाओं में भी बढ़ रहा है खतरा

- ब्रेस्ट कैंसर की एज शिफ्ट हो गई है। पहले 40-60 की आयु-सीमा वाली महिलाओं को यह बीमारी ज्यादा परेशान करती थी, लेकिन वर्तमान में युवा महिलाएं इससे ज्यादा प्रभावित हो रही हैं। मोनोपज के पहले जिन महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होता है वह ज्यादा घातक होता है।
- इसका सबसे प्रमुख कारण है कि युवा महिलाओं में मोनोपज की अवस्था को पहुंच चुकी महिलाओं से इसकी पहचान देर से होती है क्योंकि मासिक धर्म, बच्चों को स्तनपान कराने से उनके स्तन क्रियाशील रहते हैं इसलिए स्तन में होने वाले बदलावों का उनमें जल्दी पता नहीं पाता। जब डायग्राज किया जाता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और उनका कैंसर अधिक उच्च स्तर पर पहुंच चुका होता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

- ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले सौ गुना अधिक होता है। पश्चिमी देशों में यह आम है।

- दुनियाभर में प्रति वर्ष 13 लाख महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि होती है।
- अमेरिका में तो हर तीसरे मिनट एक महिला में ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि होती है।
- ब्रिटेन में तो 84 प्रतिशत महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं। यानी 10 में से 8 से भी ज्यादा महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं।
- शारीरिक निष्क्रियता कैंसर का खतरा 10प्रतिशत तक बढ़ा देती है और अत्यधिक धुम्रपान 35 से 50 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।
- रेडिएशन का जब सही डोज दिया जाए तो दोबारा कैंसर होने की आशंका 50-66 प्रतिशत तक कम हो जाती है।
- जो महिलाएं बच्चों को एक साल तक दूध पिलाती हैं, उनमें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा 11 प्रतिशत तक कम हो जाता है और अगर यह अवधि 24 महीने तक होती है तो इसका खतरा 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

मॉरिशस के शोधकर्ताओं की रिसर्च में खुलासा

बीमार भी कर सकता है आपका स्टाइलिश पर्स

पर्स रखने का प्रचलन आज से नहीं बल्कि बरसों से चला आ रहा है। लगभग प्रत्येक व्यक्ति पर्स रखता ही है। स्टाइलिश और आकर्षक पर्स के लिए महिलाओं की दीवानगी तो किसी से छुपी ही नहीं है, लेकिन ये पर्स कभी-कभी स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी साबित होते हैं। हाल ही में एक रिसर्च से ये साबित भी हुआ है...

एक नई रिसर्च के मुताबिक, 90 फीसदी से अधिक पर्सों में बैक्टीरिया पाएं जाते हैं, खासतौर पर महिलाओं के पर्स में ऐसा अधिक होता है। रिसर्च में पाया गया कि रसोई घर, टेबल और बाथरूम जैसी जगहों से पर्स में सबसे ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं, क्योंकि ये जगह हमेशा बहुत साफ-सुथरी नहीं रहतीं। जनरल एडवांस बायोमेडिकल के मुताबिक महिला और पुरुष दोनों में ही संक्रमित रोग फैलाने का बड़ा जिम्मेदार उनका पर्स है। हालांकि रिसर्च ये भी कहती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के पर्स में अधिक बैक्टीरिया होते हैं।

95 प्रतिशत में बैक्टीरिया

मॉरिशस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा की गई इस रिसर्च में 145 पर्स की जांच की गई जिसमें से 80 पर्स महिलाओं के और 65 पुरुषों के थे। रिसर्च के नतीजों में पाया गया कि 95.2 पर्स में बैक्टीरिया थे। यह बैक्टीरिया शरीर को हानि पहुंचाने के लिए काफी थे।

2 फीसदी की ही सफाई

रिसर्च के दौरान ये बात भी सामने आई कि केवल 2.1 फीसदी महिलाएं महीने में एक बार अपना पर्स साफ करती हैं, जबकि 81.5 कभी भी अपना पर्स खाली नहीं करती। रिसर्च में ये बात भी सामने आई कि सिंथैटिक पर्स के मुकाबले लैदर पर्स में कम बैक्टीरिया होते हैं। हाल ही में यह भी खुलासा हुआ था कि करेंसी नोटों पर माइक्रो-ऑरगनीज्म नाम के बैक्टिरिया पाए जाते हैं। ये बैक्टीरिया 10, 20, 100 के करेंसी नोट में में होते है। इन नोटों पर 78 बीमारियों को जन्म देने वाले जीवाणु पाए गए थे। जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं।

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलसिले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वत: ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं नि:स्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

रेसिपी

चॉकलेट मार्टिनी कॉकटेल

सामग्री

- 180 एमएल वैनीला वोडका
- 120 एमएल आईरिश क्रीम लिकर
- 120 एमएल चॉकलेट लिकर
- 120 एमएल चॉकलेट मिल्क
- आइस क्यूब
- फेंटी क्रीम और चॉकलेट कैंडी

विधि

सबसे पहले गलास को कॉकटेल ग्लासों से भरकर रेफ्रीजिरेटर में फ्रीज कर दें। फिर इस फ्रीज कॉकटेल ग्लास में एक बड़ा चम्मच चॉकलेट सीरप डालें। अब मिक्सी में चॉकलेट लिकर, आईरिश क्रीम लिकर, चॉकलेट मिल्क, वैनीला वोडका और आइस क्यूब्स को एक साथ डाल कर ब्लेंड करें। अब रेफ्रीजिरेटर में फ्रीज हो रहे कॉकटेल ग्लास को बाहर निकालें और उसमें इस ब्लेंड किए हुए मिश्रण को उड़ेलकर तुरंत सर्व करें। इसे सजाने के लिए ग्लास में ऊपर से गार्निश की हुई फेंटी हुई क्रीम और क्रश किया हुआ चॉकलेट कैंडी ऊपर से डालकर सजाएं।

मिंट लस्सी

सामग्री

- दही 2 कप
- पुदीना पत्ती एक चौथाई कप
- नमक आधा छोटा चम्मच
- अदरक का जूस 1 चम्मच
- काला नमक एक चौथाई चम्मच (छोटा)
- भुना जीरा पावडर एक चौथाई छोटा चम्मच
- आइस क्यूब आधा कप
- पुदीने की पत्ती गार्निशिंग के लिए 3 से 4

विधि

सबसे पहले मिक्सर ग्राइडर में पुदीने की पत्ती, दही, अदरक का जूस, नमक, काला नमक सभी को लेकर 1 कप पानी लेकर ग्राइंड कर लें। इस मिक्सचर के तैयार हो जाने पर इसे गिलास में डालकर, ऊपर से आइस क्यूब डालें। अब जीरा पावडर और पुदीने की पत्ती डाल कर इसे गार्निशिंग कर लें। आपकी मिंट लस्सी तैयार है, आप इसे तुरंत या फ्रिज में ठंढा कर बाद में भी सर्व कर सकती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**